मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	37.4	30.4
जमशेदपुर	35.7	27.7
डालटनगंज	37.8	25.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 21 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 15 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 73 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पीएम पेपर लीक रोक नहीं पा रहे या रोकना नहीं चाहते : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे या फिर रोकना नहीं चाहते. उन्होंने यह दावा भी किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है और जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाता तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे. राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष संसद के आगामी सत्र में इस मुद्दे को उठाएगा.

राहुल ने दावा किया कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है. कांग्रेस नेता ने कहा, मामले की जांच की जा रही है. कोई न कोई जिम्मेदार है. उसे पकड़ा जाना चाहिए. प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर उपजे विवाद के बीच, शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए सीबीआई को सौंपा है.

-शेष पेज 7 पर

नयी दिल्ली में गुरुवार को नीट विवाद पर प्रेस कांफ्रेंस करते राहुल गांधी.

लगाया आरोप

- एजुकेशन सिस्टम पर भाजपा का कब्जा, एमपी के व्यापम घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश
- विपक्ष एकजुट होकर संसद में उठाएगा पेपर लीक का मुद्दा

शिक्षा का डिमॉनेटाइजेशन हो गया

एमपी में व्यापम हुआ और व्यापम को नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पूरे देश में फैला रही है. राहुल ने कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. एजुकेशन सिस्टम पर भाजपा का कब्जा है. दोषियों पर कार्रवाई हो. युवाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है.

बिहार के डिप्टी सीएम का बड़ा दावा- तेजस्वी के पीएस ने मास्टरमाइंड के लिए बुक कराया था रूम- पेज 11 पर

याचिकाओं पर केंद्र, एनटीए को नोटिस उच्च न्यायालयों में सुनवाई पर लगी रोक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी को रद्द करने और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच का अनुरोध करने संबंधी याचिकाओं पर गुरुवार को केंद्र, एनटीए और अन्य से जवाब मांगा है. कोर्ट ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष नीट परीक्षा से संबंधित कुछ लंबित याचिकाओं पर आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और एसवीएन भट्टी की पीठ ने चार अलग-अलग याचिकाओं पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. जैसे ही पीठ ने एनटीए की याचिकाओं पर नोटिस जारी किए. पीठ ने कहा, आठ जुलाई तक जवाब दाखिल करना होगा. पीठ ने कई अन्य याचिकाओं पर भी विचार किया, जिनमें उन 20 छात्रों की याचिका भी शामिल है, जो पांच मई को आयोजित परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं.

हाई लेवल कमेटी करेगी जांच : प्रधान

नयी दिल्ली। नीट परीक्षा पर घमासान के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मंत्री ने कहा कि सरकार जीरो एरर परीक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. सरकार जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी गठित करने जा रही है. कमेटी एनटीए पर सिफारिश देगी. छात्रों का हित हमारी प्राथमिकता है. इसमें कोई समझौता नहीं होगा. किसी गुनहगार को नहीं छोड़ेंगे. मंत्री ने कहा कि सरकार एक हाई लेवल कमेटी का गठन कर रही है, जो एनटीए के स्ट्रक्चर, पारदर्शिता में बेहतरी लाने पर काम करेगी. उन्होंने कहा कि एनटीए के काम करने का तरीका जीरो एरर वाला है.

न परवाह, न शर्म

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

- **महीनों की मेहनत व अकेलापन.**
- **नौ लाख छात्रों के सपने टूटे.**
- **कम से कम 180 करोड़ स्वाहा.**
- **जिम्मेदार ? ना सरकार ना अफसर.**

सोशल मीडिया एक्स पर एक छात्र ने लिखा है: इस परीक्षा की वजह से मैं पिछले सात महीने से घर नहीं गया. पूरी मेहनत करके कल परीक्षा दी. लग रहा था कि इस बार जेआरएफ हो जाएगा... आज ट्रेन पकड कर घर जा रहा हूं... जैसे ही ये खबर आई, देख कर मूड खराब हो गया... घर आने-जाने में 5000 रुपया खर्च हो जाता है, दो दिन तक थकान अलग से... हमारी मेहनत और पैसों का हिसाब कौन देगा..?

क्या इस देश के रहनुमा इस युवक के दर्द को समझते हैं ? किन परिस्थितियों में छात्र परीक्षा की तैयारी करते हैं ? अभिभावक किन परिस्थितियों में अपने बच्चों को पढ़ाते हैं ? कोचिंग कराते हैं ? बैंक से कर्ज लेकर, जमीन व जेवर बंधक रख कर, परिवार का पेट काट कर. किन परिस्थितियों में छात्र परीक्षा देने जाते हैं. किन परिस्थितियों में इस पर होने वाले खर्च का जुगाड़ करते हैं ? फॉर्म भरने की फीस लेकर परीक्षा देने तक में कितना खर्च आता होगा ? उस पर महीनों की मेहनत ? घर से दूर रह कर तैयारी ? उन्हें मिल क्या रहा है ? सपने टूट जाते हैं, घर की जमा-पूंजी का सत्यानाश हो जाता है, जब पता चलता है कि परीक्षा कैंसिल हो गई.

हमारे रहनुमा सरकार चलाने में मस्त हैं-व्यस्त हैं. विपक्ष आरोप लगा रहा है. बेरोजगार छात्र जाएं, तो कहां जाएं ? किनके पास रोएं ? सरकार को चिंता ही नहीं. चिंता करे भी तो क्यों ? जब भाषणों, हिन्दू-मुसलमान करने, फ्री में बिजली, पानी, राशन देने, नकदी देने या देने के वायदे से ही चुनाव जीत कर सरकार बनाया जा सकता है. उन्हें तो सिर्फ चुनाव जीतने और सरकार बनाने से मतलब है. ना कोई जिम्मेदारी, ना जवाबदेही, ना कार्रवाई और ना ही परीक्षा लेने का कोई फूलप्रूफ प्लान. बस लफ्फाजी और सामने आ रहे तथ्यों को बेशर्मी से गलत बताने का काम. यही तो हो रहा है, पिछले आठ-दस दिनों से.

18 जून को एनटीए ने यूजीसी नेट की परीक्षा ली. नौ लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए. 19 जून को यह कह कर परीक्षा रद्द कर दी गई कि गड़बड़ी की सूचना है. गड़बड़ियों की जांच सीबीआई करेगी.

-शेष पेज 7 पर

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,200
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

अंतराष्ट्रीय योग दिवस आज

नयी दिल्ली। भारत समेत पूरी दुनिया में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा. इसके 10वें संस्करण की तैयारी पूरी हो चुकी है. भारत में भी आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान योग दिवस मनाएगा. योग ने सिर्फ शरीर को बल्कि मंन को भी शांति और एकाग्रचित करता है. योग के अभ्यास से शांतिपूर्ण मन से व्यक्ति को समाज कल्याण के लिए एक बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है.

आठ सीट पर ईवीएम सत्यापन के आवेदन

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग को चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद ईवीएम में लगी माइक्रो-कंट्रोलर चिप में छेड़छाड़ या हेरफेर संबंधी सत्यापन के लिए भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के उम्मीदवारों से आठ आवेदन मिले हैं.

अनचाही कॉल पर लगाम का मसौदा जारी

नयी दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को प्रचार-प्रसार संबंधी फोन कॉल और एसएमएस जैसे अनचाहे एवं अवांछित कारोबारी संचार पर लगाम लगाने से संबंधित दिशा-निर्देशों के मसौदे पर 21 जुलाई तक टिप्पणियां आमंत्रित कीं. दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और नियामकों सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए इन दिशानिर्देशों में व्यक्तिगत संचार को नहीं रखा गया है. मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये दिशानिर्देश कारोबारी संचार से जुड़े सभी व्यक्तियों और संस्थाओं पर लागू होंगे.

बड़े शहरों में घट गई घरों की खरीद-बिक्री

नयी दिल्ली। हैदराबाद और पुणे में कम मांग रहने से देश के नौ प्रमुख शहरों में मौजूदा तिमाही के दौरान घरों की बिक्री दो प्रतिशत घटकर 1.20 लाख इकाई रह जाने का अनुमान है. रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म प्रॉपइक्विटी ने बृहस्पतिवार को अप्रैल-जून तिमाही के अंत से 10 दिन पहले घरों की बिक्री के संभावित आंकड़े जारी किए हैं.

लू से अब तक 114 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। इस वर्ष एक मार्च से लेकर 18 जून के बीच में देश के बड़े हिस्से में जारी भीषण गर्मी ने कम से कम 114 लोगों की जान ले ली और 40,000 से अधिक लोगों को संदिग्ध तापघात से जूझना पड़ा. स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

नीतीश सरकार को तगड़ा झटका, लेकिन अभी भी मौका, पीएम को करनी होगी मदद

बिहार में बढ़ा आरक्षण रद्द

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

बिहार की एनडीए सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था. जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ. महागठबंधन सरकार के भी मुखिया नीतीश कुमार ही थे. महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राज्य में आरक्षण का प्रतिशत 65 तक पहुंचा दिया था. चुनाव में महगठबंधन के मुख्य दल राजद ने इस आरक्षण का क्रेडिट भी लिया.

किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था. लेकिन अब, पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है. कोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका माना जा रहा है. गुरुवार को हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है. हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है. यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा. 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो जाएगी.

भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है : दरअसल, 65 प्रतिशत आरक्षण कानून के खिलाफ गौरव कुमार व अन्य लोगों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी. न कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान. यह जो 2023 का संशोधित अधिनियम बिहार सरकार ने पारित किया है, वह भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है. इसमें सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के समान अधिकार का उल्लंघन करता है, वहीं भेद भाव से संबंधित मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन है. चीफ जस्टिस केवी चंद्रन की खंडपीठ ने इस पर लंबी सुनवाई की. इसके बाद 11 मार्च को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. गुरुवार को कोर्ट ने 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने जाने के राज्य सरकार ने निर्णय को रद्द करने का फैसला सुनाया.

पटना हाईकोर्ट ने राज्य में 65% आरक्षण को असंवैधानिक घोषित किया

21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने गजट प्रकाशित करवाया था

बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था. 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा. 21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया था. इसके बाद से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अतिपिछड़ा को 65 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल रहा था.

नीतीश कुमार के पास अब भी मौका

इस फैसले से सरकार को भले ही झटका लगा है, लेकिन नीतीश के पास अभी भी अपने फैसले को बरकरार रखने का मौका है. हालांकि इसके लिए उसे केंद्र सरकार के समर्थन की दरकार होगी. हाल ही में संपन्न हुए लोस चुनाव के दौरान विपक्षी दलों ने आरक्षण का मुद्दा उठाया था. विपक्ष ने आरोप लगाया था कि केंद्र में अगर नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा दो तिहाई की बहुमत से सरकार बनाने में सफल होती है, तो संविधान संशोधन कर आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा. हालांकि, पीएम मोदी खुद बार-बार इस बात को दोहराते रहे कि कोई भी आरक्षण को कभी भी खत्म नहीं कर सकता है. ऐसे में नीतीश सरकार को अब पटना हाईकोर्ट से जब झटका लगा है, तो उनके पास केंद्र सरकार के पाले में गेंद फेंकने का मौका है. नई सरकार में नीतीश कुमार की भूमिका भी अहम है, क्योंकि उनके 12 सांसद चुनाव जीत कर आए थे. ऐसे में वह आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर केंद्र पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं.

जानिए, किस वर्ग के आरक्षण में कितना इजाफा किया गया था

- एससी को दिए गए 16% आरक्षण को बढ़ाकर 20% किया गया था.
- **एसटी को को दिए गए 1% आरक्षण को बढ़ाकर अब 2% किया गया था.**
- ओबीसी को 12% को बढ़ाकर 18% और अति पिछड़ा को दिए गए 18% आरक्षण को बढ़ाकर 25% किया गया था.

क्या है नौवीं अनुसूची

संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कानूनों को अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती है. अब तक इस अनुसूची के तहत बने कानूनों की संख्या 284 हो गई है. 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत निर्धारित की थी. ऐसे में अगर आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार नौवीं अनुसूची को संसोधित करती है, तभी यह व्यवस्था स्थाई हो पाएगी.

झारखंड ने भी की थी मांग

छत्तीसगढ़ सरकार ने पीएम को पत्र लिखकर नौवीं अनुसूची में नौकरियों व संस्थानों में आरक्षण के 76% कोटे वाले दो संशोधन बिलों को शामिल करने की मांग की थी. पिछले साल नवंबर में झारखंड सरकार ने भी राज्य की नौकरियों में आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 77% कर दिया था और उसे प्रस्ताव को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी थी.

सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

हाईकोर्ट द्वारा बिहार आरक्षण कानून रद्द करने के फैसले पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी. बता दें कि पटना हाईकोर्ट के द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को बढ़ाने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिए जाने के बाद राज्य की सियासत गर्मा गई है. इस मामले पर राजद ने सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे को खटखटाने की बात कही है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं जाएगी, तो राजद सुप्रीम कोर्ट जाएगी.

नरसिंह इस्पात के कारनामे

फॉरेस्ट कंजरवेशन एक्ट का भी उल्लंघन किया !

रवि / दिलीप। रांची/चांडिल

सरायकेला के चौका-कांड्रा रोड स्थित नरसिंह इस्पात ना सिर्फ सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाली कंपनी है, बल्कि उसने फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट के उल्लंघन किया है. वन विभाग ने इस तरह के आरोपों की पड़ताल शुरू कर दी है. बताते चलें कि नरसिंह इस्पात ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से पर्यावरण स्वीकृति ली थी. बाद में कंपनी प्रबंधन ने वन विभाग की जंगल झाड़ी की जमीन पर कब्जा कर कंपनी का विस्तार कर लिया.

कंपनी ने नहीं की नुकसान की भरपाई : वन विभाग और प्रदूषण बोर्ड के मुताबिक, कंपनी ने अब तक पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई नहीं की है. वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान के तहत कंपनी को पौधरोपण, तालाब का निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग के साथ जानवरों के संरक्षण के उपाय करने थे. लेकिन अब तक कंपनी ने ऐसा कुछ भी नहीं किया है. इसके लिए कंपनी को कैंपा फंड में क्षतिपूर्ति की राशि जमा करनी थी. इस राशि का इस्तेमाल डीएफओ के स्तर से जानवरों के संरक्षण कार्य में किया जाता है.

टैक्स चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं हेमंत गोयल

नरसिंह इस्पात लिमिटेड के निदेशक हेमंत सोरेन टैक्स चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं. डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सेंट्रल एक्साइज इंटेलीजेंस (डीजीसीईआई) ने 10 फरवरी 2015 को उन्हें गिरफ्तार किया था. उन पर 10 करोड़ रुपये का टैक्स चोरी करने का आरोप है. जानकारी के मुताबिक सितंबर 2015 में डीजीसीईआई ने टैक्स चोरी की सूचना पर नरसिंह इस्पात के अलावा न्यू बाराद्वारी स्थित पुनीत इस्पात के कार्यालय और कंपनी के कोलकाता स्थित मुख्यालय में छापामारी की थी. जांच में खुलासा हुआ था कि हेमंत गोयल फर्जी दस्तावेज और कंपनियों के माध्यम से कारोबार कर रहे थे. कुल 10 करोड़ रुपये के टैक्स चोरी करने के आरोप में डीजीसीईआई ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था.

हेमंत गोयल

केजरीवाल को मिली बेल

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली की कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े एक धनशोधन मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को गुरुवार को जमानत दे दी. विशेष जज न्याय बिंदु ने एक लाख के निजी मुचलके पर आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल को यह राहत दी. कोर्ट ने केजरीवाल के बेल आदेश पर 48 घंटे के लिए रोक लगाने का ईडी का आग्रह भी खारिज कर दिया. जज ने केजरीवाल की बेल प्ली पर दलीलें सुनने के बाद ये आदेश दिया. ट्रायल कोर्ट ने कहा कि शुक्रवार को बेल बॉन्ड को ड्यूटी जज के सामने पेश किया जाएगा. केजरीवाल शुक्रवार को बाहर निकल सकते हैं. माना जा रहा है ईडी केजरीवाल की रिहाई से पहले दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर सकती है, और निचली अदालत के आदेश पर रोक की मांग कर सकती है. मनी लॉन्ड्रिंग केस में केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था.

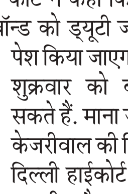

स्विस बैंकों में 70% घटा भारतीयों का जमा धन

एजेंसी। नयी दिल्ली/ज्यूरिख

स्विस बैंकों में और अन्य वित्तीय संस्थानों में भारतीयों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70% की गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर आ गया है. स्विट्जलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों के कुल धन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई है.

यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था. गिरावट का मुख्य कारण बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से रखे गये धन में तेज गिरावट है. आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा, ग्राहक जमा खातों में जमा राशि और भारत में अन्य बैंक शाखाओं के माध्यम से रखे गए धन में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है. ये स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए आधिकारिक आंकड़े हैं और ये स्विटजरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गये बहुचर्चित कथित काले धन की मात्रा का संकेत नहीं देते हैं.

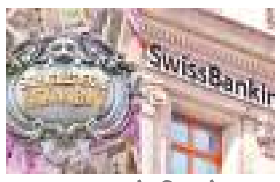

- चार साल के निचले स्तर 1.04 स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर पहुंचा

अवध में जाति आई है

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

निराला जी की एक प्रसिद्ध रचना है राम की शक्ति पूजा. वह रचना आज भी प्रासंगिक है. इसमें एक बिंब है. राम-रावण युद्धरत होते हैं. लेकिन कोई परिणाम नहीं निकलता. अमर रह गया राम-रावण के बीच अपराजेय समर. यह समर उस समय भी अनिर्णीत था और आज भी है. यह युद्ध उस समय भी मायावी था और आज भी है. उस समय भी वह युद्ध योगवादी और भोगवादी संस्कृति के मध्य था और आज भी है. अंतर सिर्फ इतना है कि उस युद्ध में रावण का तांडव रोकने में जब राम निरुपाय हो जाते हैं तो जामवंत उन्हें संबल प्रदान करते हैं और कहते हैं कि प्रभु ! लंबी लड़ाई में कभी-कभी ऐसा होता है. आप शक्ति की आराधना कीजिए. उनकी बात मानकर राम शक्ति की पूजा करते हैं और रावण को परास्त करते हैं. लेकिन आज के समर में कोई जामवंत सरीखा नहीं दिखता जो मोदी के व्यथित मन को संबल प्रदान कर सके.

अपने इसी स्तंभ में मैंने लोकसभा चुनाव शुरू होते ही लिखा था कि यह समर मायावी होगा. हुआ भी वैसा ही. भाजपा के साथ राम तो थे, लेकिन न शक्ति थी और न भील, वानर, रीछ, भालू थे और न ही जामवंत जैसा सलाहकार था. भाजपा के साथ धर्म तो था, लेकिन जातीय समन्वय नहीं था. उसे भरोसा या अहंकार था कि राम के रहते उसे कौन हरा पायेगा. लेकिन भाजपा यह भूल गयी कि चुनाव में जातियां तब निस्तेज होती हैं, जब राष्ट्रवाद का आवेग और धर्म का संवेग प्रबल होता है. फरवरी में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद परिवेश को चुनाव तक राममय बनाने के लिए उसने कुछ किया ही नहीं. उसने राष्ट्र की सुरक्षा को भी प्रमुख मुद्दा नहीं बनाया. इसलिए चुनाव की सरगर्मी में जातियां टहक गयीं और लावा बनकर बहने लगीं. संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने और नकदी की गारंटी ने उसे प्रलयंकारी बना दिया. उसे भाजपा निचले स्तर पर रोक सकती थी, लेकिन कार्यकर्ता निष्क्रिय थे, संगठन खुशफहमी में था और बड़े नेता मुगालते में थे. उन्हें लग रहा था कि उनका विजय रथ कोई रोक ही नहीं सकता. टिकट तो ऐसे बांटे गये जैसे अंधा रेवड़ियां बांट रहा हो. उत्तरप्रदेश में योगी जी ने 35 सांसदों के टिकट काटने को कहा था. लेकिन अमित शाह शायद एक पत्रकार या उसकी पसंद की किसी एजेंसी से सर्वे कराये बैठे थे. सबको टिकट दे दिया. उनमें से 29 हार गये. ये सांसद अपने क्षेत्र में अलोकप्रिय थे. वे मोदी के सहारे थे और योगी को कुछ समझते ही नहीं थे. जहां टिकट काटे गये, वहां भी पैरवी पुत्रों को लड़ा दिया गया या दूसरी पार्टी से आये नेताओं को उतार दिया गया. इससे कार्यकर्ता उदास हो गये और टिकट की आस संजोये नेता घर बैठ गये.

इसी स्तंभ में टिकट बंटवारे पर मैंने कुछ प्रत्याशियों का जिक्र करते हुए टिप्पणी की थी. उनमें अयोध्या से लल्लू सिंह का भी जिक्र था. अब वह हार गये हैं तो कहा जा रहा है कि राम भी भाजपा से विमुख हो गये हैं. ऐसा कहने-सोचने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि कारसेवकों पर गोलियां चलवाकर और आडवाणी जी को गिरफ्तार करके भी मुलायम व लालू जीते थे. बाबरी ढांचा ध्वंस के बाद भी कल्याण सिंह जैसे नेता की अगुवाई में भाजपा बहुमत नहीं पा सकी थी. भाजपा तब जीतने लगी जब उसने सामाजिक समीकरण दुरुस्त किया और चेहरा तथा पैरवी के बदले संगठन में रचे-खपे नेताओं को आगे बढ़ाना शुरू किया. मोदी-शाह के परम प्रिय पुरुषोत्तम रुपाला ने चुनाव के बीच ही इतिहास से गड़े मुर्दे उखाड़कर राजपूतों को बिदका दिया. उसकी लपट पूरे पश्चिम में पसर गयी.

– शेष पेज 7 पर

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की वेबसाइट से 25 जून से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 30 को, दो खंडों में लिया जाएगा एग्जाम

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृति परीक्षा 30 जून को होगी. इसका प्रवेश पत्र 25 जून से झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की वेबसाइट से डाउनलोड होगा. इसके साथ ही जैक ने नेतरहाट और इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के साथ राज्य में संचालित मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा की तिथि भी जारी कर दी है.

इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा छह जुलाई को : नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर संताल परगना व कोल्हान प्रमंडल में संचालित आवासीय विद्यालय व इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हजारीबाग में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा छह जुलाई को होगी. प्रवेश पत्र 27 जून से डाउनलोड होगा. विद्यालय में कक्षा छह के लिए नामांकन लिया जायेगा.

मॉडल स्कूल में प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को

- राज्य में केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर संचालित 89 मॉडल स्कूल में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को होगी, जबकि प्रवेश पत्र 27 जून से डाउनलोड होगा.
- **मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृति के लिए कैसा होगा पैटर्न,वेबसाइट में मिलेगी जानकारी**
- मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 9 से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थी कर सकते हैं
- **छात्रों को अपनी पिछली कक्षा में 60 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है**
- स्कॉलरशिप लेने वाले बच्चे अगर सरकारी स्कूल के आवासीय विद्यालय में पढ़ते हैं तो उन्हें छात्रवृत्ति की 50% ही राशि मिलेगी.
- **परीक्षा दो खंडों में आयोजित की जाएगी. प्रत्येक खंड 90 मिनट का होगा और सारे सवाल एमसीक्यू होंगे.**
- परीक्षा में रिजनिंग, इंग्लिश व प्रोफिशिएंसी से सवाल पूछे जाएंगे.
- **नेतरहाट और इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय की परीक्षा के लिए कैसा होगा पैटर्न**
- परीक्षा कुल 200 अंकों की होगी.
- **गणित, सामाजिक अध्ययन/सामान्य ज्ञान व सामान्य विज्ञान, भाषा व मानिसक योग्यता विषय से सवाल पूछे जाएंगे.**
- परीक्षा दो पाली में संचालित की जाएगी.
- **इन स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए आपको झारखंड का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है.**
- आवेदकों की उम्र 10 वर्ष से कम और 12 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए.
- **आवेदन करने वाला उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी शिक्षण संस्थान पांचवीं की परीक्षा पास होना अनिवार्य होगा.**

झारखंड पुलिस के जवानों के भी बनेंगे स्मार्ट कार्ड

संवाददाता। रांची

भारतीय सेना की कैंटीन की तर्ज पर झारखंड पुलिस भी अपने जवानों के लिए स्मार्ट कार्ड बनाने जा रही है. अब जवान पुलिस कैंटीन में स्मार्ट कार्ड के जरिये भी खरीददारी कर पायेंगे. स्मार्ट कार्ड पर खरीदारी सिर्फ पुलिस वाला या फिर उसका परिवारिक सदस्य ही कर सकता है. नई स्कीम के तहत कार्ड जारी होने के बाद जीएसटी में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी. इसको लेकर आईजी मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को पत्र भेजा है. लिखे पत्र में कहा गया है कि राज्य के सभी पुलिसकर्मियों को केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार की कैंटीन का कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है. यह कार्ड किसी भी कैंटीन में वैध होगा.

कर्मी लिमिट से ज्यादा नहीं ले पाएंगे सामान

कैंटीन से सामान खरीदते समय स्मार्ट कार्ड लेकर आना जरूरी होगा. इसी कार्ड के आधार पर सामान मिलेगा. इसमें सामान खरीदने की सीमाएं व रेट दोनों तय होगी. उनको उतना ही सामान मिलेगा, जितना केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार तय करेगा. अच्छी बात यह है कि कर्मचारियों को कैंटीन कार्ड जारी होने के बाद जीएसटी में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी. अब तक पुलिसकर्मी जो सामान महंगे दाम पर खरीदते थे, वह जीएसटी छूट के बाद काफी हद तक सस्ता हो जायेगा. कई और तरह की छूट भी मिलेंगी. प्रदेश के 40 हजार पुलिसकर्मियों को स्मार्ट कार्ड का फायदा होगा.

ब्रीफ खबरें

माननीयों की वेतन वृद्धि पर मरांडी ने जताई आपत्ति

रांची। माननीयों की वेतन वृद्धि पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आपत्ति जताई है. सोशल मीडिया में लिखा है कि कि सरकार के पास पैसों की कमी सिर्फ गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के लिए रहती है. जहां मुख्यमंत्री जी को महीने के 80,000 रुपये, मंत्री और राज्यमंत्री को 65,000 रुपये व विधायकों को 40,000 रुपये कम पड़ जाते हों, वहीं झारखंड की आम जनता के भविष्य और जीवन यापन के लिए सरकार के पास आना भी नहीं है. झारखंड की जनता जानना चाहती है कि जब बात खुद के इंतजाम की आती है तो इतने पैसे सरकार के किस बटुए में आ जाते हैं. सरकार के आंगन में लगा वो कौन सा पैसों का पेड़ है जो सत्ताधारियों/ जन प्रतिनिधियों के लिए ही धन की वर्षा करता है कि सभी के वेतन में 20,000 रुपये का इजाफा कर दिया जाता है

राष्ट्रपति के जन्मदिन पर सीएम ने दी बधाई

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्म दिन पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने उन्हें बधाई दी है. मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं व जोहार. मरांगबुरु से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं. कल्पना सोरेन ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन पर अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं. मरांगबुरू आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे, यही कामना है.

यूएपी एक्ट से जुड़े केस की डाटा इंट्री की समीक्षा

रांची। यूएपी एक्ट (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) से संबंधित कांडों में आई-एमओटी पोर्टल पर डाटा इंट्री को लेकर समीक्षा बैठक हुई. यह बैठक गुरुवार को आईजी अभियान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी. इस बैठक में जिला के एसपी और होमगार्ड एसपी शामिल हुए. गौरतलब है कि पिछले साल डीजीपी अजय कुमार सिंह ने यूएपी एक्ट के तहत अभियोजन स्वीकृति प्रस्ताव तैयार करने के लिए आवश्यक गाइडलाइन जारी की थी. डीजीपी द्वारा जिला के एसपी को निर्देश जारी कर कहा गया था कि एक्ट के तहत भेजे जानेवाले अभियोजन स्वीकृति के लिए प्रस्ताव में एकरूपता लाने के लिए एक चेक लिस्ट तैयार की गयी है. सभी एसपी को निर्देश दिया गया है कि एक्ट के तहत भेजे जा रहे अभियोजन स्वीकृति के प्रस्ताव की जांच कर ली जाए.

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जेबीवीएनएल ने शुरू किया योजना बनाने का काम

15 अगस्त को सीएम चंपाई लांच कर सकते हैं 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम

2225 करोड़ सालाना बढ़ेगा सरकार पर बोझ, यह राशि सरकार जेबीवीएनएल को सब्सिडी के तौर पर देगी

कौशल आनंद। रांची

चंपाई सरकार का मास्टर स्ट्रोक कहे जाने वाला 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम 15 अगस्त को लांच किया जा सकता है. मुख्यमंत्री 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस योजना को शुरू करने की घोषणा कर सकते हैं. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जेबीवीएनएल इसको लेकर प्रस्ताव बनाने में जुट गया है. एक से डेढ़ महीने के अंदर जेबीवीएनएल को इसका प्रस्ताव बनाकर ऊर्जा विभाग को सौंप देना है. इसे सरकार का सबसे बड़ा चुनावी मास्टर स्ट्रोक के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इसके दायरे में राज्य के करीब 40 लाख से अधिक कंज्यूमर आ जाएंगे.

जेबीवीएनएल को होने वाले नुकसान की राशि सरकार सब्सिडी के तौर पर देगी : जेबीवीएनएल से मिली जानकारी के अनुसार 200 यूनिट फ्री बिजली स्कीम को जेबीवीएनएल को जहां सालाना करीब 2225 करोड़ का नुकसान होगा. वहीं सरकार पर इतनी राशि का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. क्योंकि सरकार यह राशि जेबीवीएनएल को सब्सिडी के तौर पर देगी.

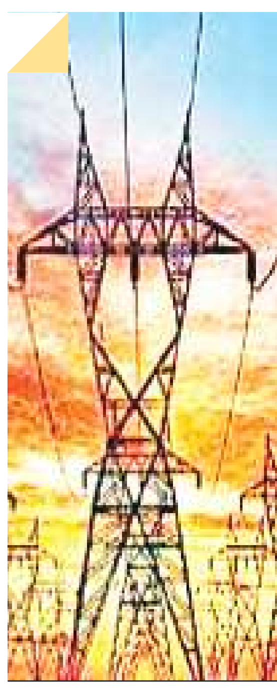

200 यूनिट से अधिक की खपत पर अभी इस प्रकार मिल रही है सब्सिडी

- वर्तमान में 101 से 200 यूनिट खपत करने वाले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 2.75 रुपये की सब्सिडी मिल रही है.
- 201 से 400 यूनिट तक इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को 2.05 रुपये प्रति यूनिट की सब्सिडी मिल रही है.
- 400 यूनिट से अधिक के खपत पर कोई सब्सिडी नहीं है.

40 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार ने 100 यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की थी. इसके बाद पुन: चंपाई सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए 125 यूनिट कर दिया. एक बार फिर से इसे बढ़ाते हुए 200 यूनिट किया जा रहा है. वर्तमान में कुल 29.15 लाख कंज्यूमर इसका लाभ उठा रहे हैं. अब इसका दायरा 200 यूनिट तक होने के बाद इसक लाभ करीब राज्य के 40 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा. वर्तमान में करीब 53 लाख कंज्यूमर पूरे राज्य में हैं. यानि कि 90 प्रतिशत कंज्यूमर इसके दायरे में आ जाएंगे. इसलिए इसे चंपाई सोरेन सरकार का मास्टर स्ट्रोक स्कीम भी कहा जा रहा है.

सरकार विभिन्न स्लैब में सब्सिडी दे रही : वर्तमान में 200 यूनिट से अधिक खपत करने वाले कंज्यूमरों को सरकार विभिन्न स्लैब में सब्सिडी दे रही है. अब इस पर विचार चल रहा है कि यह सब्सिडी जारी रखा जाए या नहीं. अगर 200 यूनिट से उपर के खपत पर पूर्व से जारी सब्सिडी को खत्म करने का निर्णय सरकार करती है तो विरोध का सामना करना पड़ सकता है. इसलिए इस बात की संभावना अधिक है कि पूर्व से जारी सब्सिडी चालू रहे. जानकारी के अनुसार सरकार 0-200 यूनिट तक के खपत वाले सब्सिडी स्लैब को हटा सकती है, क्योंकि जब 200 यूनिट तक फ्री हो जाएगा तो फिर अलग से इस स्लैब पर सब्सिडी देने का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा.

ओबीसी आयोग अध्यक्ष और विधायक प्रदीप मिले सीएम से

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद महतो व विधायक प्रदीप यादव ने मुलाकात की. इन्होंने सरकार द्वारा 19 जून को मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के भीतर जाति आधारित जनगणना कराए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री को बधाई दी तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया. यह मुलाकात प्रोजेक्ट भवन में हुई.

पेयजल सचिव व नगर आयुक्त को हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

संवाददाता। रांची

रांची के जलस्रोतों के संरक्षण और रांची के तीन डैमों की साफ-सफाई और अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान बुधवार के आदेश के आलोक में पेयजल विभाग के सचिव और रांची नगर निगम के नगर आयुक्त कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए. अदालत ने उनसे पूछा कि शहर में पीने के पानी में गंदगी पर हाईकोर्ट से पहले विभाग का ध्यान क्यों नहीं जाता? कोर्ट के संज्ञान के बाद ही विभाग क्यों जागा ?इसके साथ ही अदालत ने दोनों अधिकारीयों को फटकार लगाते हुए अगली सुनवाई के दौरान दोबारा कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया. साथ ही कोर्ट ने नगर विकास विभाग के सचिव को भी ने अगली सुनवाई में अदालत के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया.

झारखंड सिविल सोसाइटी ने दाखिल की है जनहित याचिका

कोर्ट ने गुरुवार को नगर आयुक्त और पेयजल विभाग के सचिव से पूछा कि बड़ा तालाब और डैमों की सफाई के लिए लॉन्ग टर्म प्लान क्या है तो दोनों अधिकारियों ने अदालत को बताया कि इसके लिए कई एजेंसियों से विचार विमर्श किया जा रहा है और इसमें नगर विकास विभाग की भी भूमिका है. नगर विकास विभाग जब तक सीवरेज का काम पूरा नहीं करेगा, तब तक जलाशयों को स्वच्छ रखने में दिक्कत होगी. जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई में नगर विकास विभाग के सचिव को भी हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया. इस संबंध में झारखंड सिविल सोसाइटी की ओर से जनहित याचिका दाखिल की है.

11वीं जेपीएससी मुख्य परीक्षा का रास्ता साफ

रांची। 11वीं जेपीएससी की मुख्य परीक्षा (मेंस) का रास्ता साफ हो गया है. दरअसल 11वीं जेपीएससी की परीक्षा के बाद आयोग द्वारा संशोधित मॉडल आंसर जारी किया गया था. संशोधित मॉडल आंसर जारी होने के बाद आयोग ने रिजल्ट भी जारी कर दिया था. जिसपर आपत्ति जताते हुए जया कुमारी, सिद्धार्थ सौरभ, विवेक गुप्ता, ध्रुव कुमार वअन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. जिन अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी वह परीक्षा में असफल रहे थे. प्रार्थियों की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया.

विस नियुक्ति घोटाला: हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

रांची। झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई. इस केस से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. अब अदालत क्या फैसला सुनाता है, यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा. गुरुवार को राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अपनी बहस पूरी की. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है.

टूरिस्ट कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार टूरिस्ट कॉरिडोर के जरिये आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की कावयद शुरू कर दी है. इसका खाका तैयार किया जा रहा है. राज्य में होली टूरिस्ट कॉरिडोर के निर्माण में राज्य सरकार 1020 करोड़ रुपये खर्च करेगी. होली टूरिस्ट कॉरिडोर निर्माण के पीछे राज्य सरकार का तर्क है कि कॉरिडोर के निर्माण से तीर्थ स्थलों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा. जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना को मंजूरी दे सकती है. इस योजना के जरीए तीर्थ स्थलों की सूरत बदल जाएगी.

झारखंड में ऐसा होगा होली टूरिस्ट कॉरिडोर

- रांची से रजरप्पा, लुगुबुरु-घंटाबाड़ी, मधुबन-गिरिडीह होते हुए बाबा धाम तक जाएगी. रांची से ओरमांझी, गोला, रजरप्पा, लुगुबुरू पहाड़ी, डुमरी, मधुबन मोड़, बुढ़ई होते हुए देवघर तक 201 किमी का होली टूरिस्ट कॉरिडोर का निर्माण होगा.
- **इस कॉरिडोर में रजरप्पा, लुगुबुरू, पारसनाथ और देवघर जैसे धार्मिक स्थल जुड़ सकेंगे, जिसमें सनातन, सरना और जैन तीर्थ स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान बनेगी.**
- इस कॉरिडोर के निर्माण से गिरिडीह से रांची की दूरी 138 किमी हो जाएगी. यह योजना चार धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए बाबाधाम पहुंचने की है.
- **201 किलोमीटर में करीब 31 किमी की सड़क बनी हुई है. बाकी 170 किमी की सड़क पर चंपाई सोरेन की सरकार ने निर्माण के लिए हामी भर दी है.**

सभी निकाय जलजमाव की रोकथाम करने के उपाय हर हाल में करें

नालियों की तलहटी को साफ करायें

खास बातें

- पेयजल व सिवरेज की चालू योजनाओं को गति मिलेगी
- जेई की नियुक्ति से निकायों के कार्यों में आयेगी तेजी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के सभी शहरी निकायों में मॉनसून के मद्देनजर नाले नालियों की सफाई कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाना प्राथमिकता होगी. साथ ही सभी निकायों में जलजमाव की समस्या के रोकथाम के उपाय किये जायेंगे. इसके लिए निकायों के अधिकारियों को प्रभार ग्रहण करने के साथ ही निर्देश भी जारी कर दिया गया है. गुरुवार को नगर विकास सचिव अरवा राजकमल ने प्रभार ग्रहण करने के बाद कहीं. उन्होंने कहा कि पेयजलापूर्ति एवं सिवरेज संबंधी चालू योजनाओं को गति प्रदान कर उसका लाभ आमजनता को दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी. इसकी जल्द ही समीक्षा की जायेगी.राजकमल ने कहा कि नगर विकास से संबंधित दीर्घावधि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सुधारात्मक निर्णय लेकर सकारात्मक पहल की जायेगी.

अरवा राजकमल.

पोखर-तालाब की साफ सफाई कराने का निर्देश

सचिव ने कहा कि विभाग को नये कनीय अभियंताओं के पदास्थापन से विकास कार्यों के लिए बल मिला है. उन्हें प्रशिक्षित कर नगर स्तर पर होने वाले कार्यों की जवाबदेही सौंपी जायेगी. इससे स्थानीय स्तर के कामों में तेजी आयेगी. नगर विकास विभाग के कार्यों में अन्य विभागों के साथ संबंध रहता है. इसके लिए दूसरे विभागों के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं में तेजी लायी जायेगी. रांची पेयजलापूर्ति योजना फेज -एक के तहत राइजिंग पाइप बिछाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की तलाश का काम चल रहा है. निकायों के अधीन जो भी पोखर तालाब हैं उनकी सफाई और सुरक्षा का निर्देश जारी कर दिया गया है. साथ ही अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का भी निर्देश दिया गया है.

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड

आरोपी शेषनाथ सिंह को मिली बेल

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री राजा पीटर के बॉडी गार्ड शेषनाथ सिंह को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है. इससे पहले हाईकोर्ट से पूर्व मंत्री राजा पीटर को भी बेल मिल चुकी है. शेषनाथ सिंह पर पूर्व मंत्री और तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा की हत्या में संलिप्तता का आरोप है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ में शेष नाथ की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. शेषनाथ सिंह की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अजय शाह और अंकित विशाल ने बहस की.

9 जुलाई 2008 को स्कूल के कार्यक्रम के दौरान रमेश सिंह मुंडा की हुई थी हत्या : बता दें कि बुंडू के एसएस हाई स्कूल में 9 जुलाई 2008 को एक समारोह था. इसमें पूर्व मंत्री और तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे. समारोह में छात्रों को सम्मानित करने और पुरस्कार देने के बाद वे कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उसी समय कुंदन पाहन दस्ते के नक्सलियों ने स्कूल में आकर फायरिंग करनी शुरू कर दी. इसमें रमेश सिंह मुंडा, उनके दो सरकारी बॉडीगार्ड शिवनाथ मिंज और खुर्शीद आलम सहित एक छात्र रामधन पातर की मौत हो गयी थी. इसको लेकर बुंडू थाना में मामला दर्ज किया गया था. रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड की बाद में एनआईए ने मामले की जांच की. कुंदन पाहन के सरेंडर करने के बाद उससे पूछताछ के दौरान इसमें राजा पीटर का नाम आया था.

आंदोलन दूसरे दिन भी कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर किया विरोध -प्रदर्शन

अब आर-पार के मूड में झारखंड सचिवालय सेवा संघ

खास बातें

- सरकार सकारात्मक पहल नहीं की तो होगा उग्र प्रदर्शन
- 15 दिनों से आंदोलन को लेकर एकजुट हैं कर्मी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सचिवालय सेवा के सभी पदाधिकारियों ने गुरुवार को अपनी मांगों के समर्थन में प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस सचिवालय सहित एफएफपी भवन एमडीआई भवन में पदाधिकारियों ने काला बिल्ला लगाकर सचिवालय में कार्य करते हुए प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन पिछले 15 दिनों से चल रहे आंदोलन का हिस्सा है, जिसमें पदाधिकारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं.

काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन करते सचिवालय सेवा के कर्मचारी.

उग्र प्रदर्शन करने की दी चेतावनी : झारखंड सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद और महासचिव श्री सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने कहा, हम काला बिल्ला के साथ कार्य करते हुए सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि हमारी मंशा कार्य में बाधा पहुंचाने की नहीं है, परंतु कार्मिक विभाग के कुछ पदाधिकारी, जो लगातार संघ के सदस्यों के हितों के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं, के कारण संघ के पदाधिकारियों में रोष व्याप्त है. अगर सरकार इसके बाद भी कोई सकारात्मक पहल नहीं करती है तो संघ बाध्य होकर उग्र प्रदर्शन भी करेगी. हम सरकार से अपील करते हैं कि वे हमारी मांगों पर ध्यान दें और शीघ्र अति शीघ्र उचित कदम उठाएं ताकि सचिवालय सेवा के पदाधिकारी अपने कार्य को पूरी तत्परता और बिना किसी अवरोध के कर सकें.

क्या हैं संघ की प्रमुख मांगें

- संयुक्त सचिव और उप सचिव के अतिरिक्त पदों का सृजन
- सेवा के पदाधिकारियों की प्रोन्नति में कार्मिक विभाग का संकल्प संख्या 3286, दिनांक 4 अप्रैल 2014 को पूर्णत: लागू करना
- झारखंड सचिवालय सेवा के प्रशाखा प्रदाधिकारी, अवर सचिव तथा उच्चतर पदों पर शीघ्र प्रोन्नति
- सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों को नियमित नियुक्ति के माध्यम से शीघ्र भरना

झारखंड में जातीय जनगणना का निर्णय क्रांतिकारी : बंधु तिर्की

रांची। झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने राज्य में जातीय जनगणना करवाने का सरकार का निर्णय सराहनीय कदम बताया. श्री तिर्की ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानेवाली इस जनगणना से प्राप्त होनेवाले निष्कर्ष प्रभावी नीति-निर्धारण में महत्वपूर्ण सहायता होगी. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भेजे गये एक पत्र में श्री तिर्की ने सरकार के इस बहुप्रतीक्षित निर्णय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके पश्चात उपेक्षित जातियों के लोगों का शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव हो सकेगा,

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in जमशेदपुर, शुक्रवार 21 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 15 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 73 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

नदी में डूबने से मानगो के नाबालिग की मौत

जमशेदपुर । सरायकेला-खरसावां जिले चांडिल के कांदरबेड़ा स्थित स्वर्णरेखा नदी के डोंगा घाट में डूबने से मानगो जवाहरनगर रोड नंबर 12 तेजाब तालाब निवासी 17 वर्षीय मो इदबान की मौत हो गई जबकि उसका साथी दानिश उर्फ पप्पू लापता है. घटना के बाद से ही इलाके में मातम पसरा हुआ है.

विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यशाला आयोजित

जमशेदपुर । विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को जिला समाहरणालय सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई. जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम को जिला में सुचारू रूप से संचालित करने पर चर्चा की गई. उप विकास आयुक्त ने बताया कि जून-जुलाई से जिले में परिवार नियोजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा.

25 को मिला उत्कृष्ट योग गुरु का सम्मान

जमशेदपुर । 25 योग गुरुओं को योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ब्रह्मा कुमारीज संस्था ने अपने कदमा स्थित सेंटर में विशेष रूप से अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया. सेंटर की प्रधान बहन संजू ने राज योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित योग गुरुओं से इस विधा को फैलाने का आग्रह किया.

कुख्यात अमन साहू पलामू से गिरिडीह जेल शिफ्ट

गिरिडीह । पलामू सेंट्रल जेल में बंद कुख्यात अमन साहू को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गिरिडीह सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया. पिछले कुछ दिनों से अमन साहू गैंग के गुर्गों की गतिविधियां काफी बढ़ गयी हैं. अमन साहू की गिरिडीह सेंट्रल जेल में शिफ्टिंग के साथ ही गिरिडीह कारा प्रशासन की चुनौती भी बढ़ गयी है.

बरेली में नाट्य समारोह में युवा रंगकर्मी सम्मानित

जमशेदपुर । लौहनगरी के युवा रंगकर्मियों की संस्था गीता थिएटर के कलाकारों ने उत्तर प्रदेश के बरेली में अपनी अभिनय का लोहा मनवाया. बरेली के थिएटर अड्डा में रंगालय एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर सोसायटी द्वारा आयोजित 15 दिवसीय नाट्य समारोह के तीसरे दिन कलाकारों ने 'कसक' नाटक का भव्य मंचन किया.

लातेहार में ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

लातेहार । पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ वेकंटेश कुमार ने बताया कि सूचना पर छापेमारी टीम का गठन किया गया. टीम के सदस्यों ने दबिश देकर कुटमू के हड़पड़वा के पास दो लोगों को बाइक समेत पकड़ा. तालाशी में दोनों के पास से 12 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया.

5000 रुपये घूस लेते पंचायत सेवक गिरफ्तार

बालूमाथ । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पलामू प्रमंडलीय टीम ने बालूमाथ प्रखंड में कार्यरत पंचायत सेवक अर्जुन राम को पांच हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है. एसीबी की टीम ने बताया है कि आवेदक ने पंचायत सेवक अर्जुन राम के खिलाफ भुगतान के एवज में घूस मांगने की शिकायत की थी.

किशोरी अगवा, भाजपा ऑफिस के कर्मी पर आरोप

रांची । भाजपा प्रदेश कार्यालय के एक कर्मी पर नाबालिग लड़की का अपहरण का आरोप लगा है. इसको लेकर चाइल्ड राइट्स फॉउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने सीआईडी डीजी से शिकायत की है. नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप अनिल कुमार सिंह पर लगाया गया है. बताया गया है कि उक्त व्यक्ति हरमू स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में काम करता है.

कब मिलेगी जाम से मुक्ति

जमशेदपुर के मानगो में गुरुवार को फिर रोजाना की तरह जाम लगा. नो एन्ट्री खुलने के समय अवधि में मानगो से जमशेदपुर की तरफ जाने वाली लेन में यह तस्वीर आम है. इसकी वजह से प्रतिदिन वाहन चालकों, राहगीरों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. कई बार इस जाम में एम्बुलेंस भी घंटो फंसे रह जाते हैं. इस दौरान अगर कोई गाड़ी पुल पर खराब हो गई तो स्थिति और भयावह हो जाती है. यह स्थिति कई वर्षों से बनी हुई है लेकिन इसके समाधान की दिशा में पुलिस या प्रशासन की और से कोई तैयारी या योजना नजर नहीं आती है. अब तो लोगों ने इसे अपनी नियति मान ली है. **फोटो : रोहित कुमार**

आदित्यपुर के गैंगवार में विक्की बनाम सागर-कार्तिक

अवैध कारोबार पर कब्जे की लड़ाई में अब किसकी बारी

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर से सटे सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में इन दिनों अवैध रूप से सरकारी जमीन, बालू और स्क्रैप का कारोबार खूब फल-फूल रहा है. आदित्यपुर स्क्रैप का अवैध धंधा होता है. आदित्यपुर के मुस्लिम बस्ती का इलाका ब्राउन शुगर के लिए मशहूर है. यहां से जमशेदपुर और आस-पास के इलाकों में भी ब्राउन शुगर सप्लाई होती है. इन दिनों इन्हीं अवैध कारोबारों में अपना वर्चस्व स्थापित करने को लेकर गैंगवार की शुरुआत होती नजर आ रही है. लगातार एक के बाद एक हत्या इसका सटीक उदाहरण है.

यहां अवैध कारोबार इतना ज्यादा बढ़ चुका है कि पुलिस भी इसपर लगाम नहीं लगा पा रही है. बुधवार को भी यहां कल्पनापुरी में विवेक सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. बाइक से आए अपराधियों ने विवेक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी जिसमें उसे चार गोलियां लगी और उसने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया. विवेक सिंह आदित्यपुर का कुख्यात विक्की नंदी का करीबी था.

कदमा में विक्की ने की थी सागर लोहर के करीबी की हत्या

जेल से जमानत पर बाहर आए भोलू उर्फ तारणी की 23 मई को कदमा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस संबंध में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था. इसका मुख्य साजिशकर्ता विक्की नंदी को बताया जा रहा है जो अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. भोलू आदित्यपुर के अपराधी सागर लोहार का करीबी था. विक्की नंदी आदित्यपुर में स्क्रैप का धंधा कर रहा था. जिस पर सागर लोहार की नजर थी. इसी बात को लेकर भोलू की हत्या कर दी गई. बदले में बुधवार को विक्की के गैंग के सदस्य की हत्या कर दी गई.

वहीं सोमवार को माझीटोला के पास विवेक यादव और जस्प्रीत पर भी फायरिंग की गई. वहीं बात की जाए कार्तिक मुंडा की तो वह बीते एक दशक से फरार है. कार्तिक मुंडा परमजीत हत्याकांड का मुख्य गवाह भी रहा है.

जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिला समेत आस-पास के थानों में उसके खिलाफ दर्जनों मामले दर्ज है. फिलहाल वह आदित्यपुर और आस-पास जमीन के अवैध धंधे में हाथ डालना चाहता है. सागर लोहर भी आदित्यपुर में अवैध धंधा चलाता है. सागर के खिलाफ भी आदित्यपुर थाना में कई मामले दर्ज है.

संतोष थापा भी आदित्यपुर और गम्हरिया में अपना दबदबा बनाते हुए सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री करने का काम करता है. आदित्यपुर में ट्रिपल मर्डर में उसका नाम सामने आया था जिस मामले में वह जमानत पर बाहर है.

कब-कब हुई घटना

- 19 जून : कल्पनापुरी में विक्की नंदी के करीबी विवेक सिंह की गोली मारकर हत्या
- 17 जून : नेशनल इलेक्ट्रॉनिक के पास विवेक यादव और जसप्रीत पर फायरिंग
- 14 जून : जमीन कारोबारी रॉकी और उसके बेटे पर फायरिंग
- 23 मई : कदमा में भोलू कुम्हार की गोली मारकर हत्या

संतोष, कार्तिक और सागर ने मिला लिया हाथ

विक्की नंदी.

संतोष थापा.

आदित्यपुर के कुख्यात अपराधियों में गिने जाने वाले संतोष थापा, सागर लोहार और कार्तिक मुंडा ने हाथ मिला लिया है जिससे विक्की नंदी अकेला पड़ गया. हाल ही में विक्की के साथी बाबू दास और अजय प्रताप सिंह पर बम से जानलेवा हमला हुआ था जिसके बाद से क्षेत्र में गैंगवार की शुरुआत हुई. अब आदित्यपुर व जमशेदपुर के लोगों की बीच यही चर्चा है कि विक्की और सागर लोहार के बीच बढ़ते तनाव में अब किसकी बारी?

किसानों के दो लाख रुपये तक की ऋण माफी की कवायद तेज

एनपीए माफी के लिए बैंकों से बात करें अधिकारी : सीएम

विशेष संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कृषि विभाग के अफसरों को निर्देश दिया है कि वह किसानों के लोन एमपीए माफी के लिए बैंकों से बात करें. राज्य सरकार द्वारा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत दो लाख रुपये तक का ऋण माफ करने की कवायद तेज कर दी गयी है. सरकार की इस योजना का ज्यादा से ज्यादा किसानों को लाभान्वित होंगे. इससे पहले सरकार ने किसानों का 50 हजार रुपये तक का लोन माफ किया था.योजनाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाइन का ध्यान रखेंमुख्यमंत्री ने चंपाई सोरेन ने गुरुवार को कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिये.

उन्होंने अफसरों से कहा कि कृषि कार्य में टाइम फ्रेम अहम फैक्टर है. इसलिए, योजनाओं के क्रियान्वयन में टाइम लाइन का ध्यान रखें. किसानों को समय पर खाद -बीज का वितरण करने के साथ ही अन्य कृषि से जुड़ी सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएं. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन किसानों का कृषि ऋण बकाया है, उनके एनपीए माफी के लिए बैंकों से बातचीत करें. इसके अलावा मृतक लाभुकों का सही तरीके से सत्यापन करने के बाद ऋण माफी की राशि का भुगतान किया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्र में जल स्तर में काफी भिन्नताएं हैं. ऐसे में किसी भी क्षेत्र में बोरिंग, वहां के भूमिगत जल स्तर को देखते हुए किया जाना चाहिए, ताकि यह असफल नहीं हो.

एयरटेल के आउटलेट में लगी आग, 50 लाख का नुकसान

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर के एस टाइप चौक पर स्थित मोबाइल कंपनी एयरटेल के आउटलेट में गुरुवार की अहले सुबह करीब 4 बजे आग लग गई. इस आगलगी में दुकानदार के मुताबिक करीब 50 लाख के मोबाइल फोन और एसेसरीज जलकर खाक हो गए हैं. दुकान के प्रोपराइटर का नाम गोपाल पाल है. वे आदित्यपुर दिंदली बस्ती में रहते हैं. गोपाल पाल को सुबह 4:00 बजे एक व्यक्ति ने फोन करके बताया गया कि उनकी दुकान में आग लग चुकी है. इसके बाद गोपाल पाल तुरंत दुकान पहुंचे. लेकिन दुकान पहुंचने से पहले ही सारा सामान आग की चपेट में आ चुका था. दुकान में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. गोपाल पाल ने बताया कि दुकान में करीब 50 लाख रुपए का मोबाइल फोन और एसेसरीज था. कुछ सामान दो दिन पूर्व ही लाया गया था. आगलगी में एयरटेल के सेटअप बॉक्स, टीवी, एसी, महंगे फर्नीचर, कई सारे महंगे फोन, एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गए हैं.

मौसम का हाल जमशेदपुर में सामान्य से ऊपर, सरायकेला व पश्चिमी सिंहभूम में नीचे रहा पारा

करीब पहुंचा मानसून, बादल ने दिलाई तपिश से राहत

संवाददाता । जमशेदपुर

शहर समेत पूरे कोल्हान में शुक्रवार को आंशिक रूप से बादल छाये रहे. इस वजह से तपिश और गर्मी से थोड़ी राहत महसूस की गयी. मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 21 से 23 जून तक कोल्हान के तीनों जिला पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां समेत राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. विभाग के अनुसार राज्य में अगले दो-तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है. उसके बाद अगले तीन दिनों में मौसम के मिजाज में खासा परिवर्तन होने की संभावना नहीं है.

गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक 35.7 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक 27.7 डिग्री रहा. सरायकेला में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री नीचे 37.2 और पश्चिमी सिंहभूम में अधिकतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक 38 डिग्री दर्ज किया गया. देखा जाये, तो आसमान में अमूमन दिनभर बादल छाए रहने से तापमान में पिछले बुधवार की अपेक्षा गुरुवार को करीब 4.0 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई. बावजूद शहर का तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा.

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिमी मानसून का तेजी से विस्तार हो रहा है. पुंछ, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर-पश्चिम बंगाल एवं पश्चिम बंगाल के पर्वतीय क्षेत्रों में मानसून सक्रिय हो गया है. साथ ही झारखंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से सटे बिहार के भागलपुर, मालदा की ओर सक्रिय रूप से बढ़ने के संकेत मिले हैं, जो झारखंड में मानसून के प्रवेश के सकारात्मक लक्षण हैं. मौसम वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद ने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक कहीं-कहीं गर्जन के साथ तेज एवं सामान्य वर्षा होगी. इससे तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है. चेतावनी के तौर पर उन्होंने बताया कि इस दौरान कहीं-कहीं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है. इससे पेड़-पौधों, पोल आदि को नुकसान पहुंच सकता है. 21 से 23 जून को झारखंड के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है.

मई में सबसे निचले पायदान पर, जून में अब तक पीछे

खाद्यान्न वितरण में पिछड़ा पू. सिंहभूम

रद होंगे लंबे समय से राशन का उठाव नहीं करने वालों के कार्ड

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

राशन कार्ड	परिवार	लाभुक
पीएच	390756	1488232
एएवाई	55830	173404
व्हाइट	40687	156575
ग्रीन	31107	89106
कुल	518380	1907317

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न वितरण में पूर्वी सिंहभूम जिला झारखंड के अन्य जिलों की अपेक्षा निचले पायदान पर है. राज्य के अन्य जिलों का वितरण प्रतिशत 90 प्रतिशत से ज्यादा है जबकि पूर्वी सिंहभूम जिले में मई माह में केवल 86 प्रतिशत लोगों को खाद्यान्न मिला. जून माह में 10 दिन बचे होने हैं, अब तक मात्र 35 प्रतिशत लोगों को ही खाद्यान मिल पाया है. जिले में कुल कार्डधारियों की संख्या 446642 (एनएफएसए) के तहत है. जिसमें कुल परिवार 1661636 हैं. जिनमें मई माह में 153441 कार्धधारियों को ही अब तक खाद्यान्न मिल पाया है. जानकारों का कहना है कि जिले में अभी भी काफी संख्या में वैसे कार्डधारी हैं, जिन्होंने कार्ड बनवा लिए हैं. लेकिन उठाव नहीं कर रहे हैं अथवा डुप्लिकेट राशन कार्ड की कड़ी निगरानी होने के कारण पीडीएस डीलर चाहकर भी उसका ट्रांजेक्शन नहीं कर पा रहे हैं. कुछ माह पहले जिले में राशन कार्ड के सत्यापन का कार्य हुआ. जिसमें हजारों कार्ड को रद किया गया. फिर से लंबे से समय से राशन का उठाव नहीं करने वालों के राशन कार्ड रद करने की कवायद चल रही है. सभी डीलरों से कार्डधारियों की सूची तलब की गई है.

खाद्यान्न वितरण (प्रतिशत में)

जिला	मई	जून अब तक
बोकारो	94.57	52.85
चतरा	95.3	62.66
देवघर	97.34	60.77
धनबाद	91.48	53.35
दुमका	94.82	65.56
पूर्वी सिं.	86.3	35.7
गढ़वा	92.44	45.37
गिरीडीह	94.97	29.24
गोड्डा	93.85	54.14
गुमला	94.86	70.21
हजारीबाग	85.9	63.11
जामताड़ा	96.72	83.46
कोडरमा	97.52	43.27
लातेहार	95.22	71.79
लोहरदगा	95.17	56.78
पांकुड़	96.43	61.53
पलामू	93.92	58.36
रांची	94.66	53.23
साहेबगंज	95	59.66
सरा-ख.	90.6	28.28
सिमडेगा	93.83	68.25
प. सिंहभूम	93.29	63.19
खूंटी	93.99	70.98
रामगढ़	94.44	62.14
कुल%	93.93.	54.55

ई-पॉश मशीन के माध्यम से वितरित होगा थैला

झारखंड सरकार राज्य के सभी राशन कार्डधारियों के घर-घर अपनी योजनाएं पहुंचा रही है. इसी उद्देश्य के तहत सरकार ने जन वितरण प्रणाली के माध्यम से नॉन ओवेन थैला वितरित करने का निर्णय लिया है. उक्त थैले के दोनों ओर सरकार जन कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाएं अंकित रहेंगी. जिससे उसके घर-घर प्रचार होगा. पूर्वी सिंहभूम जिले में ऐसे 4.75 लाख नॉन ओवेन थैले भेजे गए हैं. जिनका वितरण पीडीएस दुकानदारों के माध्यम से राशन कार्डधारियों के बीच किया जाएगा. जिले के पीडीएस दुकानदारों के बीच थैले का वितरण किया जा रहा है. अनुभाजन क्षेत्र के डीलरों को थैला प्राप्त हो गया है. जबकि ग्रामीण क्षेत्र के डीलरों को थैला भेजा जा रहा है. सबसे अहम बात यह है कि उक्त नॉन ओवेन थैला ई-पॉश मशीन के माध्यम से कार्डधारियों को दिया जाना है. इस संबंध में सरकार के अवर सचिव ने सभी जिलों के जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को बीते मार्च में ही दे दिया था. लेकिन इसी बीच लोकसभा चुनाव आ जाने के कारण थैले का वितरण टल गया. दूसरी ओर अवर सचिव के पत्र के आलोक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने निकाय एवं प्रखंडवार डीलरों को सरकार के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है. दूसरी ओर कई पीडीएस दुकानदारों ने बताया कि विभाग तुगलकी फरमान जारी करता है. ई-पॉश मशीन में नॉन ओवेन थैला वितरण का ऑप्शन तो खुला है, लेकिन कार्डधारी का अंगूठा लगाए जाने के बाद सर्वर काम नहीं कर रहा है. जिसके कारण कई दुकानदारों ने जून माह के खाद्यान्न के साथ ही कई लाभुकों को बिना अंगूठा लगाए ही थैला दे दिया है. वहीं कई कार्डधारियों ने बताया कि थैला इतना कमजोर है कि इसमें 5 किलोग्राम अनाज भी नहीं पाएगा. अनाज भरकर उठाने पर थैला का हैंडल टूट जा रहा है.

टाटा स्टील की कुटिंगता हवाई पट्टी पर पत्थर व डंडों से युवक की हत्या

किरीबुरु । नोवामुंडी थाना अन्तर्गत टाटा स्टील के कुटिंगता स्थित हवाई पट्टी पर बुधवार की रात एक अज्ञात युवक की बदमाशों ने निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी. बदमाशों ने पत्थरों व डंडों से मार-मारकर हत्या कर दी. मृतक की पहचान नहीं हो पायी है. मृतक लुंगी, कमीज व सामान्य चप्पल पहने हुए है. इससे संभावना जताई जा रही है कि वह आसपास के गांव का ही होगा.

यह घटना टाटा स्टील के सिक्यूरिटी यार्ड के सामने ही घटित हुई है. वहां रात में दो सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर तैनात रहते हैं. बदमाशों ने युवक की दोनों आंख फोड़ दी और चेहरे को पत्थरों से बुरी तरह से कूच दिया है, ताकि उसकी पहचान नहीं हो सके. पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गयी है.

छगनलाल व एचडीएफसी बैंक को मिली दो दिन की मोहलत

बेसमेंट खाली कराने गई थी जेएनएसी की टीम

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति ने साकची बंगाल क्लब से सटे एसएनपी एरिया में स्थित छगनलाल दयालजी एंड संस भवन एवं एचडीएफसी बैंक को बेंसमेंट खाली कराने के लिए दो दिन की मोहल्लत दी. तय अवधि में बेसमेंट खाली नहीं कराए जाने पर बल पूर्वक उसे खाली करा दिया जाएगा. बृहस्पतिवार को जेएनएसी की टीम विशेष पदाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची. टीम के साथ पुलिसकर्मी भी थे. विशेष पदाधिकारी ने दोनों भवन के स्वामी को बुलाकर हाई कोर्ट के आदेश एवं एसडीएम के नोटिस का हवाला देकर बेसमेंट खाली करने के लिए कहा.

छगनलाल दयालजी एण्ड संस के मनीष कुमार ने बताया कि बेसमेंट में जेवरात से जुड़े कारोबार होते हैं एवं लॉकर है. इसे हटाने के लिए समय की मांग की. इसी तरह का तर्क बैंक की ओर से भी दिया गया. बैंक की ओर से बताया गया कि बेसमेंट में लॉकर है जहां कीमती सामान रखे गए हैं. इन्हें हटाने के लिए समय चाहि. जिसके बाद अधिकारियों ने दो दिनों की मोहल्लत देते हुए दो दिन बाद पुनः कार्रवाई की बात कही. इससे पहले बेसमेंट तोड़ने पहुंची टीम को देखकर सड़क पर भीड़ जमा हो गई.

बारीडीह में इमारत का सील खोला, शिकायत

बारीडीह बस्ती, रोड नंबर-एक स्थित मिथिला कालोनी में सील किए गए निर्माणाधीन भवन की सील खोलकर पुन: निर्माण कार्य कराए जाने की शिकायत जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष बबलू झा ने की. उन्होंने बताया कि श्रीराम टावर नामक व्यावसायिक भवन का निर्माण सीताराम अग्रवाल के द्वारा कराया जा रहा है. उक्त भवन को जेएनएसी ने वर्ष 2022 से अब तक चार बार सील किया. लेकिन हर बार सील खोलकर निर्माण कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है. वहीं उन्होंने कहा कि उक्त भवन के समीप के रास्ते का भी अतिक्रमण कर लिया गया है. जिसका मामला धालभूम अनुमंडल न्यायालय लंबित है. कहा कि बार-बार सील खोलकर निर्माण कार्य करवाया जाना कहीं, नगर निकाय की मिलीभगत का नतीजा तो नहीं, उन्होंने डीसी एवं एसडीओ से इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग की.

ब्रीफ खबरें

वर्कर्स कॉलेज में नशा उन्मूलन पर क्विज

जमशेदपुर । मानगो स्थित जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में गुरुवार को इतिहास विभाग की ओर से 'मादक पदार्थों के उपयोग से परहेज' पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. ऑनलाइन उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसपी महालिक ने किया. इसमें प्रो सुभाष चंद्र दास, डॉ अमरेंद्र कुमार, इतिहास विभाग की शिक्षिका डॉ श्वेता कुमारी, डॉ प्रियंका कुमारी समेत अन्य शामिल हुए. उन्होंने नशे से परहेज करने के प्रति प्रोत्साहित किया.

अश्लील वीडियो वायरल करने वाले को भेजा जेल

जमशेदपुर । आजादनगर थाना अंतर्गत बगान शाही निवासी 22 वर्षीय एक युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और सोशल मीडिया में आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाले कथित प्रेमी आर्यन राज को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी आर्यन को गुरुवार को जेल भेज दिया. पीड़िता का मेडिकल करवाने के बाद उसे कोर्ट में प्रस्तुत कर बयान दर्ज कराया गया है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि डिमना में एक निजी कंपनी में काम करने के दौरान उसकी मुलाकात आर्यन से हुई थी.

डिमना की वादियों में टीम जय हो का योग शिविर आज

जमशेदपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पूर्वी सिंहभूम की अनुषांगिक इकाई 'टीम जय हो' जिसमें भारतीय सेना के तीनों अंगों (जल थल और नभ) से सेवानिवृत सैनिकों के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार आम लोग भी शामिल हैं, विश्व योग दिवस पर 21 जून को डिमना की वादियों में योग शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया है. जिसमें सुबह 6:00 बजे से 7:00 बजे तक अभ्यास एवं योग होने वाले महत्वपूर्ण लाभ की जानकारी दी जाएगी. डिमना की वादियों में टहलने वाले सभी ग्रुप एक साथ योग साधना करेंगे.

कल बलिदान दिवस मनाएगी आजसू पार्टी

जमशेदपुर । आजसू पार्टी की एक बैठक गुरुवार को बोड़ाम प्रखंड स्थित प्रधान कार्यालय में हुई. इसकी अध्यक्षता पार्टी के प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने की. बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत के लिए सभी को बधाई दी. उन्होंने कहा कि पार्टी की केंद्रीय समिति के मार्गदर्शन में 22 जून को आजसू स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जायेगा. इस क्रम में सभी प्रखंड में पौधारोपण भी किया जाएगा.

बारियाबाद की समस्याओं का जल्द समाधान होगा

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड अंतर्गत आसनबनी पंचायत के तिलामुड़ा गांव के बारियाबाद टोला की समस्याओं का जल्द समाधान होगा. उक्त आश्वासन बृहस्पतिवार को बीडीओ अभय द्विवेदी ने उनसे मिलने गए प्रतिनिधिमंडल को दिया. क्षेत्र के पूर्व पार्षद करुणामय मंडल के नेतृत्व में गांव के कुछ लोग बीडीओ से मिले तथा गांव में सड़क एवं पेयजल की समस्या से उन्हें अवगत कराया. उक्त टोला के लोगों ने पीसीसी सड़क व अन्य समस्या के कारण लोकसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करने की घोषणा की थी.

चांडिल में मारवाड़ी युवा मंच का कार्यक्रम संपन्न

चांडिल । मारवाड़ी युवा मंच चांडिल नगर शाखा के तत्वावधान में अयोजित सात दिवसीय आनंद सबके लिए कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ. समापन के दिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक सविता महतो ने आम लोगों के बीच लस्सी, आइसक्रीम, जूस, चना-गुड़ का वितरण किया. मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि युवा मंच सामाजिक सेवा के प्रति तत्पर रहता है और अपने सामाजिक नैतिक ज़िम्मेदारी को निभाते रहा है. मौके पर पंचायत समिति सदस्य रजिया सुल्ताना समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

बुरुडीह डैम के सौंदर्यीकरण की दिशा में पहला कदम

गेस्ट हाउस का 23 जून को भूमि पूजन करेंगे सीएम चंपाई सोरेन

डीडीसी व एएसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

घाटशिला । संवाददाता

बुरुडीह डैम में वन विभाग द्वारा बनाये जाने वाले गेस्ट हाउस का 23 जून को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भूमि पूजन करेंगे. भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को डीडीसी मनीष कुमार, एसएसपी किशोर कौशल समेत कई विभाग के अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण किया. इस दौरान दोनों अधिकारी ने सुरक्षा के लिहाज से भी कई प्रकार की जानकारी ली.

अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण के बाद बुरुडीह डैम में जाकर नौका परिचालन, डैम में पानी का जमाव, डैम के लगातार सूखने के कारण आदि की जानकारी ली. इस दौरान सीएम के चॉपर के उतरने के स्थान को लेकर डैम के किनारे बने फुटबॉल मैदान का भी अधिकारियों ने जायजा लिया. हालांकि अभी तक यह निर्णय नहीं हो पाया है कि सीएम का चॉपर कहां उतरेगा. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का भी शिड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है. इस मौके पर एडीएम लॉ एंड आर्डर, भवन निर्माण विभाग, वन विभाग, बिजली विभाग अधिकारी के लावा एसडीओ सचिदानंद महतो, बीडीओ युनिका शर्मा, सीओ निशात अंबर समेत कई विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे.

पहले चरण में बुरुडीह डैम का सौंदर्यीकरण 35 करोड़ की लागत से किया जाएगा. जानकारी के अनुसार इस दौरान डैम के नीचे गेस्ट हाउस, बेहतर खेल का मैदान, पार्क आदि के निर्माण किया जायेगा. डैम के सौंदर्यीकरण को लेकर कई काम किया जाएगा हालांकि इसकी प्रशासनिक पुष्टि नहीं की गई है. लेकिन मुख्यमंत्री के आगमन से यहां के लोगों में यह उम्मीद जगने लगी है कि अब घाटशिला के प्रमुख पर्यटन स्थल का दिन बहुरेंगे.

माझी परगना महाल के महासम्मेलन में शामिल होंगे

घाटशिला । मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 23 जून को माझी परगना महाल के महासम्मेलन में शामिल होने घाटशिला आएंगे. आयोजित कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) मनीष कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किशोर कौशल ने सुरक्षा की दृष्टि से सभास्थल सहित हेलीपैड का निरीक्षण किया. एसएसपी एवं डीडीसी के साथ पूरे जिले के विभिन्न विभागों के पदधिकारियों का काफिला सर्वप्रथम माझी परगना महाल मैदान पावड़ा सभा स्थल पहुंचा. वहां पंडाल का निर्माण कर रहे कारीगरों से व्यवस्था की जानकारी ली. कार्यक्रमों की कई बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए आयोजन समिति के देश परगना बैजू मुर्मू को आवश्यक दिशा निर्देश दिया.

यूजीसी नेट परीक्षा रद होने से पीएचडी प्रवेश भी अधर में

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

- छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा : याज्ञवल्क्य शुक्ल
- सीबीआई जांच करा कर दोषियों पर हो कठोर कार्रवाई : अभाविप

अनियमितता की वजह यूजीसी नेट की परीक्षा रद्द होने के कारण देश भर के छात्रों में संदेह, भ्रम एवं निराशा का माहौल है. इस वर्ष पीएचडी प्रवेश भी यूजीसी नेट के स्कोर के आधार पर होने हैं. इस कारण अभ्यर्थियों में अचानक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है. इस संबंध में अभाविप ने शिक्षा मंत्रालय से त्वरित निर्णय लेकर स्थिति को स्पष्ट करने की मांग की है ताकि छात्रों का समय एवं भविष्य संकट में न आने पाए.

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा है कि पिछले कई दिनों से एनटीए की ओर से आयोजित परीक्षाओं में भारी अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं. नीट (यूजी) की परीक्षा में अनियमितता के बाद अब यूजीसी नेट की परीक्षा का रद्द होना एनटीए पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है. यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है. उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश भी यूजीसी नेट स्कोर के माध्यम से होना है. परीक्षा रद्द होने से पीएचडी के अभ्यर्थियों गहरी शंकाएं उत्पन्न हो गई हैं.

अभाविप ने शिक्षा मंत्रालय से मांग की है कि इस संबंध में संबंधित एजेंसियों को स्थिति शीघ्र स्पष्ट करनी चाहिए ताकि पीएचडी के अभ्यर्थियों को किसी प्रकार से नुकसान न हो तथा परीक्षा पूर्णतः निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो. साथ शुक्ल ने कहा है कि एनटीए की ओर से आयोजित परीक्षाओं में लगातार अनियमितताएं हो रही हैं. अतः सीबीआई से इसकी जांच करवानी चाहिए एवं दोषियों को, चाहे वह ब्यूरोक्रेट ही क्यों न हो उसके खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित करना चाहिए.

हेमकुंड साहिब के लिए 16 सिख श्रद्धालु रवाना

जमशेदपुर । जमशेदपुर से हेमकुंड साहिब की धार्मिक यात्रा के लिए गुरु रामदास सेवक जत्था के 16 श्रद्धालु रवाना हुए.

इनमें सिख नौजवान सभा के अध्यक्ष अमरीक सिंह भी शामिल हैं. श्रद्धालुओं का यह जत्था सड़क मार्ग के द्वारा हेमकुंड साहिब जा रहा है. यह जत्था ह्रषिकेष होते हुए गोविंदघाट और उसके बाद हेमकुंड साहिब, पोंटा साहिब से अमृतसर के अनंदपुर साहिब और डेरा साहिब होते हुए पुनः जमशेदपुर लौट आएगा. सभी श्रद्धालुओं को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंदर सिंह रिंकू ने भक्ति भाव के साथ रवाना किया. उन्होंने अच्छी तरह दर्शन के लिए अरदास किया. जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में हरविंदर सिंह, हैप्पी सिंह, हरि सिंह, हन्नी सिंह, सन्नी सिंह, मोनी सिंह, बंटू सिंह, राजू सिंह, रमन सिंह, साबी समेत अन्य श्रद्धालु शामिल हैं.

बारीडीह गुरुद्वारा की आमसभा का विवाद गहराया

कुलविंदर सिंह ने रोक लगाने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र सौंप लगाई गुहार

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

बारीडीह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एवं अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने धालभूम एसडीओ को आवेदन पत्र सौंपकर शनिवार की प्रस्तावित आमसभा पर रोक लगाने की गुहार लगाई है. कुलविंदर सिंह के अनुसार केंद्रीय गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को बारीडीह के मामले में आमसभा बुलाने का अधिकार नहीं है. यदि आमसभा में विधि-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह की होगी.

पत्र के माध्यम से कुलविंदर सिंह ने लंगर में सिर्फ दाल और सब्जी कम होने की वजह से बारीडीह गुरुद्वारा के प्रधान पद से हटा दिये जाने का आरोप लगाया है. वहीं सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने कहा है कि कुलविंदर सिंह स्वयं इस पद से हटे हैं.

सीजीपीसी को आमसभा बुलाने का अधिकार नहीं : कुलविंदर

कमेटी के संविधान के तहत चल रही सारी प्रक्रिया : भगवान सिंह

यह बारीडीह गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का आंतरिक मामला है. रही बात सीजीपीसी की ओर से आमसभा बुलाने की तो जो भी किया जा रहा है, वह कमेटी के संविधान के तहत किया जा रहा है. इस संबंध में सरदार कुलविंदर सिंह जो भी कह रहे हैं, वह उनके अपने विचार हैं. अपने विचार व्यक्त करने के लिए वे स्वतंत्र हैं.

कुलविंदर सिंह के अनुसार वे अप्रैल 2025 तक के लिए प्रधान हैं. उनकी कमेटी को मनमाने ढंग से भंग नहीं किया जा सकता है. कुलविंदर सिंह ने पूछा है कि उन पर कौन से गंभीर आरोप हैं, जिसकी पुष्टि होने पर कमेटी भंग की गई है.

यह जमशेदपुर की संगत को बताया जाना चाहिए. उन्होंने पूछा है कि क्या लंगर में केवल दाल और सब्जी कम हो जाने से प्रधान को हटाया जा सकता है? जबकि कमेटी ने सारी जिम्मेदारी सरदार अवतार सिंह सोखी को दे रखी है, तो इसके पक्ष में सीजीपीसी खड़ी है. जब 10 नंबर बस्ती का इलाका बारीडीह गुरुद्वारा कमेटी की हदबंदी से बाहर कर दिया गया है, तो किस अधिकार से सीजीपीसी उसे बैठक में शामिल करती रही है.

कुलविंदर सिंह ने कहा है कि यह सीजीपीसी की शह है कि पहले सरदार अवतार सिंह सोखी ने माला पहन लिया और फिर सरदार कुलदीप सिंह शेरगिल माला पहनकर प्रधान बने हुए हैं. उन्होंने आरोप लगाया है कि आमसभा के नाम पर ड्रामेबाजी कर सरदार भगवान सिंह अपने पसंदीदा व्यक्ति को प्रधान बनाना चाहते हैं, जिसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है.

'जन-जन का यही संदेश, नशा मुक्त हो अपना देश'

192 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

प्रथम	मिहिर भक्त
द्वितीय	नितु राऊत
तृतीय	दिप्ती गोप
प्रोत्साहन पुरस्कार	सुमित्रा मुर्मू एवं सुरेश चंद मुर्मू

- घाटशिला कॉलेज में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला कॉलेज में मादक पदार्थें के खिलाफ आठ दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में घाटशिला कॉलेज के 192 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. इनमें सर्वश्रेष्ठ पांच स्लोगन का चयन पुरस्कार के लिए किया गया. इनमें मिहिर भक्त का लिखा स्लोगन "जन जन का यही संदेश, नशा मुक्त हो अपना देश," को प्रथम, नितु राऊत का लेखा स्लोगन द्वितीय तथा दिप्ती गोप का लेखा स्लोगन को तृतीय स्थान मिला. इसके अलावा सुमित्रा मुर्मू एवं सुरेश चंद मुर्मू के स्लोगन को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया.

नशा मुक्ति पर आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता के उद्देश्य के संदर्भ में प्राचार्य डा. आर के चौधरी ने बताया कि स्लोगन अर्थात नारा की शक्ति अचूक होती है, जो लोगों के ह्रदय पर सीधा प्रभाव डालती है. लोकप्रिय नारे समाज में परिवर्तन की क्षमता रखते हैं. इसका असर बहुत जल्दी होता है.

नशा मुक्ति पर यह आठ दिवसीय आयोजन झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, रांची के निर्देश पर घाटशिला कॉलेज में किया जा रहा है. इसका समापन 26 जून को विश्व नशा मुक्ति दिवस पर समारोह पूर्वक किया जाएगा.

प्राचार्य डा. आर के चौधरी के निर्देशन में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेसर इंदल पासवान एवं डा. कंचन सिंहा के नेतृत्व में किया गया. इसमें ड. एस के सिंह, डा. संदीप चंद्र, चिरंतन महतो, डा. सिंगों सोरेन, रुचि अस्मिता आदि का विशेष सहयोग रहा.

एसएनएसवी मंदिर में कई प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाददाता । घाटशिला

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को समाप्त करने के लिए चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को विद्यालय स्तर पर बच्चे प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग एवं निबंध प्रतियोगिता में शामिल हुए.

सर्वप्रथम प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन मल्टीमीडिया में कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के लिए किया गया. इसमें कुल 115 विद्यार्थी उपस्थित रहे. आनंदिता दे एवं सोमनाथ दे की देख-रेख में संपन्न इस प्रतियोगिता में अभय हांसदा प्रथम, अमन पांडा द्वितीय, अनन्या गुप्ता तृतीय एवं प्रियांशी दास ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया. जॉली प्रधान ने कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों को मादक द्रव्यों के दुष्परिणामों के संबंध में भाषण प्रस्तुति से जागरूक किया. इसके उपरांत कक्षा नौवीं से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई. जिसमें कुल 25 विद्यार्थी प्रतिभागी शामिल थे. कार्यक्रम संचालन नीलिमा सरकार एवं विश्वनाथ दत्ता ने किया.

विरोध न्यूनतम मजदूरी के लिये मार्च से धरना पर बैठे कन्वाई चालकों का गुस्सा भड़का

माननीयों ने अपना वेतन-भत्ता बढ़ा लिया, मजदूरों की चिंता नहीं

- नेताओं का पुतला दहन कर जताएंगे विरोध

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कई दशक से टाटा मोटर्स की कन्वाई टीसीए के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचाने वाले कन्वाई चालकों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल रही है. जिसके कारण वे बीते चार माह (मार्च) से टीसीए कार्यालय के समीप धरना पर बैठे हैं. बृहस्पतिवार को धरना स्थल पर चर्चा का विषय रहा माननीयों (मंत्री-विधायक) के वेतन-भत्ते में वृद्धि का. धरना पर बैठे कन्वाई चालक सरकार के इस निर्णय से भड़क गए तथा आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया. इसके तहत सूबे के मुखिया चंपाई सोरेन, मजदूर नेताओं एवं शहर के जन प्रतिनिधियों का पुतला दहन करने का निर्णय लिया.

आंदोलन की अगुवाई कर रहे मजदूर प्रतिनिधि ज्ञानसागर प्रसाद ने बताया कि मजदूरों के शहर में मजदूर बेहाल एवं बदहाल हैं. चार माह से न्यूनतम मजदूरी, पीएफ, बोनस, पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा समेत अन्य मांगों को लेकर कन्वाई चालक धरना पर बैठे हैं. लेकिन न तो सरकार सुध ले रही है, न ही मजदूर (इंटक) नेता. जबकि वे लोग मीडिया में बयान जारी कर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं. लेकिन मजदूरों को न्याय दिलाने में नाकाम हैं. उन्होंने कहा कि डॉ. अजय कुमार सीएम को पत्र लिखकर न्यूनतम मजदूरी भुगतान की मांग कर रहे हैं. जबकि वे खुद टाटा मोटर्स के अधिकारी रहे, शहर से सांसद रहे हैं. आज तक धरनास्थल पर नहीं आए. इसी तरह इंटक नेता राकेश्वर पांडेय कई यूनियनों में काबिज हैं. लेकिन कन्वाई चालकों के हित में आवाज नहीं उठाया. अब कन्वाई चालक ऐसे नेताओं का पुतला दहन कर जनता के सामने पोल-खोल का काम करेंगे. धरना में विनोद कुमार सिंह, हरिशंकर प्रसाद, जसपाल सिंह, रामचंद्र राव, संतोष कुमार, त्रिलोचन सिंह, विवेक कुमार, वीरेंद्र पाठ, जनार्दन उपाध्याय, बीके राय, जुगल प्रसाद, जयप्रकाश सिंह, बैजनाथ प्रसाद, उमेश प्रसाद, विश्वकर्मा यादव आदि शामिल हुए.

न्यूज अपडेट

ओल्ड स्टूडेंट्स एसो. का पद ग्रहण समारोह

जमशेदपुर । बिष्टुपुर स्थित संत मेरी स्कूल के ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (ओएसएम) का द्वितीय वर्ष पद ग्रहण समारोह का गुरुवार को आयोजन किया गया. समारोह में संयुक्त सचिव अमृता ने स्वागत भाषण करते हुए सभी का परिचय प्रस्तुत किया. पद ग्रहण करने वाले नए समिति सदस्यों को फादर वर्नन डिसूजा ने सामाजिक कार्यों के लिए महीने में एक बार समय देने के सुझाव दिए. शिक्षिका निभा सिन्हा ने पूर्व छात्रों को अपने लक्ष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की शुभकामनाएं दीं. सिस्टर इलीना और सिस्टर एलिजा ने नई टीम को अपने लक्ष्य हासिल करने का आशीर्वाद दिया. आयोजन में ओएसएम अध्यक्ष गुरुशरण सिंह, महासचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त कोषाध्यक्ष, मीडिया और कार्यक्रम प्रबंधन समिति के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही.

झाड़-फूंक के चक्कर में छात्रा की सर्पदंश से गई जान

डुमरिया । डुमरिया थाना क्षेत्र के केंदुआ गिरी टोला निवासी सायबा सोरेन की पुत्री सिनगो सोरेन (17 वर्ष) की सर्पदंश से मौत हो गई. मृतक के पिता सायबा सोरेन ने बताया कि उनकी पुत्री सिनगो सोरेन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 12वीं की छात्रा थी. कई दिनों से आस्ताकोवाली पंचायत के कालियाम में एक रिश्तेदार के घर रह रही थी. बुधवार रात को जमीन पर सोई थी. इस दौरान देर रात को चित्ती सांप ने उसे डंस लिया. सुबह बेहोशी की हालत में उसे सीएचसी डुमरिया लाया गया. सीएचसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. जानकारी के मुताबिक परिजन रातभर उसकी झाड़-फूंक कराते रहे, जिसके कारण जहर पूरे शरीर में फैल गया था. चिकित्सकों का कहना है कि सांप काटने के बाद तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए.

आईसीसी ईडी से मिले श्रमिक संघ के पदाधिकारी

घाटशिला । झारखंड श्रमिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष काजल डॉन के नेतृत्व में गुरुवार को हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मऊभंडार इकाई के कार्यपालक निदेशक श्याम सुंदर सेठी से मिलकर अस्थाई मजदूर की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा. इसमें एक मार्च 2024 को हुए टेंडर की प्रक्रिया के समाप्त होने से पहले मजदूरों की मांग पर विचार करने के लिये कहा गया है. इसमें 450 नोमिनियों को अगले टेंडर में काम पर रखने और सभी मजदूरों को महीना में 26 दिन का काम मिले उसके हिसाब से टेंडर प्रक्रिया बनाने की मांग की गई है. इसके अलावा सभी मजदूरों को हैंड ग्लव्स और जूता उपलब्ध कराया जाए. इस टेंडर प्रक्रिया समाप्त होने से पहले अगली टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाए ताकि मजदूरों को काम से वंचित नहीं रहना पड़े.

कूड़ेदान के चारों ओर बिखरे कूड़े से लोग परेशान

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में कई जगह स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़ेदान बनाये गये थे. उसमें दुकानदार एवं आसपास के लोग उसका उपयोग करते हैं. लेकिन कूड़ेदान से कचरा उठाने की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण डस्टबिन भरने के बाद नीचे जमीन पर कचरा बिखर रहा है. वहीं हवा चलने से कचरा चारों ओर फैल रहा है. इसे प्रदूषण फैल रहा है. इस प्रदूषण के कारण कभी भी लोग बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं. संबंधित विभाग की ओर से डस्टबिन सफाई की अभी तक पहल नहीं की गई है, जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही कूड़े-कचरे से निकलने वाले दुर्गंध का भी सामना करना पड़ रहा है. वहीं लोगों का कहना है कि यदि कूड़ेदान को कुछ समय के अंतराल साफ किया जाता तो कूड़े इधर-उधर नहीं बिखरते.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दंपती घायल, पत्नी गंभीर

घाटशिला। गालूडीह थाना क्षेत्र के बेराहातु गांव के समीप एनएच 18 फोरलेन पर गुरुवार को दो बाइक की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई. घटना में सीताडांगा गांव निवासी महिला लक्ष्मी सोरेन एवं उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना के बाद बेराहातु एनएच किनारे स्थित ढाबा संचालक संजय महतो ने टोल प्लाजा के एंबुलेंस को सूचना दी और स्थानीय लोगों की मदद से घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेजा. प्राथमिक उपचार कर लक्ष्मी को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया. दुर्घटना के बाद दूसरे बाइक का चालक मौके से भाग निकला. गालूडीह पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों के बारे जानकारी ली और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को थाना ले गये. घायल महिला लक्ष्मी सोरेन माता वैष्णोदेवी स्थित फूल दुकान में काम करती है.

रेलवे पहुंच पथ को बंद करने का जोरदार विरोध

आदित्यपुर । रेलवे ने आदित्यपुर 1 और 2 के रेलवे टनल से फाटक बाजार को जोड़ने वाली पहुंच पथ को बंद करने का निर्णय लिया है. गुरुवार को जन कल्याण मोर्चा अध्यक्ष अधिवक्ता ओम प्रकाश और टीएमसी के युवा जिलाध्यक्ष बाबू तांती ने प्रेस वार्ता कर रेलवे के इस निर्णय का विरोध करते हुए रेलवे के अधिकारियों से मिलने की बात कही है. दोनों ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग बाजार के पास एक रेलवे लेवल क्रॉसिंग था. इससे आदित्यपुर 2 जाने के लिए मुख्य सड़क थी. 1995 में रेलवे टनल बन कर तैयार हुआ तो आदित्यपुर 2 के लोगों को आदित्यपुर 1 आने-जाने के लिए पहुंच पथ रेलवे क्रॉसिंग बाजार से लेकर रेलवे टनल तक बनाया गया. अब रेलवे इस पहुंच पथ को बंद करना चाह रही है, यह उचित नहीं है.

अरका जैन के छात्रों ने सीखे डेटा विश्लेषण के गुर

जमशेदपुर । गम्हरिया स्थित अर्का जैन यूनिवर्सिटी में एमएस एक्सेल का उपयोग कर डेटा विश्लेषण विषयक तीन-दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह कार्यशाला गूगल मीट प्लेटफ़ॉर्म हुई. इसमें हैदराबाद स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज़, हैदराबाद की सहायक प्रोफेसर डॉ कलानी पोला रिसोर्स पर्सन के रूप में शामिल हुईं. कार्यशाला में प्रतिभागियों ने एमएस एक्सेल का उपयोग करते हुए डेटा विश्लेषण करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया. परिणामों की व्याख्या पर भी चर्चा की गई. कार्यशाला के समापन सत्र में यूनिवर्सिटी के अधिकारियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी हिस्सा लिया. कार्यशाला का संचालन अरका जैन यूनिवर्सिटी अनुसंधान विभाग की प्रमुख डॉ सोनिया रियात ने किया.

चक्रधरपुर में अब काम नहीं करना चाह रहे जॉब कार्डधारी, मजदूरी के रूप में मिलती है मात्र 273 रुपए, आर्थिक संकट उत्पन्न

मनरेगा मजदूरों को समय पर नहीं मिल रही मजदूरी, पलायन को मजबूर

- बाटा व पोस्ट ऑफिस रोड में लगती है मजदूरों की भीड़
- मजदूरों को तीन से चार माह तक नहीं मिलता है वेतन

शंभू कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के पोस्ट ऑफिस रोड में काम के लिए बैठकर इंतजार करते मजदूर

मनरेगा कानून के तहत प्रखंड के पंचायतों में होने वाले विकास कार्यों में जॉब कार्डधारी मजदूर अब काम नहीं करना चाहते हैं. ऐसा मनरेगा के अधीन काम करने वाले मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिलने के कारण हो रहा है. वहीं मजदूरों को शहर में भी मजदूरी नहीं मिलने से आर्थिक परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं. चक्रधरपुर के बाटा रोड, पोस्ट ऑफिस रोड में रोजाना इन दिनों मजदूरी के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरूष मजदूरों की भीड़ जमा होती है, लेकिन अधिकांश मजदूरों को काम नहीं मिलने की वजह से अपने घर लौटना पड़ रहा है.

लगातार काम नहीं मिलने के कारण इन मजदूरों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न होने लगे हैं. मजदूरों का कहना है कि हमारे पास जॉब कार्ड तो है, लेकिन पंचायत में मनरेगा से बनने वाले नाला, तालाब व अन्य कामों में काम करने के बावजूद समय पर मजदूरी नहीं मिलती है.

इसे लेकर शहर आकर काम ढूंढ़ना पड़ता है. मनरेगा में तीन से चार महीने तक मजदूरी का भुगतान नहीं हो पाता है. गांव में होने वाले अन्य विकास कार्यों में स्थानीय ठेकेदार बाहर से मजदूरों को लाकर काम कराते हैं. वहीं स्थानीय मजदूरों को क्षेत्र में काम नहीं मिलने के कारण कई गांवों से बड़ी संख्या में लोगों को आए दिन दूसरे राज्य पलायन भी हो रहा है. मजदूरों ने बताया कि काम नहीं मिलने की वजह से घर परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. रोजाना काम की तलाश में चक्रधरपुर शहर आते हैं, लेकिन काम नहीं मिलने से वापस लौटना पड़ जाता है. मजदूरों ने बताया कि निजी रुप से किसी के यहां काम करने पर महिला रेजा को तीन सौ रुपये, कुली को चार सौ से साढ़े चार सौ रुपये व मिस्त्री को छह से आठ सौ रुपये मिलते हैं. वहीं मनरेगा में मजदूरी मात्र 272 रुपये मिलती है. वह भी समय पर नहीं मिलता है. इसके कारण परेशानियां होती हैं.

काम नहीं मिलने पर लौट जाते हैं घर : चांदमुनी

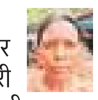

काम की तलाश में सोनुवा के राघोई से चक्रधरपुर आने वाली महिला मजदूर चांदमुनी मुर्मू ने कहा कि पिछले कई दिनों से शहर में आने पर काम नहीं मिल पा रहा है. इसके कारण बिना मजदूरी किये ही घर लौटना पड़ता है. मनरेगा जॉब कार्ड है, लेकिन मजदूरी कम व समय पर नहीं मिलने की वजह से मनरेगा में काम नहीं करना चाहती हूं.

कई बार मजदूरी का भुगतान नहीं होता : सुमित्रा

चक्रधरपुर के जरकी गांव से काम की तलाश में शहर आने वाली महिला मजदूर सुमित्रा ने कहा कि मनरेगा में काम करने पर समय पर मजदूरी नहीं दी जाती है. कई बार महीनों मजदूरी का भुगतान नहीं हो पाता है, इस कारण मनरेगा में काम नहीं करना चाहती हूं.

15 हजार एक्टिव मजदूर कर रहे काम : बीपीओ

चक्रधरपुर प्रखंड के मनरेगा बीपीओ निरंजन कुमार ने बताया कि चक्रधरपुर प्रखंड में मनरेगा के अधीन लगभग 40 से 45 हजार जॉब कार्डधारी हैं, जबकि इस वर्ष 15 हजार एक्टिव मजदूर हैं, जो मनरेगा के अधीन कार्य करते हैं, बाकी मजदूर काम नहीं कर रहे हैं. मजदूरी भुगतान को लेकर उन्होंने कहा कि अप्रैल से मनरेगा मजदूरों की मजदूरी का भुगतान शुरू हुआ है. कुछ महीने पहले दिसंबर, जनवरी व फरवरी में मजदूरी का भुगतान नहीं हो पा रहा था, जिससे समस्या उत्पन्न हुई थी.

न्यूज अपडेट

चाईबासा के गांवों में 15 घंटे ही मिलती है बिजली

चाईबासा । चाईबासा के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में हमेशा बिजली आपूर्ति बाधित रहती है. ग्रामीणों की मानें तो विद्युत विभाग को लिखित सूचना देने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या हल नहीं की जाती है. एक तरफ वर्तमान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ग्रामीण क्षेत्र की जनता को 200 यूनिट फ्री बिजली देने की बात करते हैं, तो वहीं बिजली विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या को दूर नहीं कर रहे हैं. मालूम हो कि पिछले कई दिनों से 24 घंटा में मात्र 15 घंटा ही बिजली आपूर्ति हो रही है. कई गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप है.

बीमार वार्ड सदस्य जेमा मुंडा नहीं कर पा रही हैं काम

किरीबुरू । मेघाहातुबुरु उत्तरी पंचायत के वार्ड 12 की वार्ड सदस्य सारंडा के करमपदा गांव निवासी जेमा मुंडा गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं. वे अपना कार्य निभा पाने में अक्षम हो गई हैं. वे पिछले कई महीनों से घर में बेड पर हैं. जेमा मुंडा के पति चन्द्रराम मुंडा ने बताया कि वह गरीब परिवार से होने के बावजूद लाखों रुपये खर्च कर अपनी पत्नी का इलाज ओडिशा के बेहतर अस्पताल में कराया. उसके बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ. अब तो हाथ-पांव की उंगली भी टेढ़ी हो गयी है. वह चल भी नहीं सकती हैं. मुखिया लिपि मुंडा उन्हें देखने उनके घर आयी थीं.

मानसिक रूप से बीमार युवक ने घर में लगाई फांसी

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के पोर्टरखोली में गुरुवार को मानसिक रूप से बीमार एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जाता है कि पोर्टरखोली निवासी स्व. बंधु पोद्दार के 35 वर्षीय पुत्र गणेश पोद्दार ने अपने घर के छज्जे में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह मानसिक रुप से बीमार चल रहा था. इधर इस संबंध में मृतका की मां सुमित्रा देवी ने बताया कि वह दूसरे के घर में चौका-बर्तन का काम करती है. गुरुवार को भी वह काम करने के लिए गई हुई थी. गुरुवार दिन के लगभग जब 11 बजे वह घर पहुंची तो देखा कि उसका पुत्र गणेश पोद्दार घर के छज्जे में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर झूल रहा है. इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी. वहीं आस पड़ोस के लोग वहां पहुंचे और पुलिस को सूचना दी.

नाला का पानी पीने एवं नहाने के लिए विवश : महेन्द्र

चाईबासा । गोईलकेरा प्रखंड के बारा पंचायत में ग्रामीण मुंडा राम सिंह गागराई की अध्यक्षता में गुरुवार को मुंडा मानकी भवन के समक्ष बैठक हुई. इसमें झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता एवं अधिवक्ता महेन्द्र जामुदा शामिल हुए. इसमें गोइलकेरा से सेरेंगदा सड़क का निर्माण हो रहा है. इसमें बारा पंचायत के ग्रमीणों की भी जमीन ली जा रही है. उनको अभी तक मुआवजा राशि नहीं मिला है. रोड पर पानी का छिड़काव भी नहीं हो रहा है. रोड के आसपास के घर धूल में नहा रहे हैं. गांव के अधिकांश चापाकल खराब हैं. तालाब की कमी के कारण पानी की दिक्कत है और सिंचाई कुआं भी ना के बराबर है. सूखते नाला में पशु पानी पी रहे हैं और लोग नहा रहे हैं.

पेंशन से वंचित ग्रामीणों की बैठक में समाधान की मांग

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की चंद्री पंचायत के पोटका ठेठरीसाई स्थित गांव के पेंशनधारियों को पांच महीने से पेंशन नहीं मिला है. इसके लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को बैठक की. बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संगठन सचिव चंबरू जामुदा उपस्थित हुए. पेंशनधारियों ने बताया कि पिछले पांच महीने से वृद्धा, विधवा व निःशक्त पेंशनधारियों को पेंशन की राशि नहीं मिली है. इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने कहा कि गांव के कई लोगों का बिजली बिल अधिक बकाया रहने के कारण कनेक्शन काट दिया गया है.

वाहन ने दुकान में मारा धक्का, वृद्ध महिला की मौत

चाईबासा । मंझारी थाना क्षेत्र के ग्राम टोन्टो में अनियंत्रित महिन्द्रा जायलो कार के धक्के से दुकान पर बैठी पुटुसिया गांव की महिला दयामति कुई की मौत हो गयी. साथ ही कई लोग घायल हो गए. घायलों में टोंटो निवासी मुरलीधर बिरुवा, महेश चंद्र बिरुवा, शिव शंकर बिरुवा घायल ह गए। घटना गुरुवार दोपहर की है. बताया जा रहा है कि वाहन चालक और वाहन मालिक एक दुकान में खरीदारी करने के बाद गाड़ी गाड़ी स्टार्ट की तो ब्रेक की जगह एक्सीलेटर को दबा दिया. इससे गाड़ी अचानक एक दुकान में धक्का मार दिया. दुकान में एक वृद्ध महिला और कुछ लोग बैठे थे. वृद्ध महिला के ऊपर वाहन चढ़ गया. इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गया. घायलों को लोगों ने सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया.

पीरुडीह गांव में 10 दिनों से नहीं है बिजली, परेशानी

चक्रधरपुर । तांतनगर चक्रधरपुर प्रखंड की चन्द्री पंचायत के पीरुडीह गांव में 10 दिनों से बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीण परेशान है. बीते दिनों तेज आंधी बारिश के कारण पीरुडीह गांव में जगह-जगह बिजली के खंभे व तार गिरकर क्षतिग्रस्त हो गये थे. इसके बाद से गांव में अब तक बिजली बहाल नहीं हो पायी है. गांव में बिजली की समस्या रहने पर गुरुवार को ग्रामीणों ने बैठक की. ग्रामीणों के बुलावे पर पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई बैठक में उपस्थित हुये. साथ ही गांव में घूमकर बिजली की समस्या का जायजा लिया. ग्रामीणों ने समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई कहा कि गांव में बिजली नहीं रहने के कारण काफी दिक्कतों का सामना पड़ रहा है. सुदूरवर्ती क्षेत्र होने के कारण खासकर रात में सांप-बिच्छू का खतरा भी बना रहता है. समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता अमित खलखो से बिजली की जानकारी ली.

ब्रीफ खबरें

कुसुम तोड़ रहा बालक पेड़ से गिरा, हाथ टूटा

चक्रधरपुर । सोनुआ प्रखंड के बंजीरा गांव में गुरुवार को कुसुम पेड़ पर चढ़कर कुसुम तोड़ने के दौरान 10 वर्षीय बालक सुनील गागराई घायल हो गया. कुसुम तोड़ने के दौरान सुनील गागराई का पैर फिसल गया, जिससे वह पेड़ से नीचे गिर गया. इस घटना में सुनील गागराई का दायां हाथ टूट गया. घटना की सूचना मिलने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों ने घायल सुनील को इलाज के लिए सोनुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. वहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए चाईबासा के सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. फिलहाल सुनील गागराई का चाईबासा के सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है.

मादक पदार्थों के खिलाफ जगरूकता कार्यक्रम

चाईबासा । जिला समाज कल्याण पदाधिकारी की अध्यक्षता में मादक पदार्थों को समाप्त करने के उद्देश्य से सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ गुरुवार को बैठक की गई. बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने 19 जून से 26 जून तक जगरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया. साथ ही सभी बाल विकास परियोजनाओं को उक्त संबंधित शपथ पत्र, बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट उपलब्ध कराया गया है. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने सभी को 19 जून से 26 जून तक प्रखंड स्तर, पंचायत स्तर, स्कूलों में प्रभात फेरी, साइकिल रैली निकाली जाएगी.

रोलाडीह के उच्च विद्यालय में बच्चों की हुई स्वास्थ्य जांच

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड की हतनातोडांग पंचायत के रोलाडीह स्थित उच्च विद्यालय में गुरुवार को लोदेडीह के कल्याण अस्पताल में स्वास्थ्य जांच सह एनीमिया से बचाव को लेकर जागरूकता शिविर लगाया गया. इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को एनीमिया बीमारी के बारे में जानकारी दी गई. उससे बचाव के उपाय बताए गए. मौके पर कल्याण अस्पताल लोदोडीह के डॉक्टर डीबी माझी ने विद्यालय के 106 छात्र छात्राओं की स्वास्थ्य व एनीमिया जांच कर निशुल्क दवाइयां दीं. इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता का भी पाठ पढ़ाया गया. मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जोसेफ तोपनो के अलावे अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे.

बाल अधिकार को लेकर शिक्षण केंद्र में हुई बैठक

चक्रधरपुर । कराईकेला के सामुदायिक शिक्षण केंद्र में गुरुवार को बाल अधिकार को लेकर बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता एस्पायर संस्था के प्रखंड समन्वयक गुरुचरण बानरा ने की. बैठक में मुखिया कुश पूर्ति भी उपस्थित थे. बैठक के दौरान बच्चों का नामांकन, ड्रॉप आउट बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर चर्चा की गई. साथ ही आगामी दिनों में होने वाले जिला स्तरीय सम्मेलन में प्रखंड से अधिक से अधिक पंचायत प्रतिनिधि, मुंडा, मानकी, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों की सहभागिता पर जोर दिया गया. मौके पर पंचायत प्रतिनिधि गीता बानरा, सुखमती जोंको, राम बोदरा आदि मौजूद थे.

विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास के लिए डीआरएम से मिली सांसद

बेरोजगारों को देंगे जगह : राठौड़
विस्थापितों को दें प्राथमिकता : जोबा

डीआरएम अरूण जातोह राठौड़ से वार्ता करती सांसद जोबा माझी.

दुकानदारों व पत्रकारों को वार्ता की जानकारी देती सांसद जोबा माझी.

- रेलवे बना रहा है कॉमर्शियल मार्केट कॉम्प्लेक्स
- रेलवे स्टेशन क्षेत्र से हटाया गया है दुकानदारों को
- वर्तमान में विस्थापितों के लिए अस्थायी समाधान की मांग

संवाददाता । चक्रधरपुर

रेलवे क्षेत्र के विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास की मांग को लेकर गुरुवार को सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने चक्रधरपुर रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) अरूण जातोह राठौड़ से उनके कार्यालय में मुलाकात की. इस दौरान सांसद ने डीआरएम अरूण जातोह राठौड़ से मुलाकात कर अमृत भारत स्टेशन योजना के संबंध में जानकारी ली एवं विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास के संबंध में चर्चा की.

मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि योजना के तहत स्टेशन के बाहरी क्षेत्र में कॉमर्शियल मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा. इसमें शहर के बेरोजगारों को जगह दी जाएगी.

इसपर सांसद जोबा माझी ने कहा कि उक्त मार्केट कॉम्प्लेक्स में विस्थापित दुकानदारों को प्राथमिकता दें. वर्तमान में भी उनके अस्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाए. डीआरएम से वार्ता के बाद सांसद विस्थापित दुकानदारों से मिलीं और उन्हें पूरी जानकारी दी. सांसद जोबा माझी ने कहा कि कॉमर्शियल मार्केट कॉम्प्लेक्स में विस्थापितों को जगह जरूर दी जाएगी. रेलवे को हर हाल में उनकी मांगें माननी पड़ेगी. इस मौके पर स्टेशन के समीप के दुकानदार भी मौजूद थे.

दुकानदारों ने सांसद से लगाई थी गुहार

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जाना है. विकास कार्य को लेकर रेलवे द्वारा जगह खाली कराने का काम शुरू हो गया है. वहीं वर्षों से स्टेशन के बाहरी क्षेत्र में स्थित लीजधारी दुकानें भी हटायी जानी हैं. इसे लेकर रेलवे की ओर से लीजधारियों को नोटिस देकर जगह खाली करने को कहा गया है. रेलवे की ओर से मिली नोटिस के बाद दुकानदार रोजी-रोटी की समस्या को लेकर परेशान हैं. 15 जून को विस्थापित दुकानदारों ने सिंहभूम की सांसद जोबा माझी से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं थीं. दुकानदारों ने उनसे पुनर्वास की गुहार लगायी थी. सांसद जोबा माझी ने दुकानदारों को समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था. इसी क्रम में वे गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक अरूण जातोह राठौड़ से मुलाकात कर कॉमर्शियल मार्केट कॉम्प्लेक्स में दुकान देने की बात कही.

आत्महत्या करने वाले अमित के परिजन से ली जानकारी

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के थाना रोड स्थित मुक्तिनाथ महादेव घाट में बुधवार देर शाम नदी में कूदकर आत्महत्या करने वाले चांदमारी निवासी अमित शर्मा के घर गुरुवार को पुलिस पहुंची. पुलिस ने मृतक के मां, पिता व भाई से कई जानकारियां लीं. साथ ही शव का पंचनामा तैयार किया.

वहीं परिजनों द्वारा पुलिस को बताया गया कि अमित शर्मा ने लगभग आठ महीने पहले चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के इतवारी बाजार के समीप रहने वाले शीनू राव नामक युवक से एक लाख रुपये उधार लिया था. अमित ने तीन महीने पहले शीनू राव को दो लोगों की मौजूदगी में एक लाख रुपये नगद वापस कर दिया था.

इसके बाद शीनू राव ब्याज के 16 हजार रुपये के लिए बार-बार को तंग कर रहा था. कई बार शीनू राव अमित की दुकान भी आकर धमकी दिया था. बुधवार को भी सीनु राव ने अमित के साथ गाली-गलौज की थी. इससे अमित परेशान था और इसकी जानकारी अपने एक दोस्त को दी थी. अमित ने अपने दोस्त को बताया था कि वह अब जिंदा नहीं रहना चाहता है. इसके बाद अमित ने बुधवार शाम थाना नदी में कूद आत्महत्या कर ली.

नित्य क्रिया के लिये जंगल में जाने को मजबूर है विद्यार्थी

संवाददाता । किरीबुरू

राजकीय अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय मध्य विद्यालय, छोटानागरा में पठन-पाठन कार्य के साथ-साथ अन्य व्यवस्था चरमराई हुई है. इसमें सारंडा के विभिन्न गांवों के लगभग 85 अत्यंत गरीब आदिवासी बच्चे शिक्षारत हैं. इन बच्चों को पढा़ने के लिये एक स्थायी शिक्षक सह प्रभारी मंगला कुर्ली तथा चार अन्य घंटी आधारित प्राइवेट शिक्षक हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि घंटी आधारित शिक्षक नियमित स्कूल नहीं आते, जो आते भी हैं तो वह जल्दी चले जाते हैं.

बच्चे अधिकतर समय खेलते नजर आते हैं. सुविधाओं की कमी के कारण शौच तथा नहाने के लिये स्कूल से बाहर जंगल और नदी का ही आसरा है. इससे बच्चों को नदी में डूबने अथवा जंगल में विषैले सांप आदि के काटने की आशंका बनी रहती है. इस मामले में स्कूल के प्रभारी शिक्षक मंगला कुर्ली ने बताया कि स्कूल का समरसेबल पंप पिछले एक सप्ताह से खराब है, उसे बनने में और 5-6 दिन लग सकता है. इसी कारण बच्चे शौच व नहाने जंगल-नदी जाते हैं.

आज भी हम स्वयं बच्चों के साथ नदी गये थे. उन्होंने कहा कि स्कूल में 4 शिक्षक घंटी आधारित नियुक्त हैं. सभी चार-चार घंटी क्लास लेते हैं. वह मनोहरपुर अथवा दूर से आते हैं. कभी-कभी वाहन नहीं मिलने से नहीं आते हैं अथवा विलंब से आते हैं. लेकिन यह समस्या नियमित नहीं रहती है. बच्चों का कोर्स शाम में भी अतिरिक्त क्लास लेकर पूरा किया जाता है.

मादक पदार्थ से दूर रहने के लिए किया गया जागरुक

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की हिरणी जलप्रपात के समीप गुरुवार को झारखंड की पर्यटन, कला, संस्कृति एवं खेलकूद युवा एवं कार्य विभाग की ओर से मादक पदार्थ दुरुपयोग जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर पर्यटकों से पर्यटन स्थल के समीप लोगों से शराब, तम्बाकू, सिगरेट, खैनी इत्यादि का सेवन नहीं करने को कहा गया.

साथ ही मादक पदार्थ के सेवन से होने वाली भयंकर बीमारियों और नुकसान के बारे में भी जानकारी दी गई. जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ एसके नसीबुल ने जानकारी दी कि मादक पदार्थ शरीर को कैसे नुकसान पहुंचाता है. इससे होने वाली बीमारियों के बारे में बताया. इससे सभी को बचाव की आवश्यकता है. उन्होंने पर्यटन स्थल को स्वच्छ रखने व पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए पौधे लगाने की भी बात कही. मौके पर पर्यटनकर्मी नंदलाल पूर्ति, संजीव पूर्ति, मथुरा पूर्ति, रउतु पाहन, लेम्सा मुंडा, नितेश पूर्ति, ललन मुंडा समेत अन्य मौजूद थे.

नक्सली कांडे का शव ले थोलकोबाद पहुंचे परिजन

- पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था कांडे होनहागा
- नक्सली कांडे की पत्नी भी ओडिशा जेल में बंद है

संवाददाता । किरीबुरू

भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के जोनल कमिटी सदस्य सह 5 लाख रुपये का इनामी कुख्यात नक्सली कांडे होनहागा उर्फ गोविन्द उर्फ दिरीसुम नागदुवार का शव 20 जून को उसके परिजन चक्रधरपुर से थोलकोबाद गांव ले गए. यहां मृतक नक्सली का अंतिम संस्कार पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा. ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि मृतक नक्सली कांडे होनहागा की पत्नी रेंगाड़ी भी संभवतः ओडिशा जेल में बंद है.

मृतक का शव लेने हेतु चाईबासा पुलिस ने थोलकोबाद पुलिस कैंप के माध्यम से परिजनों के पास संदेश भेजवाया था. इसके बाद परिजन शव को एक वाहन से लेकर थोलकोबाद गए. थोलकोबाद के दिवेन्द्री टोला स्थित कब्रिस्तान में गड्ढा खोदा जा चुका है.

कांडे के अंतिम संस्कार में नक्सली शामिल नहीं हों, इसपर पुलिस पैनी नजर रखे हुये है. अगर नक्सली विशेष रणनीति के साथ पहुंच भी गये तो पुलिस उन्हें पकड़ लेगी या मार गिरायेगी.

उल्लेखनीय है कि 17 जून को अहले सुबह गुआ थाना अन्तर्गत लिपुंगा गांव क्षेत्र के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में कांडे होनहागा, सिंगराय, सदस्य जोंगा, सूर्या, सपनी हांसदा, पांडू मारे गये थे.

मुश्किल किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के कलैता, मिर्चीगडा, सागवान बेड़ा के ग्रामीणों ने पेश किया दावा

आसान नहीं लीज क्षेत्र के अतिक्रमित गांवों को वनाधिकार पट्टा मिलना

- पहले प्रशासन ने दे दिया था पट्टा फिर रद किया
- 27 मार्च 2030 तक सेल की खदान प्रबंधन का अधिकार

संवाददाता । किरीबुरू

लीज की अवधि विस्तार पर हस्ताक्षर करते पूर्व उपायुक्त अरवा राजकमल.

सेल की किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु खदान के लीज क्षेत्र सीमा में वर्ष 1990 के दशक से अतिक्रमण कर बसे कलैता, मिर्चीगडा, सागवान बेडा, बंकर आदि गांव के ग्रामीणों को उक्त भूमि पर वनाधिकार का पट्टा मिलना आसान नहीं है. हालांकि उक्त गांवों के लोग उक्त भूमि पर व्यक्तिगत व सामुदायिक वनाधिकार का पट्टा के लिये दावे पेश किये हैं.

उल्लेखनीय है कि सरकार व वन विभाग ने 1960 में सेल की किरीबुरु खादान प्रबंधन को खनन व अन्य गतिविधियां चलाने के लिये सारंडा रिजर्व वन क्षेत्र में 2897.499 हेक्टेयर वन भूमि लीज पर दी थी. इसके बाद 1975-76 में मेघाहातुबुरु खदान में खनन गतिविधियों के लिये जरूरी आदेश दिये थे. उक्त लीज के वर्षों बाद अर्थात 1990 के दशक में कलैता, मिर्चीगडा, सागवान बेडा, बंकर आदि गांव सेल के लीज क्षेत्र को अतिक्रमण कर बसाये गये थे.

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयराम रमेश के सारंडा दौरे के दौरान पूर्व उपायुक्त, पूर्व जिला कल्याण पदाधिकारी एवं सारंडा के पूर्व डीएफओ द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किया हुआ वनाधिकार पट्टा कलैता, मिर्चीगड़ा आदि के ग्रामीणों को दे दिया गया था. लेकिन जब पता चला कि जिस जमीन का वनाधिकार पट्टा ग्रामीणों को दिया गया है वह भू-भाग पहले ही सेल को लीज पर दी जा चुकी है तब आनन-फानन में उक्त पट्टा को रद किया गया था. उसके बाद भी उक्त अतिक्रमित गांवों के ग्रामीण इस जमीन के पट्टा के लिये निरंतर प्रयासरत हैं तथा उन्होंने आवेदन भी दिये हैं.

सेल के सूत्रों का कहना है कि सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान की बहुत दिनों से लंबित माइनिंग लीज का अवधि विस्तार चाईबासा के पूर्व उपायुक्त अरवा राजकमल ने 25 अक्तूबर-2019 को कर दिया था. उक्त जमीन पर 27 मार्च-2030 तक सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान प्रबंधन का अधिकार है. उक्त दोनों खदानों के कुल 2897.499 हेक्टेयर क्षेत्र पर लौह अयस्क खनन पट्टा की स्वीकृति 16 जुलाई-2019 को कैबिनेट की बैठक में दी गई थी.

जिसके खनन पट्टा की स्वीकृति से संबंधित डीड सेल की किरीबुरु खदान के पूर्व सीजीएम डीके बर्मन एंव मेघाहातुबुरु के पूर्व महाप्रबंधक मनोज कुमार को पूर्व उपायुक्त अरवा राजकमल ने उक्त तिथि को सौंपा था. इस डीड के होने से केंद्र व राज्य सरकार को एनपीभी और स्टांप रजिस्ट्री चार्ज के रूप में क्रमशः 91.70 करोड़ एवं 53.60 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था.

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली दफा रांची से कोडरमा लौटने के क्रम में हजारीबाग पहुंचने पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

जन आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए मैं लगातार प्रयास करती रहूंगी : अन्नपूर्णा

- सांसद मनीष जायसवाल बोले- अन्नपूर्णा देवी के कैबिनेट मंत्री बनने से होगा क्षेत्र का विकास

संवाददाता। हजारीबाग

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली दफा रांची से कोडरमा लौटने के क्रम में गुरुवार को केंद्रीय महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री अन्नपूर्णा देवी का भाजपाइयों ने हजारीबाग पहुंचने पर पुराना बस स्टैंड के पास बाजे-गाजे के साथ स्वागत किया. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया. इस मौके पर अन्नपूर्णा ने कहा कि आज मैं जो कुछ हूं वह पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत व आम लोगों के आशीर्वाद से ही हूं. उन्होंने कहा कि जन आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए मैं लगातार प्रयास करती रहूंगी. आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं से हर वर्ग के लोगों को फायदा होगा. अन्नपूर्णा ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से सांसद के रूप में चयनित मनीष जायसवाल कर्मठ नेता हैं. इनकी वजह से लोगों को काफी फायदा होगा. वहीं जायसवाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के मंत्री होने से निश्चित रूप से हजारीबाग - रामगढ़ जिले का विकास होगा. अन्नपूर्णा के नेतृत्व में क्षेत्र की समस्याओं को दिल्ली में प्रधानमंत्री समेत अन्य मंत्रियों तक पहुंचाकर निष्पादन कराया जाएगा.

पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि कोडरमा और बरही

हजारीबाग में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी.

विधानसभा क्षेत्र बिल्कुल सटा हुआ है. कई विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में मैडम का अहम रोल रहा है. उन्होंने कहा कि मंत्री जी की वजह से बरही विधानसभा का उत्तरोत्तर विकास होगा. स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल, बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल मिश्रा, बटेश्वर मेहता, सुदेश चंद्रवंशी, हरीश श्रीवास्तव, भैया अभिमन्यु प्रसाद, गणेश यादव, अशोक यादव, जिला महामंत्री सुनील साहू, जिला कोषाध्यक्ष विनोद भगत, जिला उपाध्यक्ष सुनील मेहता, रमेश ठाकुर, मनमीत अकेला, मूलचंद साहू, जय नारायण प्रसाद, शेफाली गुप्ता, सत्यभामा शर्मा, भुवनेश्वर पटेल, अजीत चंद्रवंशी, महेंद्र बिहारी तनवीर अहमद, राम किशोर सावंत, बालेश्वर कुमार, बद्रीनारायण सिंह, शिव शंकर मेहता, विश्वजीत अलंकार, श्वेता सिन्हा, जितेंद्र जैन, राजकरण पांडे, शिवपाल यादव, अजय शाह, विवेक बैरियर, सुरेश प्रसाद, भोला प्रसाद, अमित गुप्ता, विनोद झुनझुनवाला आदि मौजूद थे.

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का रामगढ़ में जोरदार स्वागत

रामगढ़। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का रांची से कोडरमा जाने के क्रम में रामगढ़ के सुभाष चौक पर गुरुवार को जोरदार स्वागत किया गया. रामगढ़ कैंट मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अन्नपूर्णा देवी का सुभाष चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुके देकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया. स्वागत के उपरांत केंद्रीय मंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2024 के चुनावी वर्ष में हम लोगों का मिशन है कि झारखंड को फतह करें. मंत्री का स्वागत करने वालों में भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, कुंटू बाबू, सुबोध सिंह, शिवकुमार गुप्ता, अजीत गुप्ता, भीमसेन चौहान, मिथिलेश मंडल, बृजेश पाठक, सारिका राठौर, शीतल सिंह, मेनका देवी, धीरज साहू, ऋषिकेश सिंह, उमेश प्रसाद, महेंद्र प्रजापति, जेपी सिंह, इलारानी पाठक आदि शामिल थे.

रामगढ़ में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता.

ब्रीफ खबरें

दनुवा घाटी में दो ट्रकों में जोरदार टक्कर

चौपारण। दनुवा घाटी में गुरुवार को दो वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें एक ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार ट्रक चालक अहमद फिरोज ने बताया कि गाड़ी में नर्सरी पौधा लोड है, जो कोलकाता से गुजरात जा रहा था. उसी क्रम में सांझा ब्रेकर के पास ब्रेक लगाने पर पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिसे दोनों गाड़ियां अनियंत्रित होकर पलट गईं. दोनों गाड़ी करीब 10 फीट नीचे जा गिरी. वहीं दूसरे ट्रक में लोहे का एंगल लोड था.

शादी समारोह में जा रहा टेंपो पलटा, सात घायल

चौपारण। प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत के ग्राम कमलवार से एक ही परिवार के दर्जन भर लोग गुरुवार को शादी समारोह में महराजगंज जा रहे थे. इसी दौरान तेज रफ्तार के बीच एकाएक टेंपो का हैंडल जाम हो गया और वह डिवाइडर से टकराकर पलट गया. इस घटना में मोहम्मद मूसा, सरून खातून, खुशबू बानो के माथे में गंभीर चोट लगी. वहीं मसोमात नूरजहां खातून को गम्भीर चोट आई है. साथ ही 8 वर्षीय सोफिया नूरी, 9 वर्षीय जीसान, तबसुम घायल हो गए.

विभावि में योग दिवस पर कार्यक्रम आज

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अंतर्गत 21 जून को युसेट परिसर में योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन होगा. योग अभ्यास प्राध्यापक अभिषेक कुमार द्वारा कराया जाएगा. योग दिवस के सफल आयोजन के लिए विभाग में तैयारी की जा रही है. विनोबा भावे विश्वविद्यालय के योग विभाग के निदेशक डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि 6:30 बजे सुबह से कार्यक्रम होगा. योग दिवस कार्यक्रम के जरिए लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है.

अज्ञात शव का किया गया अंतिम संस्कार

हजारीबाग। मुक्तिधाम सेवा संस्थान के नीरज कुमार ने गुरुवार को अपनी टीम के साथ खिरगांव स्थित मुक्तिधाम में एक अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया. इससे पूर्व शव की पहचान के लिए उसे करीब 120 घंटे तक सुरक्षित रखा गया था. बता दें कि विगत 15 जून को जिले के चौपारण थाना पुलिस ने एक अज्ञात शव बरामद किया था. अंतिम संस्कार में चौपारण थाना प्रभारी दीपक सिंह, राम प्रसाद, रामलखन, पुण्य प्रकाश, अशोक, सुरेंद्र, गणेश और विकास ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया.

बैठक कर पीएचईडी, एनएचएआई के अधिकारियों को दिया निर्देश

शपथ से पहले ही एक्टिव मोड में आए सांसद मनीष

संवाददाता। हजारीबाग

सांसद का शपथ लेने से पूर्व ही मनीष जायसवाल जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक्टिव मोड में आ गए हैं. उन्होंने पूर्व विधायक मनोज यादव के साथ जिले के बरही अनुमंडल की जल समस्या तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण से उत्पन्न समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभागों के आलाधिकारियों से सर्किट हाउस में बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

इस दौरान भीषण गर्मी में बरही और चौपारण में जल्द से जल्द जल आपूर्ति की व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही. विभिन्न पंचायतों में संचालित जल नल योजना की त्रुटियों को जल्द दूर करके पानी की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी करने की बात कही. राज्य सरकार द्वारा प्रति पंचायत में निर्धारित पांच चापाकलों के निर्धारित स्थलों पर नियमानुसार लगाने की बात कही. इसके लिए किसी भी राजनीतिक दबाव में नहीं आकर कार्य करने की हिदायत दी. बरही अनुमंडल क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निजात के लिए खराब जलमीनार व चापानल की तत्काल मरम्मती, बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को चालू करने तथा गांवों में एसएलडब्लूएल के अंतर्गत बनाए गए सोख्ता, गड्ढा, नाडेप का शीघ्र भुगतान करने का निर्देश दिया गया. इस उन्हें दौरान बरही, चौपारण, पदमा के पंचायत प्रतिनिधियों ने समस्याओं से अवगत कराया. बैठक में कार्यपालक अभियंता, हजारीबाग मनोज कुमार मुंडा, सहायक अभियंता, बरही अनुमंडल निखिल कुमार, जेई, चौपारण, बरही और पदमा के विमल कुमार, जिला समन्वयक मनीष कुमार आदि मौजूद थे.

अधिकारियों के साथ बैठक करते हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल.

खास बातें

- बरही व चौपारण में जलापूर्ति बहाल करने का दिया निर्देश
- चापाकल लगाने में किसी भी दबाव में नहीं आने को कहा

जलजमाव और गंदगी को दूर करने का निर्देश

सांसद ने एनएचपीडी सुबोध भारती, रिलायंस जीएम समीउल्लाह खान, राजकेशरी कंपनी के वाईस प्रसिडेंट केके मिश्रा के साथ बैठक कर बरही चौक, तिलैया रोड आसपास अधूरे सड़क निर्माण को पूर्ण करने, जलजमाव तथा गंदगी को दूर करने, घरों में बरसात के पानी को किसी भी सूरत में नहीं घुसे, इसे सुनिश्चित करने को कहा. चौपारण बाजार में गांधी स्मारक के समीप भयंकर जलजमाव को दूर करने को कहा. वहीं चैथी मोड़, चतरा मोड़, ब्लाक मोड़, केंदुआ मोड़, महुदी मोड़ में निकास नहीं रहने के कारण जलजमाव तथा घरों में पानी घुसने को रोकने को लेकर तत्काल कार्रवाई करने की बात कही. चौपारण और बरही में सड़क का पानी घरों में घुसने, सड़क निर्माण के बावजूद मुआवजा नहीं मिलने, बरही और बरकट्ठा में फ्लाई ओवर निर्माण सहित अन्य समस्याओं को लेकर वार्ता हुई. एनएचपीडी ने स्वयं स्थल पर जाकर जांच कर समस्या का समाधान करने की बात कही. मौके पर सांसद मनीष जायसवाल, पूर्व विधायक मनोज यादव, जिप सदस्य एक राकेश रंजन, तीन आरती कौशल, बरही सदर जिला परिषद सदस्य प्रीति गुप्ता, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, मुखिया प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया सुनीता देवी, अर्चना हेमरोम, ममता कुमारी, संतोष सिंह, पप्पू रजक, खीरु यादव, राजेंद्र कुशवाहा, कैलाश पासवान आदि उपस्थित थे.

विधायक की मौजूदगी में हुए महाजुटान में सैकड़ों भू रैयतों ने किया ऐलान

कोल माइंस कार्यालय में जड़ेंगे ताला

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के सैकड़ों भू रैयतों ने गुरुवार को विभिन्न मांगों को लेकर बसरिया बाजार टांड़ में महाजुटान कार्यक्रम का आयोजन किया. इसमें कोल माइंस से विस्थापित, प्रभावित गांव बसरिया, हवई पाण्डु, बलेदेवरी, चट्टीबरियातु, बसरिया, पगार आदि कई गांवों के प्रभावित सैकड़ों रैयतों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई. कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, सीओ रामरतन वर्णवाल, बीईईओ जवाहर प्रसाद उपस्थित हुए. सभा में 18 सूत्री मांगों पर चर्चा करते हुए डीसी को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया. अगर 18 सूत्री मांगों को कम्पनी नहीं मानती है

बसरिया बाजार टांड़ में आयोजित महाजुटान कार्यक्रम में उपस्थित भू रैयत.

तो हम सभी विस्थापित, प्रभावित भू रैयत मिलकर कोल माइंस के कार्यालय में तालाबंदी किया जायेगा. मांगों में ग्रामीणों की अधिग्रहित जमीन के ऊपर बने मकान, तालाब, कुआं, पेड़ पौधे की अचल संपत्ति का मुआवजा उत्खनन कार्य करने से पहले देने, स्थानीय बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण देकर कम्पनी रोजगार की व्यवस्था करने, दो मृतक बिरहोर परिवार के परिजनों को 25 -25 लाख रुपये अविलंब भुगतान करने आदि शामिल हैं. बैठक में अध्यक्ष प्रेम लाल गुप्ता, सुरेश साव, रविन्द्र गुप्ता, चंदन गुप्ता, पप्पु दस, विजय देवा, उमेश साव, अमित दुबे आदि उपस्थित थे.

मादक पदार्थों पर रोक को भाषण प्रतियोगिता

हजारीबाग। कर्जन स्टेडियम अवस्थित जिला खेल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को मादक पदार्थ के दुरुपयोग को समाप्त करने हेतु जिले में संचालित आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र एवं डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों एवं अन्य खेल के खिलाड़ियों के बीच भाषण प्रतियोगिता एवं सेमिनार का आयोजन किया गया. इसमें कुल 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिम्मी कुमारी, द्वितीय स्थान पुर्णिमा कुमारी, तृतीय स्थान एलिजाबेथ एक्का ने प्राप्त किया. विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि यशवीर जग्गी, सचिव हजारीबाग बैडमिंटन एसोसिएशन ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया. सफल आयोजन में जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम आदि का मुख्य योगदान रहा.

विस अध्यक्ष पहुंचे हजारीबाग

विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो का स्वागत करते जेएमएम कार्यकर्ता.

संवाददाता। हजारीबाग

विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो गुरुवार को हजारीबाग पहुंचे. वह मीडिया सेल सदस्य एवं नगर संयोजक मंडली सदस्य सरफराज अहमद के घर पहुंचे. झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई कार्यकर्ता और उनके परिवार के लोगों ने उनको बुके देकर उनका स्वागत किया. वहीं मीडिया से रूबरू हुए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने बेबाकी से कई सवालों के दिये. उन्होंने अधिकारियों को फोन किया और तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया. सरफराज अहमद ने बताया कि हमारा विधानसभा अध्यक्ष से कार्यकर्ता से ज्यादा पारिवारिक रिश्ता है. विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सरफराज अहमद एक अच्छे इंसान हैं और हमारे बहुत करीब हैं. मौके पर यासीन खान, मोहम्मद कौसर, नंदू आरजेडी, चरखा यादव, अयान राजा खान, गुलाम शब्बीर, तौकीर, माजिद, शोएब अख्तर आदि उपस्थित थे.

डीसी ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यक्रमों से जोड़ने का दिया निर्देश

जागरूकता वाहन को किया रवाना

संवाददाता। रामगढ़

छतरमांडू स्थित समाहरणालय सभा कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में मादक पदार्थों पर रोक हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजन किया गया. कार्यशाला के दौरान बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पतरातु अनुपमा मिंज ने उपायुक्त व अन्य को 19 जून से 26 जून तक चलाए जाने वाले मादक पदार्थों पर रोक हेतु जागरूकता अभियान के संबंध में जानकारी दी साथ ही 26 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस की तैयारियों पर भी जानकारी दी. अभियान के दौरान नशे में गिरफ्त लोगों को संरक्षण करने का प्रयास किया जाएगा एवं उन सभी लोगों के प्रवास की व्यवस्था हेतु उपाय भी

मादक पदार्थों पर रोक के लिए जागरूता रथ को रवाना करते उपायुक्त व अन्य.

किये जाएंगे. उपायुक्त ने 26 जून तक चलाए जा रहे अभियान को और भी प्रभावी तरीके से चलाने तथा ज्यादा से ज्यादा युवाओं व अन्य लोगों को कार्यक्रमों से जोड़ते हुए उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि शैक्षणिक स्थलों, स्कूल कॉलेज आदि के 100 मीटर के दायरे में नशीले पदार्थ की बिक्री करना दंडनीय अपराध है. उपायुक्त ने नशे पर रोक लगाने के उद्देश्य से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. कार्यशाला में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता कुमारी अंजली, जिला खनन पदाधिकारी निशांत कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीत टोप्पो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा कुमारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर स्वराज आदि उपस्थित थे.

रोजगार को लेकर बढ़ते पलायन पर रोक लगाने को लेकर डांड गांव में बैठक का आयोजन

पलायन क्षेत्र के विकास में बाधक : किशोरी राणा

संवाददाता। कटकमसांडी

रोजगार को लेकर बढ़ते पलायन पर रोक को लेकर समाजसेवी किशोरी राणा ने युवाओं और ग्रामीणों के साथ डांड गांव के शिव मंदिर प्रांगण में बैठक की. इसमें नव झारखंड फाउंडेशन के संस्थापक किशोरी राणा ने कहा कि क्षेत्र के विकास में पलायन बाधक है, जबकि झारखंड खनिज सम्पदा से सम्पन्न राज्य है. बावजूद यहां 70 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने को विवश हैं. कहा कि कटकमसांडी प्रखंड एक कृषि प्रधान क्षेत्र है. सिंचाई साधन अनुपलब्ध होने से भी किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं.

क्षेत्र में रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण शिक्षित युवाओं को मजबूरीवश अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है, जो काफी दुःखद है. बैठक में किसानों ने भी कहा कि सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद क्षेत्र में पेयजल व सिंचाई संसाधनों की कमी के कारण लोगों में खेती के प्रति दिलचस्पी कम होती जा रही है. इसलिए दो पैसे कमाने के लिए अपने बच्चों को पढ़ाने लिखाने के बाद भी बाहर भेजना पड़ रहा है. इसके लिए क्षेत्र के सांसद, विधायक को जिम्मेदार बताया गया. बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव पर भी चर्चा की गई. ग्रामीणों के मुताबिक स्थानीय सांसद, विधायक ही ग्रामीण जनता के दर्द को समझ सकता है. कटकमसांडी क्षेत्र से किशोरी राणा को विधायक प्रत्याशी बनाए जाने पर सहमति बनाई गई. बैठक में जगदेव राणा, प्रमोद सिंह, सतीश सिंह, धनंजय पांडेय, विक्की सिंह, अनुज यादव, नौशेर खान, सचिन दास, संतोष यादव, प्रकाश यादव, अरविंद कुमार, सुरेश कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे.

डांड गांव के शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित बैठक के दौरान मौजूद लोग.

क्या कहा

- 70 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे
- क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई संसाधनों की भारी कमी

निर्देश उपायुक्त ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक की, योजनाओं की अद्यतन स्थिति की ली जानकारी

अबुआ आवास निर्माण के लिए पहली किस्त अविलंब जारी करें : डीसी

संवाददाता। हजारीबाग

ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में की गई. इसमें उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित मौजूद रहीं. बैठक की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कहा कि अबुआ आवास योजना के तहत पहले चरण में स्वीकृत किए गए आवास निर्माण के लिए पहली क़िस्त की राशि अविलंब जारी करें. उन्होंने आवास निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि लाभुकों की चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाये. जिन्हें अबुआ आवास आवंटित हो चुका है और उनके पहले चरण का कार्य संतोषजनक है, तो उन्हें दूसरी क़िस्त की राशि जारी करें. सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कोर कसर न रखें. योग्य लाभुकों को अबुआ आवास योजना का लाभ मिले यह सुनिश्चित करें. उन्होंने कम प्रगति वाले प्रखंडों से जवाब तलब कर जल्द से जल्द प्रथम व द्वितीय किस्त की राशि हस्तानांतरित करने का निर्देश दिया. अबुआ आवास में ग्रामीणों द्वारा पीलिंथ तक के कार्यों की जीओ टैग फोटोग्राफ व डॉक्यूमेंट अपलोडिंग कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश दिया. वहीं उप विकास आयुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि चार दिनों के अंदर अबुआ आवास से संबंधित सभी लंबित कार्य को पूर्ण करें वरना वेतन निर्गत पर रोक लगा दी जाएगी. उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को मनरेगा से जुड़ी योजनाओं तथा ग्रामीण स्तर पर चल रही कार्यों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया. मनरेगा से संबंधित कार्यों ने किसी भी प्रकार का मशीन का प्रयोग न हो यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने उपस्थित सभी लोगों से सरकार की प्राथमिकता वाले योजनाओं को गंभीर होकर कार्य करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि प्रखंड कार्यालय को पब्लिक फ्रेंडली बनाएं.

ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करतीं उपयुक्त नैंसी सहाय.

- **पोटो हो खेल योजना :** पोटो हो खेल योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंचायत में खेल के मैदान का निर्माण कराया जाना है. उपायुक्त ने शिक्षा विभाग से इसको लेकर समन्वय स्थापित करने को कहा. खेल मैदान निर्माण के लिए जमीन चिन्हितीकरण के हेतु सभी बीडीओ को कार्य करने का निर्देश दिया. उन्होंने निर्धारित समय सीमा में स्थानीय श्रमिकों द्वारा निर्माण कार्य कराने का निर्देश दिया.
- **बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना :** बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत इस वर्ष 6023 कूपों का निर्माण पूर्ण किया जाना है. इस कार्य पर प्रगति लाने का निर्देश दिया.
- **बिरसा हरित ग्राम योजना :** इस योजना के तहत पौधे लगाने के साथ उसके रख- रखाव एवं संरक्षण की भी पूरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया. जेएसएलपीएस से जुड़ी सखी मंडलों और उससे संबंधित महिलाओं को सक्रिय कर बिरसा हरित ग्राम योजना से जोड़ने को कहा.

सुब्रतो कप अंडर 17 बालक वर्ग में उच्च विद्यालय बना चैंपियन

संवाददाता। कटकमसांडी

प्रखंड स्थित स्टेडियम में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन पहला सेमीफाइनल प्लस 2 हाई स्कूल कटकमसांडी और उत्क्रमित हाई स्कूल दाढ़ के बीच हुआ, जिसमें हाई स्कूल कटकमसांडी ने 1-0 से ढांढ को पराजित किया. दूसरा सेमीफाइनल उत्क्रमित प्लस टू हाई स्कूल डांटोकला और उत्क्रमित हाई स्कूल आराभुसाई के बीच खेला गया, जिसमें डांटो कला 1-0 से विजय रहा. फाइनल मैच 2 उच्च विद्यालय कटकमसांडी और उच्च विद्यालय डाटोकला के बीच खेला गया, जिसमें उच्च विद्यालय कटकमसांडी के राहुल भोगता के एक गोल से उच्च विद्यालय कटकमसांडी ने ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया. तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में उत्क्रमित हाई स्कूल ढांड ने पेनल्टी शूटआउट में 3 - 2 से आराभुसाई को पराजित किया. नोडल शिक्षक सरोज मालाकार, बीपीओ गजाला प्रवीण ने विजेता और उपविजेता टीम को सम्मानित किया. टूर्नामेंट को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा शिक्षक उमेश दास, अविनाश कुमार, कुंवर प्रसाद, भोला राणा, बीआरपी पुष्पेंद्र कुमार आदि का योगदान रहा.

खिलाड़ियों से हाथ मिलाते अतिथि.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य का साथ मिलेगा. कार्य के प्रभाव से धन प्राप्ति सुगम होगी. वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है. परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा.

वृषभ मानसिक तनाव हो सकता है. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक. पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है. विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगा. इत्र दान करें.

मिथुन लाभ के अवसर मिलेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है. आर्थिक उन्नति होगी. सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे. अन्न का दान करें.

कर्क पेट में कोई कष्ट हो सकता है. लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें. संतान की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी. कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है. वाद-विवाद से दूर रहें.

सिंह यात्रा से मन में प्रसन्नता रहेगी. कर्म के प्रभाव से धनार्जन होगा. सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा. पुरुषार्थ सफल होगा. वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए. व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे.

कन्या शिक्षा में सुधार होगा, पर वाणी पर नियंत्रण रखें. आत्मसम्मान बना रहेगा. सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे. पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी. जोखिम के कार्यों से दूर रहें. अनार का दान करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. मान-सम्मान में कमी होगी. पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. किसी से बहस न करें. काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं.

वृश्चिक किसी परिचित का कोई दुःखद समाचार मिल सकता है. दौड़धूप अधिक होगी. वाणी पर संयम रखें. विरोधियों से सावधान रहें. परिवार की परेशानी का हल संभव है. भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी. शिव मंदिर में पूजा अर्चना करें.

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. कार्य होने से मन में प्रसन्नता रहेगी. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं. नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे. धन का संग्रह होगा. सब्जी का दान करें.

मकर उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. संतान की प्रगति होगी. व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा. पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी. मन प्रफुल्लित रहेगा.

कुंभ खर्च में वृद्धि होगा. दूर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. इसके प्रभाव से प्रसन्नता रहेगी. संतान के संबंध में संतोष रहेगा. व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा. शनि को बल दें.

मीन संतान से लाभ मिलेगा. आय के लिए दिन अच्छा है, पर जोखिम व जमानत के कार्य टालें. खर्च का बोझ बढ़ेगा. किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें. व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है.

झारखंड में पानी की बूंदों ने आग उगलती गर्मी से निजात दिलाई, सात जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

बारिश ने दिलाई लू से राहत, सभी जिलों का पारा 40 डिग्री से नीचे रहा

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में पानी की बूंदों ने आग उगलती गर्मी से निजात दिलाई है. झारखंड में सभी जिलों का पारा 40 डिग्री से. रहा नीचे आ गया है. गुरुवार को दोपहर के बाद बोकारो, गढ़वा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, रांची, सिमडेगा और पलामू में जमकर बारिश हुई. वहीं किसी भी जिले में हीट वेव नहीं रहा. बारिश के बाद झारखंड में मौसम सुहाना हो गया. बारिश के बाद 6 डिग्री तक तापमान में गिरावट दर्ज की गई. झारखंड में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 38.7 डिग्री दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार बारिश के बाद अगले 24 घंटों के दौरान

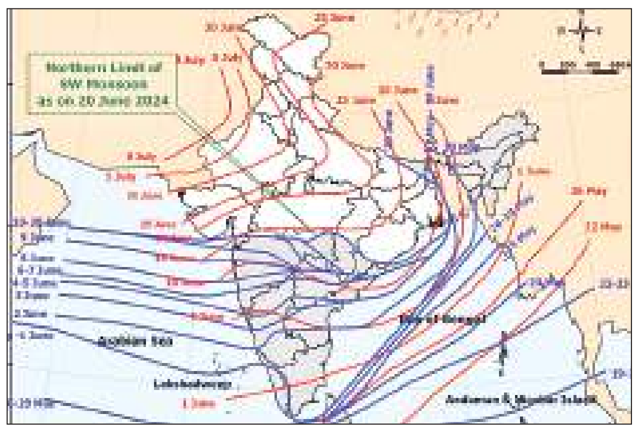

अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री से. की गिरावट की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन व आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई. सबसे अधिक वर्षा 63.5 एमएम खूंटी में दर्ज की गयी.

26 जून तक बारिश के आसार

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 26 जून तक राज्य में कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की प्रबल संभावना है. शुक्रवार को राज्य के सात जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. राज्य के उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, सरायकेला खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश की संभावना है.

तीन दिनों में मॉनसून प्रवेश कर सकता है

3 से 4 दिनों में मानसून झारखंड में प्रवेश करने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 से 4 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर, गुजरात राज्य, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, पश्चिम बंगाल के गंगा के कुछ हिस्सों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों, झारखंड के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ और हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं.

शहर का तापमान

रांची	33.4	21.6	देवघर	35.3	26.1
जमशेदपुर	35.7	27.7	गढ़वा	37.7	26.1
डालटनगंज	37.8	25.5	सरायकेला	37.2	26.7
बोकारो	36.1	26.6	गोड्डा	38.7	28.0
चाईबासा	38	23.6			

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने नीट में गड़बड़ी पर निशाना साधा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री और एनटीए के चेयरमैन को गिरफ्तार किया जाए

विशेष संवाददाता। रांची

शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भ्रष्टाचार हुआ, तो यह भयानक संकट को द्योतक है. इस मामले में प्रधानमंत्री पूरी तरह से मौन हैं. शिक्षा मंत्री की मिलीभगत है. झामुमो की मांग है कि सीबीआई एनटीए चेयरमैन और मानव संसाधन विकास मंत्री को गिरफ्तार करे. प्रधानमंत्री भी मंत्री को बर्खास्त करें. इन दोनों की गिरफ्तारी के बगैर सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी. यह भाजपा की मिलीभगत है. इसे देश कतई बर्दाश्त नहीं करेगा. हमारे राज्य के कई छात्रों को नीट, नेट में है, उनको भी कहीं न कहीं मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया गया है. झामुमो राज्य सरकार से मांग करता है कि जितने कोचिंग संस्थान हैं, सभी की ऑडिट कराते हुए जांच करायी जाए. मोटे-मोटे पैसे लेकर खेल हुआ है, क्योंकि यहां भी मोटे-मोटे लोग हैं, जो पैसे लेकर हमारे छात्रों के भविष्य के साथ खिलावाड़ कर रहे हैं. राष्ट्रपति से आग्रह है कि वह मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, बिहार और यूपी इन राज्यों पर भी अपनी निगाहें खोल कर रखें. आखिर ये राज्य क्यों इस तरह भ्रष्टाचार के सेंटर होते हैं. उक्त बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहीं. वे पार्टी दफ्तर में मीडिया से बात कर रहे थे.

भाजपा शासित राज्यों में हो रही हैं इस तरह की गड़बड़ियां : सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सप्ताह दस दिन में ही जिस प्रकार से केंद्र सरकार की नामाकामियां सामने आ रही हैं, जिस प्रकार का भ्रष्टाचार, अनियमितता छात्रों के साथ हो रहा है, 24 लाख नीट अभ्यार्थियों के साथ जैसा हुआ, नौ लाख यूजीसी नेट के जो अभ्यार्थी थे, उनके साथ भी बड़ा असभ्य तरीके से एनटीए ने व्यवहार किया. हमलोगों ने शुरू से इस बात को कहा था एनटीए के गठन के पीछे भाजपा की संघीय सोच थी. उसके भ्रष्टाचार की शुरूवात व्यापम घोटोले से हुई थी, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान थे. कई लोगों की उस घोटाले में हत्याएं भी हुईं. वहीं मॉडल एनटीए में लाया गया. नीट और यूजीसी भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है. संयोग से या प्रयोग से. उसका एपिक सेंटर गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तरप्रदेश है, जहां भाजपा की सरकार है. सारे फर्जी लोग, सारे फर्जीवाड़े में शामिल लोग इन्हीं सरकारों के संरक्षण में पलते-बढ़ते हैं.

- राष्ट्रपति परीक्षा घोटोल के इपिक सेंटर राजस्थान, गुजरात, बिहार, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश पर अपनी निगाहें खोलें
- रांची-झारखंड के कोचिंग संस्थानों की ऑडिट और जांच यहां की सरकार कराए, क्योंकि हमारे राज्य के छात्रों का भविष्य खतरे में है

पीएम मोदी के राज में हो रहे हैं शिक्षा घोटाले

भट्टाचार्य ने कहा कि कल प्रधानमंत्री जी नालंदा आए थे, बहुत बड़ी-बड़ी बातें कह कर गए. ज्ञान का केंद्र बनाना है, विश्व स्तर पर ले जाना है. लगता है अभी भी चुनावी मोड में हैं. उन्हें लग ही नहीं रहा है कि जनता ने उन्हें नकार दिया है. 18 को परीक्षा होती है, 19 को दिन में प्रधानमंत्री का शिक्षा पर बड़ी-बड़ी बातें होती है और रात को परीक्षा रद हो जाता है. यूजीसी सिनेट क्या था. उच्चस्तर शिक्षा का एक प्रवेश द्वार है. जहां लोग शिक्षक बनते हैं, शोध करते हैं. आप ने उस पर कालीख पोतने का काम किया.

अनियमितता से डॉक्टर बनने वालों से देश को खतरा

भट्टाचार्य ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी कंर्सन है. नीट को परीक्षा को लेकर कि कदाचार से छात्र अगर डॉक्टर बनते हैं तो लोगों का जीवन को खतरा है. पहले हमलोगों ने कोरोना वायरस के समय जो टीके लगे, अब खुलासा हुआ कि उससे प्राण नाश होता है. संभावनाएं बढ़ जाती है. अब इस तरह के डॉक्टर आएंगे.

भाजपा नेताओं के संरक्षण में चल रहे हैं कोचिंग सेंटर

उन्होंने कहा कि सरकारी यूनिवर्सिटी तो गया. यहां पर मोटी-मोटी रकम लेकर भाजपा के नेताओं के कोचिंग संस्थान पूरे देश में फल-फूल रहे हैं. पूरा गुजरात लॉबी इसमें समाया हुआ है. राजस्थान के कोटा में व्यापक रूप में यह काम चल रहा है. कौन लेगा एनटीए का गांरटी. उनके चेयरमैन जोशी जी उनका इन्कीलेशन क्या है. इससे पहले वे यूपीएससी में रहे, वहां भी सवाल उठे थे. जब तक आप संस्थानों को पारदर्शी और इमानदार नहीं बनाएंगे.

जातिगत जनगणना के लिए सरकार को दी बधाई

झामुमो ने चंपाई सोरेन सरकार को जातीय जनगणना व सरना धर्म को लेकर लिए गए बहुप्रतीक्षित और पौने चार करोड़ लोगों की आकांक्षा से जुड़ी विषय पर निर्णय लिए जाने के लिए पार्टी की ओर से सरकार को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद दिया है. कहा कि यह झारखंड के पौने चार करोड़ की अस्मिता से जुड़ा मुद्दा रहा है. साथ ही साथ कहा कि जनजातीय भाषा साहित्य अकेडमी के गठन और क्षेत्रीय भाषा साहित्य अकेडमी के गठन की बातों पर निर्णय लिया जाना भी माइल स्टोन है.

डॉ कहकशां परवीन के निधन पर शोकसभा

जमशेदपुर। उर्दू भवन जमशेदपुर, शायकीने शेर-व-अदब जमशेदपुर तथा अदब इस्लामी जमशेदपुर तीनों साहित्यिक संस्थाओं संयुक्त रूप से गुरुवार को डॉ कहकशां परवीन (67) के देहांत पर शोकसभा की. सभा कथाकार डॉ अख्तर आजाद के आवास पर हुई. इसकी अध्यक्षता उर्दू भवन जमशेदपुर के अध्यक्ष डॉ हसन इमाम मलिक ने की. सभा में प्रो अहमद बद्र, डॉ अफसर काजमी, तनवीर अख्तर रूमानी, प्रो गौहर अजीज, डॉ अख्तर आजाद, रिजवान औरंगाबादी व सैयद साजिद परवेज के अलावा शहर के कई साहित्य प्रेमी शामिल हुए. सभा में तनवीर अख्तर रूमानी ने बताया कि डॉ कहकशां परवीन उर्दू की जानी-मानी अदीबा तथा रांची विश्वविद्यालय उर्दू विभाग की भूतपूर्व अध्यक्ष थीं. वे विगत कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं. उनका इलाज मेदांता हॉस्पिटल दिल्ली में चल रहा था. पिछले 17 जून को उनका देहांत हो गया. वे रांची विश्वविद्यालय से 31 जनवरी 2023 को सेवानिवृत हुई थीं. प्रो अहमद बद्र तथा डॉ अख्तर आजाद ने स्व डॉ कहकशां परवीन की साहित्यिक सेवाओं तथा उनके द्वारा लिखित पुस्तकों पर विस्तार से प्रकाश डाला.

पेज एक का शेष

पीएम पेपर लीक रोक....

रूस-यूक्रेन का युद्ध रुकवा दिया, पेपर लीक नहीं रोक पा रहे : कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रायबरेली सांसद सरकार को घेरते हुए कहा कि, शिक्षा व्यवस्था का डिमॉनेटाइजेशन हो गया है. निष्पक्ष शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई है. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक हुआ है. कहा जा रहा है नरेंद्र मोदी जी ने रूस यूक्रेन की लड़ाई रुकवा दी थी. इसराइल और गाजा के बीच में चल रही लड़ाई मोदी जी ने रुकवा दिया था, लेकिन किसी न किसी कारण हिंदुस्तान में पेपर लीक हो रहे हैं, उसको नरेंद्र मोदी रोक नहीं पा रहे हैं या रोकना नहीं चाहते हैं.

मोदी को नहीं आता सरकार चलाना : जो नियम एक पेपर में लागू हुआ, वही नियम दूसरे पेपर में भी लागू करना चाहिए. हम संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे. अब लोग चुप नहीं रहने वाले, सरकार पंगु है, एक पैर पर टिकी है. प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान स्पीकर चुनाव पर है. वो मनोज्ञानिक रूप से टूट गए हैं. इस तरह की सरकार चलाना उन्हें नहीं आता. बनारस में उनकी कार पर किसी ने चप्पल फेंक दिया. पहले कांग्रेस नहीं डरती थी, अब देश में कोई नहीं डरता. 56 इंच की छाती 30-32 हो गई है. पीएम मोदी के काम करने का तरीका डराने धमकाने वाला है, लेकिन अब कोई नहीं डरता. इनकी पार्टी में, आरएसएस में दिक्कत है.

न परवाह, न ...

अगर हर छात्र को परीक्षा देने में 2000 रुपए भी खर्च करने पड़े होंगे, तो उनके 180 करोड़ रुपए डूब गए. नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला अभी चल ही रहा है. परीक्षा लाने वाली एजेंसी एनटीए ही है, और वो पहले से सवालों के घेरे में है. गलत तरीके से 67 छात्रों को टॉप कराया गया. 1500 से अधिक छात्रों को फिर से परीक्षा देनी होगी. इस बीच बिहार पुलिस का वह बयान सार्वजनिक हो गया है, जिसमें आरोपी ने स्वीकार किया है कि प्रश्न पत्र लीक हुआ था. इस परीक्षा को भी रद्द करने की मांग देश भर में हो रही है. इस परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे. यानी आर्थिक पहलू को देखें तो 400 करोड़ रुपए से ज्यादा स्वाहा हो गए. इतना ही नहीं इससे कई गुणा राशि कोचिंग पर भी खर्च हुए होंगे. केंद्र सरकार को तो चिंता नहीं है, यह स्पष्ट है. सिस्टम को तो न परवाह है, न शर्म ही आती है. अब समाज को भी इसकी चिंता नहीं. आप भी बस गर्व करते रहिए. इसी तरह हम विश्वगुरु बन जाएंगे.

अवध में जाति आई...

वह महाराष्ट्र को छूती हुई राजस्थान और उत्तरप्रदेश पहुंच गयी. इसी बीच बीके सिंह का टिकट कट गया. संजीव बालियान और संगीत सोम में भिडंत हो गयी. अनुप्रिया पटेल और विजय सोनकर ने राजा भैया को चिढ़ा दिया. इस आग में केशव प्रसाद मौर्य ने अपने बयान से घी डाल दिया. ओमप्रकाश राजभर जैसे नेताओं को साथ लाने और माथे पर बैठाने से सवर्ण बिदक गये. मुंबई हमले के लिए संघ को जिम्मेदार ठहरानेवाले वाले कृपाशंकर सिंह को जौनपुर से उतारकर जले पर नमक छिड़क दिया गया. जहां अखिलेश यादव हर हफ्ते समीकरण के हिसाब से उम्मीदवार बदल रहे थे, वहीं अपनी प्रचंड जीत के प्रति आश्वस्त भाजपा ऐरे-गैरे, नत्थू खैरे उम्मीदवारों पर दावं लगा रही थी. वह यह समझने को तैयार ही नहीं थी कि राम भी उसी की मदद करते हैं जो अपनी मदद खुद करता है. उसे अवध में राम आये हैं तो दिख रहा था, लेकिन चुनाव में वहां जाति आई है की भनक तक नहीं लगी.

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह रही कि यह चुनाव राष्ट्रीय स्तर का तो था, पर लड़ा गया प्रदेश स्तर पर. हर प्रदेश में लड़ाई का रंग-ढंग अलग था. झारखंड में सभी एसटी सीटें फिसल गईं. दुमका में सुनील सोरेन ने शिबू सोरेन को हराया था. लेकिन उनकी जगह झामुमो से लाई गई सीता सोरेन को टिकट थमा दिया गया और वह नलिन सोरेन से हार गईं. गीता कोड़ा में कौन सुरखाब के पर थे जो उन्हें टिकट दिया गया. लोहरदगा में समीर उरांव निहायत फिसड्डी प्रत्याशी थे. वह 2005 में सिसई तब जीते थे जब बंदी उरांव कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय लड़ गये थे. आशा लकड़ा को जनजातीय आयोग में एक कुर्सी देकर बैठा दिया गया, जबकि वह लोहरदगा के लिए सुदर्शन भगत का मजबूत विकल्प थीं.

बिहार में भाजपा आलाकमान के चहेते पवन सिंह ने निर्दलीय लड़कर तीन सीटें काराकाट, आरा और औरंगाबाद हरवा दीं. पिछड़ों ने आरा और औरंगाबाद में भाजपा के राजपूत प्रत्याशियों को वोट ही नहीं दिया. बक्सर में आनंद मिश्र ने भाजपा का खेल खराब कर दिया. एक ओडिशा छोड़कर भाजपा ने कहीं भी उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया. दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल में जाति नहीं चली. अरुणाचल अभी उसका गढ़ बना हुआ है. महाराष्ट्र में अजित पवार और अशोक चव्हाण को लेकर वह गाली भी खाई और जीत भी नहीं पाई. यानी जात भी गई और भात भी नहीं मिला. क्या यह फैसला अकेले देवेंद्र फडणनवीस का था ? नहीं, यह ऊपर का निर्णय था. भाजपा का दरवाजा हर आम और खास के लिए खुला था. फिर कार्यकर्ता सुस्त नहीं पड़ते तो क्या करते ? इतना तो पहले ही चरण से साफ हो गया था कि इस बार मुसलमान अभी नहीं तो कभी नहीं के अंदाज में भाजपा के खिलाफ वोट करेंगे. इससे मोदी के पसमांदा प्रेम, राष्ट्रीय मुस्लिम मंच और उत्तरप्रदेश विधानपरिषद् में चार-पांच मुस्लिमों को ठूंसने की रणनीति चकनाचूर हो गयी. मुसलमान किसी एक पार्टी को वोट नहीं करता है. वह उसे वोट करता है, जो भाजपा को हरा रहा होता है.

बहरहाल यह राम की ही कृपा है कि मोदी हारने से बच गये और तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गये. वरना इस बार भाजपा संगठित हो कर लड़ी ही नहीं. वह बिखरी-बिखरी सी थी. न कोई योजना थी, न व्यूह रचना. केवल मोदी का सहारा था और अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता. उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि सिर्फ उनके भरोसे जीत की कामना न करें. फिर भी संगठन के स्तर पर कोई योजनाबद्ध सक्रियता नहीं दिखी. न उत्तरप्रदेश में, न बिहार में और न ही झारखंड में. अयोध्या ने तो सीता जी को कलंकित कर दिया था. तब भी एक दलित ही था और आज भी एक दलित ने ही हराया है. रामभक्त पार्टी को यह बात समझ में क्यों नहीं आई कि स्वयं राम ने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव के माध्यम से देवी निकुंभला को प्रसन्न करने के लिए मेघनाद के अनुष्ठान का ध्वंस कराया था. फिर विपक्ष द्वारा बिछायी गयी जातीय नागफणियों को निष्प्रभावी करने का उपक्रम क्यों नहीं किया गया ? शायद इसका कारण अहंकार था और राम का भोजन भी अहंकार ही है.

(डिस्क्लेमरः यह लेखक के निजी विचार हैं.)

12 वर्षों से अधूरा पड़ा है रेलवे क्वार्टरों का निर्माण कार्य

सतीश गोस्वामी। गोमो

गोमो स्टेशन चौक के पास रेलवे के आठ क्वार्टरों का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है. 12 वर्ष पूर्व न क्वार्टरों का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था, लेकिनकाम पूरा नहीं हो सका. अधूरे पड़े ये क्वार्टर अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुके हैं. गोमो में रेलवे कर्मियों के लिए आवासों की कमी को देखते हुए वर्ष 2010-11 में निर्माण कार्य के लिए निविदा निकाली गई थी. जिस ठेकेदार को क्वार्टर बनाने का ठेका मिला,उसने निर्माण कार्य शुरू तो किया, लेकिन काम पूरा न करा सका. क्वार्टरों के छत की ढलाई तो की गयी, लेकिन बाद में ठेकेदार निर्माण कार्य बंद कर गायब हो गया. 12 वर्ष गुजरने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा रहने से रेलवे को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है. इस संबंध में पूछे जाने पर रेल अधिकारी ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया है. राजस्व रिकवरी के लिए कार्रवाई की गई है. दूसरी तरफ रेलवे अधिकारी ने यह भी बताया कि अधिकारियों के बदलने से क्वार्टर निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है.

- अधूरे क्वार्टर में असामाजिक तत्वों का अड्डा, रेलवे को लाखों का नुकसान

जलवायु परिवर्तन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित, बोले विधायक सीपी सिंह

आदिवासी समाज ने ही जंगल को बचाया है

संवाददाता। रांची

रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि आज जो भी जंगल बचा है, वो सिर्फ आदिवासी समुदाय के लोगों के कारण है. इसकी सुरक्षा में हमें पहल करने की आवश्यकता है. जहां आदिवासी समुदाय है, वहां जंगल है. ये बातें गुरुवार को ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन एवं स्वच्छ ऊर्जा समाधान को लेकर लालपुर में लीड्स द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे. उन्होंने हमारी मानसिकता अभी भी नहीं बदली है. पेड़ लगाने और बचाने का गारंटी लेना होगा, ताकि आने वाले पीढ़ी हमें याद करे. प्लास्टिक का उपयोग कम करना होगा.

लीड्स संस्था के डायरेक्टर एके सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है. ग्लोबल वार्मिंग गंभीर समस्या बन गई है. इसे रोकना होगा. इसके लिए अभी से हजारों पेड़ लगाना शुरू करें. वृक्षारोपण पर पहल शुरू करने की आवश्यकता है.

जनसंख्या वृद्धि ने जलवायु परिवर्तन को बदल रहा है : मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट साइंटिस्ट अभिषेक आनंद ने कहा कि तेजी से मौसम बदल रहा है. गर्मी लगातार बढ़ रही है. तापमान नें गर्म हवा बह रही है. गर्म हवा बादल को बदल दे रहा है. जलवायु परिवर्तन पर कोई पहल नहीं किया गया है.

राज्यस्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन करते विधायक सीपी सिंह व अन्य.

दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में हुआ पौधरोपण : महेंद्र

संस्था के प्रोग्राम मैनेजर महेंद्र कुमार ने कहा कि दो हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में पौधरोपण किया गया. जल संरक्षण के लिए कुंआ, डोभा, बोरी बांध, और चुंआ का निर्माण किया हुआ है. बायो गैस प्लांट, स्वच्छ ऊर्जा केंद्र, सोलर आधारित सीएसी सेंटर, की स्थापना की गई है. स्वच्छ ऊर्जा आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है. युवकों को ट्रेनिंग दी जा रही है. धुंआ रहित चूल्हा का निर्माण हो रहा है. क्लाइमेट एक्स के नवीन कुमार, धीरज कुमार, नीड्स के मुरारी चौधरी, आईएजी के सुबीर कुमार ने भी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या से निजात के लिए अपने विचार व्यक्त किया. मौके पर महेंद्र कुमार,निर्झरणी रथ, निशा त्रिपाठी, मनीष सिंह आदि मौजूद थे.

प्रदेश कांग्रेस की समीक्षा बैठक स्थगित

रांची। लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर प्रदेश कांग्रेस की होने वाली समीक्षा बैठक स्थगित कर दी गई है. यह समीक्षा बैठक 21, 23 एवं 24 जून को होने वाली थी. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि देश में हुए नीट पेपर लीक के मामले में राज्यव्यापी प्रदर्शन का आयोजन 21 जून को किया गया है, उसे देखते हुए समीक्षा बैठक स्थगित की गई है. वहीं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में झारखंड के लिए बैठक आयोजित की गई है, जिसमें झारखंड से वरीय नेता हिस्सा लेंगे. इसी वजह से 23 एवं 24 जून को विभिन्न लोकसभा के लिए होने वाली समीक्षा समिति की बैठक स्थगित की गई है. प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि अब चुनाव परिणाम की समीक्षा बैठक 29 जून को रांची लोकसभा के लिए की जाएगी. 30 जून को चतरा लोकसभा के लिए चतरा व लातेहार में, 1 जुलाई को लोहरदगा, 2 जुलाई को खूंटी व 3 जुलाई को धनबाद लोकसभा में समीक्षा बैठक होगी.

मुकाम

जातिगत जनगणना कराने के निर्णय पर कांग्रेस ने सरकार के प्रति आभार प्रकट किया

राहुल के उठाए मुद्दे को हमारी सरकार मुकाम तक पहुंचा रही है : प्रदीप

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस विधायक दल के उप नेता प्रदीप यादव ने कहा कि जिन मुद्दों को हमारे नेता राहुल गांधी ने जोर-शोर से उठाया. उसे हमारी इंडिया गठबंधन की झारखंड की चंपाई सोरेन सरकार उसे मुकाम तक पहुंचा रही है. झारखंड कैबिनेट द्वारा जातिगत जनगणना के लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिलना उन सभी वर्गों के विकास के लिए दरवाजे खोल देगा जिन्हें उनके भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी नहीं मिली है. इसके लिए मुख्यमंत्री और हमारी सरकार धन्यवाद के पात्र हैं. यादव ने यह बात कांग्रेस भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस विधायक दल के उपनेता प्रदीप यादव व अन्य.

राज्य के वंचित समाज को मिलेगा उनका हक : उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि यह निर्णय राज्य के दलितों आदिवासियों पिछड़ों वंचितों अल्पसंख्यक को मूलवासियों को राज्य के विकास में भागीदार बनाएगा. विगत 20 वर्षों से भाजपा ने एक साजिश के तहत जिस तरह एक बड़े हिस्से को अपना अधिकार से वंचित रखा था यह उन्हें उनका अधिकार दिलाएगा.कांग्रेस और राहुल गांधी चाहते थे कि पूरे देश में जातिगत जनगणना हो इसके लिए लंबा संघर्ष आज भी किया जा रहा है.झारखंड सरकार का यह निर्णय इस संघर्ष को भी प्रभावित करेगा और देश में संदेश देगा कि कांग्रेस की सरकार या गठबंधन की सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह गंभीर है.

ओबीसी की भागीदारी बढ़ेगी

यादव ने कहा कि अभी जिस तरह झारखंड में 7 जिलों में ओबीसी आरक्षण शून्य है,जातिगत जनगणना होने से ऐसे जिलों में ओबीसी की भागीदारी बढ़ाई जा सकेगी. जनगणना केंद्र सरकार का काम है लेकिन केंद्र द्वारा नहीं कराए जाने की स्थिति में राज्य सरकार ने रास्ता खोजा और कार्मिक विभाग को इसका जिम्मा सौंपा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा अगर सही में दलितों पिछड़ों, अल्पसंख्यकों का विकास चाहती है तो पूरे देश में जातिगत जनगणना कराए. भाजपा के चेहरे को पूरे देश पूरी दुनिया पहचान चुकी है कि वह पिछड़ा विरोधी और दलित विरोधी है. मौके पर अमूल्य नीरज खलखो, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति भी उपस्थित थे.

झारखंड में जाति जनगणना

सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तथा गैरबराबरी को स्थायी तौर पर खत्म करने की दिशा में जाति जनगणना की अहम् भूमिका है. ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए सामाजिक और आर्थिक अन्याय के कारकों को खत्म करने की दिशा में राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका सहित तमाम अन्य प्रभावी भूमिका निभाने वाले मंचों पर वास्तविक हिस्सेदारी, जो न्याय के सिद्धांत पर आधारित हो, प्रदान किया जाना चाहिए. इस दिशा में जाति जनगणना प्राथमिक सोपान है. देश को दुनिया में एक अग्रणी ताकत बनाने की गति तेज करने के लिए भी यह प्रक्रिया जरूरी है. झारखंड सरकार ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. झारखंड कैबिनेट का फैसला है कि झारखंड में भी जाति जनगणना होगी. यह एक बड़ा कदम है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए. अठाहरवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में इंडिया ब्लाक का एक बड़ा चुनावी मुद्दा था. भाजपा को बहुमत से रोकने में जिन प्रमुख मुद्दों ने बड़ी भूमिका अदा की है, उसमें जाति जनगणना भी एक है. बिहार में जाति जनगणना कराने का लाभ चुनावों में जदयू को मिला. इसके साथ ही बिहार ने आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत तक कर बिहार के राजनीतिक समीकरण को प्रभावित कर दिया है. हालांकि इसे उच्च आदालत ने रद्द कर दिया है. जाति सर्वेक्षण की शुरुआत यूपीए के सरकार ने की थी. सर्वेक्षण के आंकड़े 2013 तक आ गए थे. कुछ ही महीनों बाद यूपीए की सरकार बदल गयी और भाजपा सत्ता में आ गयी. मोदी सरकार ने जाति आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों को पिछले दस सालों में सार्वजनिक नहीं किया, जबकि इसकी मांग उठती रही है. इसके बाद कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में जाति जनगणना की शुरुआत करवायी थी, लेकिन खरीद फरोख्त के कारण उनकी सरकार गिरा दी गयी और जनगणना की प्रक्रिया भाजपा के कार्यकाल में रोक दी गयी. अब फिर से कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार जाति जनगणना करवा रही है, जिसके आकड़े सामने आएंगे. इसके बाद बिहार ने इस दिशा में पहल की और महागठबंधन की सरकार के दौर में इसे अमली जामा पहनाया गया. महागठबंधन वाली नीतीश कुमार सरकार ने ही आरक्षण का दायरा बढ़ाया. इसके बाद तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनते ही वहां भी जाति जनगणना करवाने का फैसला किया. झारखंड चौथा राज्य है, जो अब इस दिशा में निर्णय ले चुका है. झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार है और चंपाई सोरेन की सरकार यदि विधान सभा चुनावों के पहले जाति जनगणना की प्रक्रिया पूरी कर आकड़े सार्वजनिक करेगी तो विधान सभा चुनाव का एजेंडा और चुनावी समीकरण एक नए फलक पर होगा. इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछले दस सालों की तुलना में बेहद ताकतवर है. कांग्रेस के नेता राहुल गांधी इस समय सामाजिक न्याय के नए योद्धा के तौर पर उभर कर सामने आएं हैं. इसका लाभ उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजों में उनके गठबंधन को भी मिला है. जाति जनगणना के बाद आरक्षण की सीमा बढ़ाने के कूनू को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मुग भी इंडिया गठबंधन की है. बिहार में आरक्षण सीमा कानून को रद्द करने के बाद इस मांग की प्रासंगिकता और केंद्र पर दबाव दोनों बढ़ गया है.

> कुछ ही महीनों बाद यूपीए की सरकार बदल गयी और भाजपा सत्ता में आ गयी. मोदी सरकार ने जाति आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों को पिछले दस सालों में सार्वजनिक नहीं किया, जबकि इसकी मांग उठती रही है.

सुभाषित

**यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा शास्त्रं तस्य करोति किम् ।
लोचनाभ्यांविहीनस्य दर्पणः किं करिष्यति ॥**

जिसके पास अपनी बुद्धि और अपना विवेक नहीं है, उसके लिए शास्त्र का कोई मतलब नहीं है. जिस प्रकार से अन्धे व्यक्ति के लिए दर्पण कुछ नहीं कर सकता, उसी प्रकार से विवेकहीन व्यक्ति के लिए शास्त्र भी कुछ नहीं कर सकते. इसलिए अपनी बुद्धि ओर विवेक ही महत्वपूर्ण हैं.

चौदह बरस बाद निशाने पर अरुंधति

सरकार का दावा है कि अब कश्मीर से आतंकवाद लगभग खत्म हो चुका है. शांति कायम है. कश्मीर में भी प्रगति और विकास की गंगा बह रही है! तब 14 साल पुराने मामले में कार्रवाई का क्या मतलब हो सकता है? यह दिखाना कि संख्या बल में कभी आने के बाद भी हमारे तेवर में कभी नहीं आई है, कि हम उसी तरह से एजेंसियों व कानूनों का दुरुपयोग करते रहेंगे, कि हम असहमति की आवाज को दबाते रहेंगे?एक जानकारी कि एलजी श्री सक्सेना गुजरात में सामाजिक गतिविधियों में लगे रहे हैं. एक एनजीओ से भी जुड़े रहे हैं.

• देश-काल

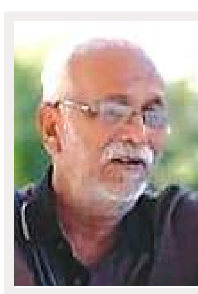

श्रीनिवास

प्रसिद्ध लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ दिल्ली के उप-राज्यपाल ने जिस मामले में मुकदमा चलाने के अनुमति दी है, वह 2010 में दिल्ली में हुए एक समारोह में दिये उनके भाषण से जुड़ा मामला है. आरोप है कि अरुंधति रॉय उस समारोह में कश्मीर के सवाल पर देश की आम धारणा के खिलाफ कुछ बोली थीं. उन्होंने जो भी कहा, उससे बहुतों को असहमति हो सकती है. उनके इस कथन से मैं भी सहमत नहीं हूं, मगर उस घटना के 14 साल बाद हुए यूएपीए जैसे कठोर (काले) कानून के तहत उन पर मुकदमा चलाने के फैसले का क्या औचित्य है, इसके पीछे क्या नीयत हो सकती है? 2010 के बाद 2014 तक केंद्र में यूपीए सरकार थी. माना जा सकता है- जैसा कि ये लोग कहते हैं कि वह तुष्टीकरण की नीति पर चलती थी, कि कश्मीर के बारे में उसका स्टैंड साफ नहीं था या देशहित के खिलाफ था. इसी कारण सुश्री रॉय पर मुकदमा चलाने की मंजूरी उस समय के एलजी- जो केंद्र के अनुरूप ही काम करते हैं, ने नहीं दी. पर 2014 में तो देश में राष्ट्रवादी सरकार आ गई. 56 इंच का सीना और मजबूत इरादों वाला प्रधानमंत्री आ गया और 'जूनियर' लौह पुरुष गृहमंत्री हैं, तब सरकार ने इस मामले को क्यों ठंडे बस्ते में डाले रखा? कोई खास वजह तो होनी चाहिए. क्यों अचानक सरकार को लगा कि अरुंधति रॉय का बाहर रहना ठीक नहीं है या उनको सबक सिखाना जरूरी है! गौरतलब है कि उन पर जिन धाराओं के तहत मुकदमा चलना है, उनमें समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने और देश में अराजकता फैलाने आदि आरोप हैं-कुल मिला कर राष्ट्रद्रोह. इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि पांच साल पहले धारा 370 हटाई गई. सरकार का दावा है कि अब कश्मीर से आतंकवाद लगभग खत्म हो चुका है. शांति कायम है. कश्मीर में भी प्रगति और विकास की गंगा बह रही है! तब 14 साल पुराने मामले में कार्रवाई का क्या मतलब हो सकता है? यह दिखाना कि संख्या बल में कभी आने के बाद भी हमारे तेवर में कभी नहीं आई है, कि हम उसी तरह से एजेंसियों व कानूनों का दुरुपयोग करते रहेंगे, कि हम असहमति की आवाज को दबाते रहेंगे? एक जानकारी कि एलजी श्री सक्सेना गुजरात में सामाजिक गतिविधियों में लगे रहे हैं. एक एनजीओ से भी जुड़े रहे हैं. जाहिर है कि उसका घोषित उद्देश्य जनहित के काम करना रहा होगा. मगर जानकारों के मुताबिक वे नर्मदा आंदोलन के मुद्दे पर मेधा पाटकर के खिलाफ अभियान चलाते रहे. सरदार सरोवर के निर्माण में हजारों लोग विस्थापन के शिकार हुए हैं. उनमें भी सबसे बड़ी संख्या में आदिवासी और दलित. मगर उनके अधिकार की बात करना संभवतः उनको भी विकास विरोधी कृत्य लगता होगा! 2002 के गुजरात दंगों में तो इन्हें मानवाधिकारों का कोई हनन नहीं ही दिखा होगा! हालांकि इस मामले में श्री सक्सेना पर निशाना साधने का कोई मतलब नहीं है. यह निर्णय तो केंद्र का है. वैसे इस खबर में कहीं यह नहीं कहा गया कि केंद्र सरकार ने मुकदमा चलाने की अनुमति दी. यही कहा गया कि दिल्ली के एलजी ने अनुमति दी! ऐसे या किसी मामले में एलजी या राजपाल क्या अपने विवेक से निर्णय करते हैं? नहीं. तो राज्यपाल का कंधा और बहाना क्यों! इस सवाल पर साक्षी जोशी के चैनल पर वाजिब सवाल पूछा है. अरुंधति रॉय पर इतना सन्नाटा क्यों? ऐसा नहीं है कि कोई नहीं बोल रहा, मगर मुख्य धारा के विपक्षी दलों के मुखर नेताओं की लगभग खामोशी अटपटी जरूर लगती है. अरुंधति राय या किसी के भी बेवजह उत्पीड़न के खिलाफ बोलने का मतलब उनके विचारों से सहमत होना नहीं होता. यह सीधे नागरिक के अधिकारों के पक्ष में खड़ा होना है. वैसे कश्मीर पर खुले मन से चर्चा में करने में हर्ज नहीं है. सरकार लाख दावा करे, कश्मीर के हालात सामान्य हैं, यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है. इस मामले में सोशल मीडिया पर आयी कुछ प्रतिक्रिया को देना चाहिए. अमिताव घोष (लेखक) ने लिखा है : 'अरुंधति रॉय का उत्पीड़न बिल्कुल अनुचित है. वह एक महान लेखिका हैं और उन्हें अपनी राय रखने का अधिकार है. एक दशक पहले कही गई उस बात के लिए उनके खिलाफ जो मामला लाया गया है, उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश होना चाहिए.' डॉ मीना कंदासामी लिखती हैं: '...मैं आशा करती हूं कि अरुंधति रॉय जैसी प्रिय और प्रतिष्ठित व्यक्ति की इस तरह की आलोचना पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के कारण मोदी शासन को पीछे हटना पड़ेगा.'महुआ मोइत्रा (सांसद, तृणमूल कांग्रेस) : 'अगर अरुंधति रॉय पर यूएपीए के तहत मुकदमा चला कर बीजेपी यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि वे वापस आ गए हैं, तो ऐसा नहीं है. और वे कभी भी वैसे वापस नहीं आएंगे जैसे वे थे. इस प्रकार का फासीवाद बिल्कुल वैसा ही है, जिसके खिलाफ भारतीयों ने वोट दिया है.'राजदीप सरदेसाई (पत्रकार) : 'दिल्ली एलजी ने यूएपीए के तहत 2010 के कथित नफरत भरे भाषण मामले में लेखक कार्यकर्ता अरुंधति रॉय के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे दी है. जो लोग नियमित रूप से चुनाव के समय धार्मिक जहर उगलते हैं, वे बच जाएंगे और असहमति की अग्रणी आवाज को 'राष्ट्र-विरोधी' करार दिया जाएगा! ऐसे दिनों में, हम और अधिक गणतंत्र की तरह दिखाई देते हैं!' जो भी हो, विपक्ष के शीर्ष नेताओं को इस मुद्दे पर अपना पक्ष खुल कर रखना ही चाहिए. चुप्पी का मतलब तो यही निकलेगा कि आप सरकार के इस कदम को गलत नहीं मानते!

अंत में : कुछ दिन बाद ही 26 जून को देश में इमरजेंसी को याद करने का सालाना कर्मकांड होगा. उसमें सत्ता पक्ष कांग्रेस और इंदिरा गांधी के उस दागदार अतीत को याद करते हुए लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा का डंका पीटेगा! यह और बात है कि जनता का बड़ा हिस्सा अब इस पाखंड को समझने लगा है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

किसकी प्रतीक्षा

एक संत ने अपनी दिनचर्या बना ली थी. वे प्रतिदिन नदी किनारे पहुंच जाते थे और नदी में बह रही जलधारा का निहारते रहते थे. शाम को सूर्यास्त होने के बाद वे अपने आश्रम में चले जाते थे. एक आदमी संत जी को बहुत दिनों से वैसा करते देख रहा था, लेकिन उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये संत यहां नदी के तट पर बैठ कर क्या करते हैं. एक दिन उसने उनसे सवाल कर ही दिया, "आप नदी के किनारे बैठे-बैठे क्या कर रहे हैं?" संत ने कहा, " इंतजार. इस नदी का जल पूरा का पूरा बह जाए इसका ही इंतजार कर रहा हूं." व्यक्ति ने कहा, "मेरी समझ में आपकी यह बात नहीं आयी. इस इंतजार का क्या मतलब है? आप कहते हैं कि आप इंतजार कर रहे हैं और वह भी पूरा पानी बह जाने का. सवाल है कि यह कैसे हो सकता है. नदी का पानी तो बहता ही रहता है और आगे भी बहता ही रहेगा. अगर आपकी बात मान लें कि सारा पानी अगर बह भी जाए तो, आप को क्या करना?" संत ने कहा, "मुझे उस पार जाना है, इसीलिए सारा पानी बह जाने का इंतजार कर रहा हूं. जब सारा जल बह जाएगा तो मैं चल कर उस पार जा पाऊंगा।" उस व्यक्ति ने ताना मारते हुए कहा, "आप मूर्खताभरी नासमझ बात कर रहे हैं, ऐसा तो हो ही नहीं सकता!!" तब संत ने मुस्कराते हुए कहा, ₹यह इंतजार करना मैंने तुम लोगों को देख कर ही सीखा है. तुम लोग भी हमेशा ऐसी मूर्खता भरे हठ पर टिके रहते हो कि यह समस्या खत्म हो जाये तो कोई अच्छा काम शुरू करूंगा. सोचते रहते हो कि जीवन मे थोड़ी बाधाएं कम हो जायें, कुछ समस्याएं ख़त्म हो जायें, अलाना-फलाना काम खत्म हो जाए तो सदाचरण, सेवा, साधना, सत्कार्य करेंगें!" व्यक्ति ने कहा, "बाबा कृपा कर आप स्पष्ट करें कि नदी की जलधारा और जीवन का क्या संबंध है?" संत ने कहा, "जीवन भी तो प्रवाहमान नदी के समान है. यदि जीवन में तुम यह आशा लगाए बैठे हो कि यह समस्या समाप्त हो जाये तो किसी अच्छे कार्य का श्रीगणेश करूं तो मैं इस नदी के पानी के पूरे बह जाने का इंतजार क्यों न करूं..?" अभी भी समय है, तृष्णा का अंत नहीं, जीवन के संतोषकाल या उत्तरकाल की प्रतीक्षा न करो, प्रमाद न करो. बनते सदाचरण, सत्कार्य, परहित, परोपकार को समय और श्रम दो. पता नहीं जीवनघट कब रीत जाए.....

अग्निवीर योजना पर हर पहलू से हो पुनर्विचार

• विमर्श

सी. उदय भास्कर

आम चुनाव-2024 का परिभाषित परिणाम यह है कि भारत का राजकाज सही मायने में गठबंधन सरकार चलाएगी, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, जो दो मुख्य सहयोगियों, जनता दल यूनाइटेड और तेलुगू देशम पार्टी के नाजुक समर्थन पर टिकी है. अतएव, मोदी सरकार-3 में शासन का स्वरूप और अवयव पिछले एक दशक में देखे गए रंग-ढंग जैसा नहीं होगा. राष्ट्रीय सुरक्षा-सैन्य ढांचे के मामले में बदलाव लाने की मांग पहले ही सामने आ चुकी है. जनता दल (यू) ने कहा है कि मोदी सरकार-2 में लागू की गई विवादित अग्निपथ योजना को पुनर्समीक्षा की जरूरत है. इस योजना के तहत सेना में फौजी (अग्निवीर) की भर्ती, छह महीने के प्रशिक्षण सत्र के बाद, चार साल के लिए होती है, इसके सेवा-नियम पूर्व में लागू पेंशन एवं संबंधित लाभों से एकदम अलग हैं, जो विगत में अफसर से निचले स्तर के फौजियों को 15 साल के सेवाकाल के बाद मिला करते थे. शपथ समारोह से पूर्व जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का बयान आया, 'अग्निपथ योजना को लेकर कुछ तबकों में रोष है. हमारी पार्टी चाहती है कि इसमें व्याप्त खामियों को दूर किया जाए'. जब वर्ष 2022 के मध्य में यह योजना लागू की गई थी, तब पेशेवर हलकों में इस बात को लेकर काफी नुक्ताचीनी हुई थी कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय का शायद एकतरफा निर्णय है. नई योजना के सूक्ष्म बिंदुओं पर न तो सेना के आला अफसरों से सलाह-मशविरा किया गया, न ही सांसदों के बीच इस पर विस्तृत विमर्श हुआ. दिसंबर, 2019 से अप्रैल, 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे ने विमोचन की प्रतीक्षा कर रही अपनी किताब में अग्निपथ बाबत मूल्यवान जानकारी दी है. वे कहते हैं कि उन्होंने तो थल सेना में अल्प-कालिक भर्ती के लिए 'टूअर-ऑफ-ड्यूटी' नामक एक प्रयोगात्मक योजना का प्रारूप सुझाया था, लेकिन 2022 में प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी नीति एकदम अलग स्वरूप वाली थी और इसको सेना के तीनों अंगों पर लागू कर दिया गया. यह भी कहा : 'हम थल सेना वालों को तो घटनाक्रम में आए इस मोड़ से सिर्फ हैरानी ही हुई, लेकिन नौसेना एवं वायु सेना के लिए तो यह अचानक चौंकाने वाली बात थी'. नियमानुसार चलने वाले लोकतंत्र की रिवायतों का तकाजा है कि यदि देश का राजनीतिक नेतृत्व कोई नीति संबंधी निर्णय लेता है तो सेना के सर्वोच्च अधिकारियों को उसका पालन करना पड़ता है, अग्निपथ योजना में यही हुआ. हालांकि इसकी पृष्ठभूमि में, प्रमाणित है कि मोदी सरकार-2 का यह फैसला मुख्यतः बजटीय कारणों को ध्यान रखकर लिया गया (पेंशन मद बचाना), और इसका असर सेना की लड़ाकू-दक्षता पर कितना होगा, इस पर विचार गौण था. अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा. जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है. गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है. यह तो बिहार में फौजी बनने के चाहवान युवाओं के बड़े वर्ग के गुस्से और हताशा को शांत करने के वास्ते है, क्योंकि अग्निपथ योजना फौजी वर्दी धारण करने का मौका उनसे छीनने के अलावा सरकारी पेंशन रूपी आर्थिक सुरक्षा से भी वंचित कर रही है. लोकसभा चुनाव से पहले चले प्रचार में, कांग्रेस और सपा के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने नई सैनिक भर्ती योजना पर अपने एतराज खुलकर जाहिर किए. लोकतांत्रिक स्वरूप वाली सरकारें वक्त के साथ अपनी नीतियों के सांचे में क्रमिक सुधार करती रहती हैं. भारत के मामले में, प्रत्येक प्रधानमंत्री- नेहरू और उनके बाद आने वाले-प्रधानमंत्री कार्यालय को और अधिक शक्तिशाली करते गए. लेकिन रिवायत रही कि संसद के भीतर, व विशेषकर विषय संबंधित संसदीय कमेटियों से सलाह-मशविरा किए जाने ने पारदर्शिता लाने और उद्देश्यपूर्ण समीक्षा एवं सर्वसम्मति की अनुमति के लिए मूल्यवान भूमिका निभाई. अब जबकि मोदी सरकार-3 का कार्यकाल शुरू हुआ है, यह सही होगा कि सांसदों और विषय विशेषज्ञों को पिछले दस सालों के दौरान किए गए बड़े बदलावों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा की अनुमति हो और भारत की समग्र सैन्य क्षमताओं की मौजूदा स्थिति के मद्देनज़र आकलन किया जाए. बीसी खंडूरी संसदीय कमेटी रिपोर्ट-2017 में सेना की साजो-सामान संबंधी जिन कमियों को गिनाया गया था, उन पर ध्यान देना अच्छी शुरुआत बन सकता है. अग्निपथ योजना के अलावा, आत्मनिर्भरता बनाकर आयात घटाने पर ध्यान देना एक अन्य प्रमुख आवश्यकता है.

> अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा. जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है. गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है.

आसान नहीं है भारत पाकिस्तान संबंधों की राह

• देशांतर

प्रमोद जोशी

विदेशमंत्री एस जयशंकर ने पिछले मंगलवार को अपना पदभार ग्रहण करते हुए कहा था कि हमारा ध्यान चीन के साथ सीमा-विवाद और पाकिस्तान के साथ बरसों से चले आ रहे सीमा-पार आतंकवाद की समस्याओं को सुलझाने पर रहेगा.उन्होंने कहा कि दुनिया ने देख लिया कि भारत में अब काफी राजनीतिक स्थिरता है. जहां तक चीन और पाकिस्तान का सवाल है, हमारे रिश्ते एक अलग सतह पर हैं और उनसे जुड़ी समस्याएं भी दूसरी तरह की हैं. 15 जून को गलवान की घटना के चार साल पूरे हो गए हैं, पर सीमा-वार्ता जहां की तहां है. उधर हाल में एक के बाद एक हुए आतंकी हमलों की रोशनी में लगता नहीं कि भारत सरकार, पाकिस्तान के साथ बातचीत का कोई कदम उठाएगी. माना जा रहा है कि इन हमलों के मार्फत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने संदेश दिया है कि हम भारत को परेशान करने की स्थिति में अब भी हैं. हाल में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनाव में इंजीनियर रशीद की जीत से भी वे उत्साहित हैं. उन्हें लगता है कि कश्मीर में हालात पर काबू पाने में भारत की सफलता के बावजूद अलगाववादी मनोकामनाएं जीवित हैं. फिलहाल देश की विदेश-नीति के फौरी लक्ष्यों में अमेरिका और यूरोप के देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित करने का काम शामिल है. इसकी शुरुआत इटली में हुई जी-7 बैठक से हो गई है, जहां प्रधानमंत्री की मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अलावा फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, यूक्रेन, ईयू और जापान के नेताओं से हुई है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार पद संभालने के बाद भारतीय पर्यवेक्षक चीन और पाकिस्तान से आए बधाई संदेशों के अर्थ निकालने का प्रयास भी कर रहे हैं. इन बयानों में केवल राजनीतिक सच्चाइयां ही देखी जा सकती हैं, पर रिश्ते केवल बयानों से तय नहीं होते हैं. उनकी भाषा से कुछ बातों के इशारे जरूर मिलते हैं.चीन से राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बधाई संदेश नहीं भेजा, बल्कि उनके स्थान पर प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने मुबारकबाद दी. इससे यह बात भी स्थापित होती है कि मोदी और शी चिनफिंग के बीच वैयक्तिक रिश्ते अब उस धरातल पर नहीं हैं, जो कुछ समय पहले तक होते थे. नवाज शरीफ ने अपने संदेश में 'मोदी जी' के साथ संबोधन की शुरुआत की, जिससे आत्मीयता झलकती है. उन्होंने लिखा, 'मोदी जी, तीसरी बार प्रधानमंत्री को पद संभालने पर मेरी हार्दिक बधाई. हालिया चुनावों में आपकी पार्टी की सफलता आपके नेतृत्व में लोगों के भरोसे को दर्शाती है. आइए हम नफरतों को उम्मीदों में बदलें और इस मौके का लाभ उठाते हुए दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों का भविष्य संवारें.' इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने लिखा, 'भारत के लोग हमेशा शांति, सुरक्षा और प्रगतिशील विचारों के पक्ष में खड़े रहे हैं. अपने लोगों का कल्याण और सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी.' मोदी के जवाब में उतनी आत्मीयता नहीं है, पर इतना साफ है कि व्यक्तिगत स्तर पर नवाज़ शरीफ के साथ उनके रिश्ते बेहतर है. इस बात को नवाज़ शरीफ भी समझते होंगे. भारत और पाकिस्तान के बीच घटनाक्रम नाटकीयताओं से बनता-बिगड़ता है. इसके दो उदाहरण हैं. 19 फरवरी, 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उसके कुछ महीनों के भीतर करगिल की घुसपैठ और फिर उसके बाद जनरल परवेज़ मुशर्रफ के साथ आगरा शिखर सम्मेलन. ऐसा ही नाटकीय घटनाक्रम 25 दिसंबर 2015 को हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान अचानक लाहौर में उतरा और उन्होंने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात की थी. जनवरी, 2016 से पाकिस्तान में सेना की मदद से ऐसे संगठन सक्रिय हैं, जिनका घोषित उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाना है. उनपर यदि पाकिस्तान सरकार काबू नहीं रख सकती है, तब उसके साथ रिश्ते सुधारने का मतलब क्या है? माना जाता है कि नवाज शरीफ की पहल इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि सेना उनके साथ नहीं थी. पिछले दो-ढाई दशक में रिश्तों में बड़े मोड़ तभी आए जब पीपीपी या पीएमएल-एन में से कोई पार्टी सत्ता में थी, या फिर मुशर्रफ-सरकार थी. 1997 में कम्पोज़िट डायलॉग की घोषणा हुई और 1999 में लाहौर बस यात्रा. मुशर्रफ के साथ आगरा शिखर-सम्मेलन और उसके बाद चार-सूत्री समझौते की सम्भावनाएं बनीं. दोनों देशों में बात संभव है, पर इस बार की पहल आसान नहीं होगी और उसके आगे-पीछे कई तरह की शर्तें लगी होंगी. अगस्त, 2019 के बाद से यह काम और मुश्किल हो गया है, क्योंकि पाकिस्तान ने बातचीत के लिए जो शर्तें रखी हैं, यकीनन उन्हें भारत की कोई सरकार स्वीकार नहीं कर पाएगी.

> आइए हम नफरतों को उम्मीदों में बदलें और इस मौके का लाभ उठाते हुए दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों का भविष्य संवारें.' इसके जवाब में नरेंद्र मोदी ने लिखा,'भारत के लोग हमेशा शांति, सुरक्षा और प्रगतिशील विचारों के पक्ष में खड़े रहे हैं. अपने लोगों का कल्याण और सुरक्षा हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी.'

मीडिया में अन्यत्र

कम हो सरकारी व्यय पर निर्भरता

महामारी के बाद के समय में सरकार का पूंजीगत व्यय वृद्धि का अहम कारक रहा है. यही वजह है कि उद्योग जगत से ऐसे सुझाव प्राप्त हुए हैं कि केंद्र सरकार को चालू वर्ष के आने वाले पूर्ण बजट में आवंटन और अधिक बढ़ाना चाहिए. बहरहाल, सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय की मदद से वृद्धि को गति देने की अपनी सीमाएं हैं. मुख्य तौर पर इसकी दो वजहें हैं. पहली वजह, सरकार को धीरे-धीरे राजकोषीय घाटे को कम करके प्रबंधनयोग्य स्तर पर लाना होगा. दूसरी बात, खपत के मामले में भी व्यवस्थित क्षमता की अपनी सीमा है. अधिक व्यापक तौर पर देखें तो बढ़ता पूंजीगत व्यय अपने आप में एक लक्ष्य नहीं होना चाहिए. पूंजीगत व्यय उत्पादन में इजाफा करेगा, लेकिन लाभ उस स्थिति में अधिक होंगे, जबकि परियोजनाओं का चयन गुणवत्ता और क्षमताओं के आधार पर किया जाए. ऐसे में संतुलन कायम करना जरूरी है. केंद्र सरकार जहां आवंटित राशि खर्च करती रही है, वहीं राज्य इसमें पीछे हैं. इससे खपत क्षमता की सीमाएं उजागर होती हैं. हाल ही में इसी समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा 25 राज्यों के प्रारंभिक आंकड़ों ने यह दिखाया कि 2023-24 में उन्होंने बजट में आवंटित कुल पूंजीगत व्यय में से 84 फीसदी खर्च किया. केवल चार राज्य ही लक्ष्य को पार कर सके. विशेषज्ञों का कहना है कि कमी की एक वजह व्यवहार्य परियोजनाओं की अनुपलब्धता भी हो सकती है. दूसरा कारण यह है कि राज्य वित्त वर्ष के अंत तक राशि जारी करने की प्रतीक्षा करते हैं जिससे परिणाम प्रभावित होते हैं. ऐक्सिस बैंक के अर्थशास्त्रियों के एक हालिया नोट में इस बात को रेखांकित किया गया कि क्रियान्वयन के स्तर पर जोखिम हो सकता है. राज्यों का वास्तविक पूंजीगत व्यय बीते दो वित्त वर्षों के संशोधित अनुमानों की तुलना में लगभग 10-15 प्रतिशत कम था. कमी की एक वजह पूंजीगत व्यय आवंटन में अच्छा खासा इजाफा भी हो सकती है. ऐसे में जरूरत है कि राजकोषीय हस्तक्षेप और अपेक्षाओं में संतुलन कायम किया जा सके. समस्त राजकोषीय नतीजों के संदर्भ में उपरोक्त शोध नोट जिसमें सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 95 फीसदी का योगदान देने वाले 20 बड़े राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गौर किया गया है, उससे पता चलता है कि इन राज्यों ने चालू वर्ष में जीडीपी के 3.2 फीसदी तक के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है. बहरहाल, अतीत में वास्तविक घाटे के संशोधित आंकड़े से कम रहने के रुझान को देखते हुए अंतिम आंकड़ा जीडीपी के 2.8 फीसदी के करीब रह सकता है. इसके अलावा चूंकि राज्यों के घाटे में केंद्र सरकार द्वारा दिया गया ऋण भी शामिल होता है इसलिए सामान्य सरकारी घाटे में जीडीपी के 2.5 फीसदी तक का इजाफा होगा. पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के लिए राजकोषीय प्रबंधन चुनौतीपूर्ण बना रहेगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

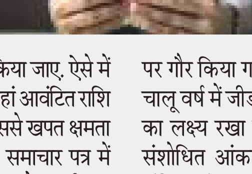

शब्द चर्चा
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

में/पर

जगन भाई अक्सर यह कहते हुए पाये जाते हैं-मैं कोई लाग-लपेट नहीं रखता. जो भी बात होती है मुंह में कह देता हूं. मगन भाई भी कहते हैं- किसी की पीठ पीछे बात करना ठीक नहीं होता. अगर हिम्मत है तो मुंह में कहिए. भाषा के जानकारों को ऐसे वाक्य खटकते हैं. कोई भी बात मुंह पर कही जा सकती है, न कि मुंह में, लेकिन धीरे से किसी को कोई गोपनीय बात बतानी हो तो उसके कान में बात कही जाती है, कान पर नहीं. में और पर के सही प्रयोग नहीं होने पर वाक्य हास्यास्पद हो जाता है, जैसा कि जगन और मगन भाई के साथ हो रहा है. वैसे किसी भी शब्द का प्रयोग वक्ता के बुद्धि-विवेक पर निर्भर करता है, लेकिन यदि व्याकरण सम्मत प्रयोग होता है तो उस शब्द की सार्थकता और महत्ता और भी बढ़ जाती है. में और पर के सही प्रयोग के लिए इन्हें समझना आवश्यक है. 'में' और 'पर' अधिकरण कारक की विभक्ति हैं. जिस शब्द से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं. जैसे – पानी में मछली रहती है. इस वाक्य में 'पानी में' अधिकरण है, क्योंकि यह मछली के आधार पानी का बोध करा रहा है. अधिकरण के हिन्दी पर्याय 'में', 'पर' हैं. जैसे-भंवरा फूलों पर मंडरा रहा है. कमरे में टीवी रखा है. सड़क पर बस दौड़ रही है. नदी में जल की धारा बह रही है. इन वाक्यों में 'फूलों पर', 'सड़क पर', 'नदी' में और 'कमरे में' अधिकरण है. 'में' और 'पर' को अंग्रेजी के 'इन' और 'ऑन' से भी समझा जा सकता है. 'में' यानी 'इन', 'पर' यानी 'ऑन'. इन शब्दों का प्रयोग किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो किसी विशिष्ट स्थान के अंदर स्थित है. ऑन शब्द का प्रयोग किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो किसी अन्य चीज़ की सतह को छू रही हो.

भाइयो-बहनो, हम चुनाव जीत गया हूं!

• तीर-तुक्का

शैलेंद्र चौहान

भाइयो-बहनो, हम चुनाव जीत गया हूं. आप सब लोग का आभारी हूं. हां, तो हम कह रहा था-दो बार हमको जेल जाने की बात सुनकर लूटाराम बहुत खुश हो गये. चहकते हुए बोले-"बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया ! भाया, तू ये सब सच बोल रहा है न?" "जी झूठ बोलने से फायदा ही क्या है ? फिर आजकल तो ऐसी बहादुरी वाली चीजें प्रेस्टिज बढ़ाती हैं." लूटाराम उठा उसने मुझे गले लगा लिया, बोला "तुम तो बहुत काम के आदमी हो. अब इतनी देर खड़े भी मत रहो कि पैर ही दुखने लगें. आओ बैठो, चुनाव की रणनीति तय करते हैं." "चुनाव की रणनीति!" हां, क्या तुम्हें पता नहीं कि विधान सभा चुनाव होने वाले हैं ? मैंने एक नई क्षेत्रीय पार्टी बनाई है लूटाराम धंधा पार्टी यानी एलडीपी, राजनीति से अच्छा धंधा इस देश में कोई दूसरा है ही नहीं. समझ गए न! हमारा चुनाव चिह्न है "चाकू", जिसके खौफ से सब भोटर डरेंगे. वैसे हमने मांगा तो था पिस्तौल पर चुनाव आयोग ने दिया ही नहीं. तुम सदर क्षेत्र से एलडी पार्टी के उम्मीदवार होओगे." हम तो बड़ा खुश हुआ जी यह सुनकर. कहां तो पनवाड़ी ने भी अपनी दुकान के आगे खड़े होने से मना कर दिया था, कहां मान्यवर लूटाराम जी ने हमें अपनी पार्टी से चुनाव का टिकिट दे दिया. हमारी पार्टी में पूरा लोकतंत्र है. मान्यवर लूटाराम जी इस पार्टी के एकमात्र आजीवन अध्यक्ष हैं. सभी उम्मीदवारों की उनमें घनघोर आस्था है. उनके पास दस हजार लूट सैनिक हैं. हम झूठे वायदे नहीं करते, हम जो कहते हैं, वही करते हैं. न हम देश की भलाई की बात करते हैं, न जनता की. हम मात्र अपनी भलाई की बात करते हैं. हम धर्मनिरपेक्षता की बात नहीं करते क्योंकि हम जानते हैं. धर्मनिरपेक्षता का मतलब, धार्मिक भावनाओं को भड़का कर वोट लेने से होता है. हम अपराध मिटाने की बात नहीं करते क्योंकि जो अपराध मिटाने की बातें करते हैं वे ही अपराधियों को धड़ल्ले से टिकिट देते हैं. उनकी कमाई अपराधियों से ही होती है. हम भ्रष्टाचार मिटाने की भी बात नहीं करते, इससे अच्छा तो दुनिया में कोई कर्म है ही नहीं. इसलिए हे जनता- जनार्दन सुनो! हमारी कर-खुली प्रार्थना है कि जो लोग कदम-कदम पर झूठ बोलते हैं, छल करते हैं, काले को सफेद और सफेद को काला कहते हैं, यदि उन्हें आप लोग वोट दे सकते हैं तो हम जो सच बोलते हैं, सफेद को सफेद और काले को काला कहते हैं, उन्हें आप वोट क्यों नहीं देंगे? तो अब जब आपने हमें जिताया है तो हम जी जान से देश सेवा करेंगे आखिर हम सच्चे देश प्रेमी जो हैं. अब देखिये कितना फायदा वाला बात हुआ. बताते हैं कि हैंग असिम्बली हो गया. अब हम पक्का मंत्री बनूंगा और आप लोगन का पूरा बंटाधार करूंगा. जय जनता, जय नेता.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था. योग दिवस को मनाए जाने का प्रस्ताव सबसे पहले भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधन में किया था. इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इस बारे में एक प्रस्ताव लाकर 21 जून को इंटरनेशनल योग डे मनाने की घोषणा की. इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ है.

अरविंद जयतिलक

एक अनुमान के मुताबिक आज तकरीबन 25 करोड़ लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जुड़ेंगे. यह भारत के लिए गौरव का क्षण है. इसलिए कि योग के विज्ञान की उत्पत्ति भारत में हुई है. हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि योग भारत की देन है.

कर्मसु कौशलम्

भारतीय ग्रंथों में योग परंपरा का विस्तृत उल्लेख है. योग विद्या में भगवान शिव को आदि योगी कहा गया है. योग शब्द की उत्पत्ति जन्म संस्कृत शब्द युज से हुआ है. इसका अर्थ है स्वयं के साथ मिलन. महर्षि पतंजलि को योग का प्रणेता कहा जाता है. सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष एवं प्रकृति के पार्थक्य को स्थापित कर पुरुष का स्व स्वरुप में अवस्थित होना ही योग है. विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिल नही योग है. भगवद्गीता के अनुसार दुख-सुख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र और शीत-उष्ण इत्यादि द्वंदों में समभाव रखना ही योग है. आचार्य हरिभद्र के अनुसार मोक्ष से जोड़ने वाले सभी व्यवहार योग हैं. गार्गी द्वारा छांदोग्य उपनिषद में भी योगासन के बारे में कहा गया है. महाभारत के शांतिपर्व में भी योग का विस्तृत उलेख है. भारत में उपलब्ध उपषिदों और योग वशिष्ठ में भी योग के बारे में जानकारी मिलती है. योगऋषि पतंजलि के उपरांत अन्य-अनेक भारतीय ऋषियों एवं योगाचार्यों ने योग की परंपरा को आगे बढ़ाया. स्वामी विवेकानंद ने शिकागो के धर्म संसद सम्मेलन में अपने ऐतिहासिक भाषण के जरिए संपूर्ण विश्व को योग की महत्ता से सुपरिचित कराया. महर्षि महेश योगी, परमहंस योगानंद और रमण महर्षि जैसे अनेक पुरोधाओं ने भी योग से पश्चिमी दुनिया को प्रभावित किया.

स्वीकारोक्ति सभी की

यह योग की बड़ी उपलब्धि है कि उसके शास्त्रीय स्वरुप, दार्शनिक आधार और सम्यक स्वरुप को किसी अन्य धर्म ने नकारा नहीं है. गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने एक स्थान पर कहा है कि योगः कर्मसु कौशलम्' अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है. गीता में कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग की विशद् मीमांसा की गयी है. बौद्ध धर्म में कहा गया है कि कुशल चितैकग्गता योगः अर्थात कुशल चित् की एकाग्रता ही योग है. दूसरी शताब्दी के जैन पाठ तत्वार्थसूत्र के अनुसार योग मन, वाणी और शरीर सभी गतिविधियों का कुलयोग है. भारतीय दर्शन में, षड् दर्शनों में से एक का नाम योग है. भारत में योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का काम होता है. योग शब्द भारत से बौद्ध धर्म के साथ चीन, जापान, तिब्बत, दक्षिण-पूर्व एशिया और श्रीलंका में फैला. सूफी संगीत के विकास में भारतीय योग अभ्यास का काफी प्रभाव है, जहां वे दोनों शारीरिक मुद्राओं आसन व प्राणायाम को अनुकूलित किया है. प्राचीन काल में योग की इतनी अधिक महत्ता थी कि 11 वीं शताब्दी में भारतीय योगपाठ अमृतकुंड का अरबी व फारसी भाषाओं में अनुवाद किया गया. आज दुनिया के सभी देशों में योग की स्वीकार्यता बढ़ी है. चीन, सिंगापुर से लेकर अमेरिका तक में लाखों की संख्या में लोग योगासन कर रहे हैं. चीन में हाल के वर्षों में योग बड़े पैमाने पर लोकप्रिय हुआ है.

तन-मन की शांति

चिकित्सकों की मानें तो योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर हो रहा है बल्कि मन व मस्तिष्क को शांति भी पहुंच रही है. योग के जरिए दिमाग और शरीर की एकता का समन्वय होता है. योग संयम से विचार व व्यवहार अनुशासित होता है. योग की सुंदरताओं में से एक खूबी यह भी है कि बूढे.या युवा, स्वस्थ या कमजोर सभी के लिए योग का शारीरिक अभ्यास लाभप्रद है. योगाभ्यास से रोगों से लड़ने की शक्ति में वृद्धि होती है. त्वचा पर चमक बनी रहती है और शरीर स्वस्थ, निरोग व बलवान रहता है तथा अंतश में शांति का उद्भव होता है. भारतीय योग और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है. सच कहें तो आध्यामिक उन्नति या शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता एवं महत्व को प्रायः सभी दर्शनों एवं भारतीय धार्मिक संप्रदायों ने एकमत से स्वीकार किया है. चूंकि योग एक वैज्ञानिक व प्रमाणिक पद्धति है इसलिए न तो अत्यधिक साधनों की जरुरत पड़ती है और न ही अत्यधिक धन खर्च करना पड़ता है. इसके अलावा आधुनिक युग में योग की बढ़ती स्वीकार्यता का एक कारण यह भी है कि लोगों के जीवन में व्यस्तता एवं व्यग्रता का विस्तार हुआ है. अंग्रेजी दवाओं के इस्तेमाल से शरीर में कई किस्म की बीमारियां फैल रही हैं. जबकि दूसरी ओर योगाभ्यास से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना नगण्य है.

यूनेस्को की धरोहर

भारत के लिए गर्व की बात है कि योग को संयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन 'यूनेस्को' ने भी अपनी प्रतिष्ठित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल कर लिया है. उल्लेखनीय है कि यूनेस्को के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के दायरे में मौखिक परंपराओं और अभिव्यक्तियों, प्रदर्शन कलाओं, सामाजिक रीतियों-रिवाजों और ज्ञान इत्यादि को रखा जाता है. चूंकि अभी तक योग को खेल की विधा माना जाता था, इसलिए इसे अब तक इस सूची में शामिल होने का मौका नहीं मिला था. लेकिन जब भारत सरकार द्वारा योग को दुनिया भर में स्थापित करने का प्रयास तेज हुआ और संयुक्त राष्ट्र को योग की सार्वभौमिक महत्ता से जुड़े प्रमाणिक दस्तावेज भेजा गया तो इथियोपिया के अदिस अबाबा में हुई संयुक्त राष्ट्र की इंटरगर्वनमेंटल समिति ने भारत के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी. उल्लेखनीय है कि योग से पहले भारत की 12 धरोहरें यूनेस्कों की सूची में शामिल हो चुकी हैं-जैसे छऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध भिक्षुओं का मंत्रोच्चारण, संकीर्तन-मणिपुर में गाने-नाचने की परंपरा, पंजाब में ठठेरों द्वारा तांब व पीतल के बर्तन बनाने का तरीका और रामलीला इत्यादि.

वर्ष 2024 की थीम

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम है "स्वयं और समाज के लिए योग.

योग के आसन कब करें?

सुबह या शाम कभी भी योग के आसन किए जा सकते हैं, लेकिन इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि भरपेट खाना खाने के 3-4 घंटे बाद ही योग करें. हल्का स्नैक्स लिया है या जलपान किया है, तो भी घंटे भर बाद ही योग आसन करें. चाय, छाछ या तरल चीजें लेने के आधे घंटे का विश्राम लें. केवल पानी पिया है तो पीने के 10-15 मिनट बाद आसन करें.

कौन कर सकता है योग?

योग करने की न्यूनतम आयु 3 साल है. 12 साल तक के बच्चों को हल्के योगासन और प्राणायाम करना चाहिए. इस उम्र तक के बच्चे को कठिन आसन और क्रियाएं नहीं करने की सलाह दी जाती है. गर्भावस्था में भी मुश्किल आसन, कपालभाति आदि नहीं करने की चेतावनी दी जाती है. इसी तरह महिलाएं पीरियड्स के दौरान योग न करें तो बेहतर. अगर नॉर्मल डिलिवरी से बच्चे को जन्म दिया है तो 3 महीने बाद तक योग नहीं करें. अगर ऑपरेशन से बच्चे को जन्म दिया है तो ऑपरेशन के 6 महीने बाद तक योग न करें. इसके अलावा कमर दर्द हो तो आगे न झुकें. हालांकि इस अवस्था में विशेषज्ञ की सलाह से पीछे झुका जा सकता है. अगर हर्निया हो तो पीछे न झुकें. अगर आप दिल से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं तो योगासन शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें.

कहां और कैसे करें

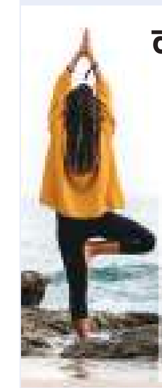

योग करने की सबसे बेहतर जगह है खुले में ताजी हवा के बीच योग करना. पर हमेशा ऐसा संभव नहीं हो पाता. ऐसे में योग आप कहीं भी कर सकते हैं, पर कोशिश करें कि वहां जरा शांत माहौल हो. चाहें तो मन को शांत करने वाला संगीत हल्की आवाज में चला सकते हैं.

यह तैयारी जरूरी

जमीन पर योग मैट, दरी या कालीन बिछाएं और तब योग करें. योग करते समय थोड़े ढीले सूती के कपड़े पहनें. टी-शर्ट व ट्रैक पैंट आदि में भी योग किया जा सकता है.

ये बातें भी काम की

- जब हम आंखें बंद कर योगासन करते हैं तो इससे योग और भी प्रभावशाली हो जाता है. ध्यान शरीर के उन हिस्सों पर लगाना चाहिए, जहां आसन का असर हो रहा है, जहां दबाव पड़ रहा है. याद रखिए कि जब भाव के साथ हम योग करेंगे तो प्रभाव जल्दी और ज्यादा महसूस होगा.
- योग में सांस लेने और छोड़ने की बहुत अहमियत है. इसका सीधा फंडा है : जब भी शरीर फैलाएं, पीछे की तरफ जाएं, सांस भरते हुए करें और जब भी शरीर सिकुड़े या आगे की ओर झुकें, सांस छोड़ते हुए झुकें. सांस नाक से लें, मुंह से नहीं.
- योग करते हुए शरीर को शिथिल रखें और झटके से बचाएं. झटके से आसन न करें. उतना ही करें, जितना आसानी से कर पाएं. धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं.
- योग को हमेशा ध्यान और मौन से करना. थकावट, बीमारी और जल्दबाजी में योग न करें. योग के 30 मिनट बाद स्नान करना चाहिए और 30 मिनट बाद ही कुछ खाना चाहिए, उससे पहले नहीं. योग का नतीजा आने में वक्त लगता है. ऐसे में नतीजे को लेकर जल्दबाजी न करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अष्टांग योग : ये हैं मुक्ति के आठ द्वार

योग का अर्थ है जुड़ना. मन को वश में करना और वृत्तियों से मुक्त होना योग है. सदियों पहले महर्षि पतंजलि ने मुक्ति के आठ द्वार बताए, जिन्हें हम 'अष्टांग योग' कहते हैं. मौजूदा दौर में हम अष्टांग योग के कुछ अंगों जैसे आसन, प्राणायाम और ध्यान को ही जान पाए हैं. आइए, आज हम जानें कि क्या हैं योग के ये आठ अंग-

1. **यम :** यम शब्द से ही बना है संयम यानी मर्यादित आचरण-व्यवहार. यम के पांच अंग हैं. प्रथम है अहिंसा. अर्थात मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न पहुंचाना. द्वितीय अंग है सत्य यानी भ्रम से परे सच का ज्ञान. तृतीय है अस्तेय यानी नकल या चोरी का अभाव. चतुर्थ है ब्रह्मचर्य. इसका तात्पर्य है चेतना को ब्रह्म तत्व से एकाकार रखना. यम का पंचम और आखिरी अंग अपरिग्रह है जिसका मतलब है संग्रह या संचय का अभाव.

2. **नियम :** योग का प्रमुख अंग है नियम. नियम के पांच अंग हैं. प्रथम शौच यानी आंतरिक और बाहरी सफ़ाई. द्वितीय संतोष यानी जो है उसे ही पर्याप्त मानना. तृतीय तप जिसका मतलब है स्वयं को तपाकर असत को जलाना. नियम का चौथा अंग स्वाध्याय माना गया है जिसका तात्पर्य है आत्मा-परमात्मा को समझने के लिए अध्ययन. पांचवा व अंतिम अंग है ईश्वर प्रणिधान यानी अंह का त्याग कर ईश्वर के प्रति समर्पण.

3. **आसन :** इन दिनों योग के इस अंग से हम सबसे अधिक वाकिफ हो रहे हैं. ध्यान देने वाली बात यह है कि आसन महज शारीरिक कसरत या लचीलापन नहीं है. महर्षि पतंजलि इसकी अवस्था को बताते हुए कहा था- स्थिरं सुखम् आसन. म्यानी शरीर की स्थिरता और मन के तल पर आनंद और सहजता ही आसन है. अगर आप इन दो स्थिति को नहीं पाते, तो आप आसन में नहीं हैं.

4. **प्राणायाम :** प्राणायाम का मतलब है शरीर में सूक्ष्म प्राण शक्ति को विस्तार देने की साधना.योग याज्ञवल्क्य संहिता में प्राण (आती सांस) और अपान (जाती सांस) के प्रति सजगता के संयोग को प्राणायाम बताया है. सांस की डोर से हम तन-मन दोनों को साध सकते हैं. हठयोग ग्रंथ कहता है "चले वाते, चलं चित्तं यानी तेज़ सांस होने से हमारा चित्त-मन तेज़ होता है और सांस को लयबद्ध करने से चित्त में शांति आती है." सांस के प्रति सजगता से सिद्धार्थ गौतम ने बुद्धत्व को साधा. वहीं, गुरु नानक ने एक-एक सांस की पहरेदारी को परमात्मा से जुड़ने की कुंजी बताया.

5. **प्रत्याहार :** प्रत्याहार शब्द प्रति और आहार से बना है यानी इंद्रियां जिन विषयों को भोग रही हैं यानी उनका इंद्रियों की निरंतर दौड़ हमें ऊर्जाहीन करती है. इंद्रियों की दौड़ को त्याग कर मगन रहना प्रत्याहार है.

6. **धारणा :** चित्त का एक जगह टिक जाना ही धारणा है. धारणा मन को एकाग्र करने की साधना है.
इसके कई स्वरुप हैं जैसे प्राण-धारणा यानी सांस पर ध्यान केंद्रित करना, ज्योति या बिंदु त्राटक आदि. धारणा दरअसल ध्यान से पहले की स्थिति है.

7. **ध्यान :** ध्यान वो अवस्था है जहां कर्ता, विधि या प्रक्रिया सब कुछ समाप्त हो जाती है, बस एक शून्यता होती है. जब धारणा लगातर बनी रह जाती है तो ध्यान घटित होता है.

8. **समाधि :** योग याज्ञवल्क्य संहिता में जीवात्मा और परमात्मा की समता की अवस्था को समाधि कहा गया है. वहीं महर्षि पतंजलि कहते हैं कि जब योगी स्वयं के वास्तविक स्वरुप (सत चित् आनंद स्वरुप) में लीन हो जाता है तब साधक की वह अवस्था समाधि कहलाती है.

सच्ची शांति और आनंद दिलाता है क्रिया योग

यद्यपि "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" समारोह वैश्विक कैलेंडर का एक अभिन्न अंग बन गया है- विशेष रूप से भारत में- तथापि इसका वास्तविक महत्व हमारी आत्माओं में निहित है.

योग का सहज अर्थ है "ईश्वर के साथ मिलन" अर्थात् वह सच्चा मिलन है जो सभी आत्माएं स्वाभाविक ढंग से खोज रही हैं. सम्पूर्ण विश्व के अधिकांश लोगों ने "योग" के बारे में सुना है, परन्तु उनमें से अधिकांश लोग अभी भी योग को शारीरिक व्यायाम या योगासन, अर्थात् हठयोग, के रूप में ही जानते हैं. वस्तुतः योग और भी बहुत कुछ है, जिसे समझने और अभ्यास करने की आवश्यकता है.

प्रसिद्ध आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थ "योगी कथामृत" के लेखक परमहंस योगानन्द एक अग्रणी भारतीय गुरु थे, जिन्होंने योग के सही अर्थ के बारे में सत्य की खोज करने वालों को शिक्षा प्रदान करने के लिए पश्चिमी जगत की यात्रा की. जो लोग जीवन का सच्चा अर्थ खोज रहे हैं, उन सभी व्यक्तियों के लिए "कार्य योजना" के एक अभिन्न अंग के रूप में परमहंसजी द्वारा ध्यान के अभ्यास पर बल देना सामयिक के साथ-साथ कालातीत भी था. योगानन्द ने जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य, आत्म-साक्षात्कार अर्थात् ईश्वर के साथ एकता, की प्राप्ति के लिए आध्यात्मिक प्रयास को एकमात्र उपाय बताया. स्वयं उनके गुरु, स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि की यह प्रसिद्ध उक्ति है, "यदि आप अभी आध्यात्मिक प्रयास कर रहे हैं तो भविष्य में सब कुछ सुधर जाएगा!"

योगानन्द द्वारा उनकी पुस्तक "योगी कथामृत" में वर्णित परम सत्य की प्राप्ति की दिशा में प्रगति करने के लिए ईश्वर के प्रत्येक साधक को चरणबद्ध वैज्ञानिक प्रविधि का अभ्यास करना आवश्यक है.

क्रियायोग योग का उच्चतम स्वरूप है. योगानन्द ने ईश्वर-सम्पर्क की प्राप्ति के लिए मानव जाति को ज्ञात सर्वाधिक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में इसी विशिष्ट वैज्ञानिक मार्ग का अनुसरण करने पर बल दिया है. क्रियायोग में कुछ विशिष्ट वैज्ञानिक प्रविधियों का समावेश है, जो अभ्यासकर्ता को न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में सक्षम

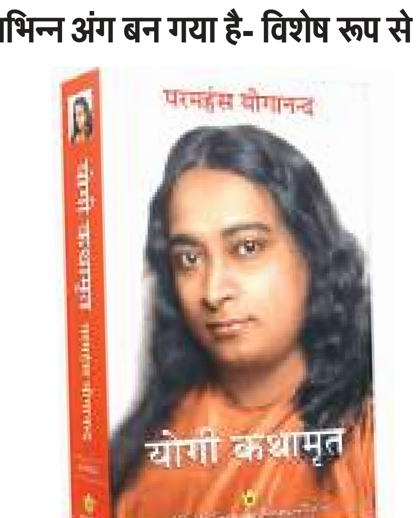

बनाती हैं, अपितु इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह "योगी" को अन्ततः सच्ची शान्ति और आनन्द प्राप्त करने में भी सक्षम बनाती है, जो हमारे अन्तर में ईश्वर की विद्यमानता का स्पष्ट संकेत हैं.

योगानन्द ने अपने पौर्वात्य और पाश्चात्य अनुयायियों को यह बताया कि प्रत्येक व्यक्ति क्रियायोग मार्ग का अभ्यास कर सकता है और यह मार्ग निश्चित रूप से अस्तित्व के उच्चतम जगतों का एक प्रवेशद्वार है. उन्होंने कुछ प्रारम्भिक प्रविधियों के साथ-साथ "आदर्श-जीवन" दर्शन के बारे में भी विस्तार से बताया है जो क्रियायोग ध्यान के उच्चतम द्वार की ओर ले जाने वाले के लिए आवश्यक उपाय हैं. भगवान श्रीकृष्ण ने भी श्रीमद्भगवद्गीता में दो बार क्रियायोग का अत्यंत सुन्दर शब्दों में उल्लेख किया है. लाखों लोग क्रियायोग को उसकी सभी अभिव्यक्तियों के साथ अपनी जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं. तथापि, जैसा कि स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि के गुरु लाहिड़ी महाशय ने बल दिया था, क्रियायोग का वास्तविक लाभ इसके सच्चे अभ्यास में निहित है. हमारे अस्तित्व के उच्चतर स्तरों का स्वर्णिम प्रवेशद्वार क्रियायोग प्रविधि के सार्थक और नियमित अभ्यास के द्वारा संचालित होता है.

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) योगानन्द द्वारा सन् 1917 में स्थापित एक आध्यात्मिक संस्था है. वाईएसएस द्वारा योगानन्द की विशाल शिक्षाओं की गहन अन्तर्दृष्टि का प्रसार पुस्तकों, मुद्रित पाठमाला और अन्य माध्यमों से जारी है. हाल के दशकों में भारत और सम्पूर्ण विश्व में क्रियायोग मार्ग का अनुसरण करने वाले साधकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है.

जैसा कि हाल ही में वाईएसएस के रांची आश्रम में आयोजित "'साधना संगम" में एक युवा साधक ने कहा, "योगानन्द की शिक्षाओं और क्रियायोग मार्ग की खोज से मेरा जीवन परिवर्तित हो गया है."

- विवेक अत्रे

महान तेज गेंदबाज कर्टली एंबरोज ने कहा- बुमराह को अपने एक्शन में किसी बदलाव की जरूरत नहीं

जसप्रीत बुमराह का मुरीद हूं, उसके एक्शन में कोई दिक्कत नहीं : एंबरोज

भाषा। ब्रिजटाउन

- दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार बुमराह ने पिछले साल मार्च में कमर की तकलीफ के कारण सर्जरी कराई थी

वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कर्टली एंबरोज भारत के जसप्रीत बुमराह के प्रशंसक हैं और वह नहीं चाहते कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे क्योंकि उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज चोटिल होने के जोखिम के साथ ही मैदान पर उतरता है. इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार बुमराह ने पिछले साल मार्च में कमर की तकलीफ के कारण सर्जरी कराई थी. लंबे रिहैबिलिटेशन (स्वास्थ्य लाभ) के बाद उन्होंने नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप के जरिये वापसी की और तब से शानदार फॉर्म में हैं. एंबरोज ने पीटीआई को फोन पर दिये इंटरव्यू में कहा कि गंभीर चोट नहीं होने की दशा में बुमराह को अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए. मैं जसप्रीत बुमराह का बड़ा प्रशंसक हूं. जब से मैंने उसे पहली बार देखा है. वह गैर पारंपरिक गेंदबाज है लेकिन बेहद प्रभावी है और मुझे यही पसंद है. उसने भारत के लिये सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है. मैं कुछ साल पहले उससे मिला था जब भारतीय टीम एंटीगा में खेल रही थी. उसकी गेंदबाजी देखने में मजा आता है क्योंकि वह इतना अलग है. बुमराह की गेंदबाजी एक्शन से उनकी कमर पर काफी दबाव पड़ता है लेकिन एंबरोज का मानना है कि हर तेज गेंदबाज को इस तरह के जोखिम से गुजरना पड़ता है. उन्होंने कहा, मेरा अनुभव यही है कि दो गेंदबाज कभी एक जैसे नहीं होते . गेंदबाजों में समानता हो सकती है लेकिन वे बिल्कुल एक से नहीं होते. सभी की शैली जुदा होती है . हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा रहता है और यह सभी को पता होता है.

आपको अपना काम पूरी क्षमता के साथ करना होता है. फिर जो होगा, होगा . अगर उसे कोई गंभीर चोट लगती है तो ही उसे अपने एक्शन में बदलाव करना चाहिये.

एंबरोज ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काफी खेला जाने लगा है जिसका खेल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है. इतना ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है. एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग . यह रोमांचक है लेकिन इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है. एंबरोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है लेकिन उनका मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं. मैंने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को तरजीह दी है. मैंने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है, लेकिन मेरे लिये वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है. टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है. अपने करियर के आखिर में आप लीजैंड तभी कहलायेंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो.

रोहित शर्मा मेरे प्रेरणास्रोत : साहिल चौहान

मुंबई। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाने वाले एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने कहा कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा उनके प्रेरणास्रोत हैं. भारत में जन्मे ने चौहान ने साइप्रस के खिलाफ सोमवार को हुए मैच में केवल 27 गेंद पर शतक जड़कर क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा था जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में 30 गेंद पर शतक बनाया था. इसके साथ ही उन्होंने नामीबिया के जान निकोल लॉफ्टी-ईटन का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक (33 गेंदों पर) का रिकॉर्ड भी तोड़ा.

इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने 41 गेंदों पर नाबाद 144 रन की तूफानी पारी खेलते हुए 18 छक्के और छह चौके लगाए. फैनकोड के अनुसार चौहान ने कहा, मैं रोहित शर्मा का बड़ा प्रशंसक हूं. वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं और कभी

दबाव में नहीं रहते हैं. परिस्थितियां कैसी भी हो वह अपने हिसाब से बल्लेबाजी करते हैं. मैंने उनसे काफी कुछ सीखा. उनका हुक शॉट मेरा पसंदीदा है. चौहान हरियाणा के रहने वाले हैं और वह खुश हैं कि उन्हें एस्टोनिया में क्रिकेट खेलने का मौका मिला. उन्होंने कहा, मैं अपने अंकल के कारण एस्टोनिया आया. उनका यहां रेस्तरां है, जिसमें मैं काम करता हूं. मैंने 2019 के बाद यहां क्रिकेट खेलना शुरू किया. मैंने गूगल से टीमों के नंबर लिए और फिर उनसे संपर्क करके यहां अपनी क्रिकेट यात्रा की शुरुआत की.

ब्रीफ खबरें

युगांडा के कप्तान ने कप्तानी छोड़ी

कम्पाला। युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के ग्रुप चरण में अभियान खत्म होने के बाद स्वदेश लौटने पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया. युगांडा की टीम टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ महज एक जीत दर्ज कर सकी थी जिससे टीम दो अंक लेकर ग्रुप सी में चौथे स्थान पर रही. मसाबा पिछले पांच साल से टीम के कप्तान थे जिसमें टी20 विश्व कप में टीम की अगुआई करना भी शामिल था.

वेसाले सेरेवी रग्बी के मुख्य कोच बने

नयी दिल्ली। विश्व रग्बी हाल ऑफ फेम में शामिल वेसाले सेरेवी को भारत की पुरुष और महिला रग्बी 7 टीमों का मुख्य कोच बनाया गया है. फीजी के सेरेवी क्लब और राष्ट्रीय स्तर पर 15 प्रति टीम रग्बी खेल चुके हैं. किंग आफ सेवंस कहलाये जाने वाले सेरेवी ओलंपिक में रग्बी सेवंस को शामिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समक्ष विश्व रग्बी के सलाहकार भी रह चुके हैं. रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, रग्बी इंडिया में हमारा लक्ष्य अतीत से बेहतर प्रदर्शन करना है.

27 खिलाड़ियों का चयन किया गया

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 21 जून से 8 जुलाई तक यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में लगाए जाने वाले ओलंपिक पूर्व राष्ट्रीय शिविर के लिए गुरुवार को 27 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की. भारत को ओलंपिक में पूल बी में रखा गया है, जहां उसका सामना बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड से होगा. तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी. प्रो लीग में भारत 16 मैच में 24 अंक के साथ अभी चौथे स्थान पर है.

सुपर-8 : फिल साल्ट ने 47 गेंद खेलकर 87 रन बनाए

साल्ट की आक्रामक पारी से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया

भाषा। ग्रोस आइलेट

फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से गत चैंपियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के अपने पहले मैच में सह मेजबान वेस्टइंडीज को गुरुवार को आठ विकेट से हराया. अफगानिस्तान को आखिरी ग्रुप मैच में हराने वाली वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर चार विकेट पर 180 रन बनाये, लेकिन जवाब में इंग्लैंड की टीम ने ग्रुप दो के मैच में 17.3 ओवर में ही दो विकेट पर 181 रन बना लिये. साल्ट ने अपनी आक्रामक पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाये. वहीं जॉनी बेयरस्टो ने 26 गेंद में नाबाद 48 रन जोड़े जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे. इंग्लैंड के गेंदबाजों को भी जीत का श्रेय जाता है जिन्होंने 51 डॉट गेंदें डाली. जोफ्रा आर्चर ने 34 रन देकर और आदिल रशीद ने 21 रन देकर एक एक विकेट लिया और किफायती गेंदबाजी की. साल्ट को सात के स्कोर पर निकोलस पूरन ने जीवनदान दिया जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया. उन्होंने बेयरस्टो के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद में 97 रन की साझेदारी की. दोनों के बीच के ओवरों में मेजबान स्पिन आक्रमण का बखूबी सामना किया. धीमी शुरुआत के बाद इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में खुलकर खेलना शुरू किया, जब कप्तान जोस बटलर ने रोमारियो शेपर्ड को दो चौके लगाये. वहीं साल्ट ने अगले ओवर में आंद्रे रसेल को छक्का जड़ा. दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए पावरप्ले के छह ओवर में स्कोर बिना किसी नुकसान के 58 रन तक पहुंचाया. ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस ने मेजबान को पहली सफलता दिलाई

जब बटलर 108.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली उनकी गेंद पर चकमा खाकर पगबाधा आउट हो गए. इसके बाद हालांकि साल्ट और बेयरस्टो ने टीम को आसानी से जीत तक पहुंचाया.

इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरुआत शानदार रही, जब ब्रेंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने पांचवें ओवर तक बिना किसी नुकसान के 40 रन बना लिये थे. किंग को सैम कुरेन की गेंद बाजू में लगी और चोटिल होने के कारण उन्हें मैदान से जाना पड़ा. शानदार फॉर्म में चल रहे पूरन इसके बाद क्रीज पर आये और उन्होंने चार्ल्स के साथ पावरप्ले में 54 रन तक स्कोर पहुंचाया. पूरन ने आठवें ओवर में मार्क वुडको छक्का लगाया लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने वापसी की. चार्ल्स ने रशीद को छक्का लगाया लेकिन अगले ओवर में मोईन अली ने उन्हें लांग आन पर हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया. चार्ल्स ने 34 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाये. कप्तान रोवमैन पॉवेल ने आफ स्पिनर अली को छक्का लगाया और लियाम लिविंगस्टोन को पांच गेंद में तीन छक्के जड़े . लिविंगस्टोन ने हालांकि अपनी आखिरी गेंद पर उन्हें आउट किया. पॉवेल ने 17 गेंद में 36 रन बनाये. आर्चर ने पूरन (32 गेंद में 36 रन) को पवेलियन भेजा. शेरफेन रदरफोर्ड ने आखिरी ओवरों में 15 गेंद में नाबाद 28 रन बनाये.

वेस्टइंडीज पर मिली जीत से आत्मविश्वास बढ़ा व लय भी मिली : साल्ट

ग्रोस आइलेट। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कहा है कि टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के पहले मैच में वेस्टइंडीज पर आठ विकेट से मिली जीत से सही समय पर उनकी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और लय मिल गई है. साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से इंग्लैंड ने 181 रन का लक्ष्य 17 .3 ओवर में ही हासिल कर लिया. साल्ट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमारे लिये टूर्नामेंट अभी तक उतार चढ़ाव भरा रहा था. ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए और स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में बारिश आ गई. हमने अभी तक बहुत क्रिकेट खेला ही नहीं. टूर्नामेंट क्रिकेट में आपको सही समय पर आत्मविश्वास और लय चाहिए होती है. मेजबान टीम को हराकर हमें वही मिला है. उन्होंने कहा कि वह सही समय पर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर दबाव बनाने का इंतजार कर रहे थे. जोस के आउट होने के बाद मुझे पारी के सूत्रधार की भूमिका निभानी थी. मैं सही गेंदों का इंतजार कर रहा था. उनके पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं और मैं हाथ आये किसी मौके को गंवाना नहीं चाहता था.

जिम्बाब्वे पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने जस्टिन सैमंस

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने दक्षिण अफ्रीका के जस्टिन सैमंस को पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया है. सैमंस दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच रह चुके हैं. अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिये जिम्बाब्वे के क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद डेव हॉटन ने कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था. सैमंस का कार्यकाल छह जुलाई से हरारे में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच से शुरू होगा. जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज डियोन इब्राहिम सहायक कोच होंगे. वह न्यूजीलैंड की सीनियर पुरुष टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा हैं. जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तावेंग्वा मुकुहलानी ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जस्टिन जिम्बाब्वे की सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच होंगे. उनके पास कोचिंग का अपार अनुभव है और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में कई युवा प्रतिभाओं को तलाशा और तराशा है.

आज का मैच : बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगा ऑस्ट्रेलिया

भाषा। नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

कागजों पर भले ही यह मुकाबला एकतरफा नजर आता हो लेकिन ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर-8 के ग्रुप एक में शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना ऑलराउंड खेल दिखाना होगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को इस मुकाबले में उतरने से पहले यह बात अच्छी तरह गांठ बांध लेनी चाहिए कि बांग्लादेश को हल्के से लेना टीम पर भारी पड़ सकता है. बांग्लादेश ने 2021 में अपनी घरेलू धरती पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था. यहां की परिस्थितियां भी काफी हद तक उपमहाद्वीप से मिलती हैं और ऐसे में किसी भी तरह की ढिलाई ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ सकती है. ऑस्ट्रेलिया के लिए इस तरह की परिस्थितियों में लेग स्पिनर एडम जंपा और ग्लेन मैक्सवेल तथा कामचलाऊ स्पिनर ट्रैविस हेड की भूमिका अहम होगी. यहां की पिच धीमी हैं और ऑस्ट्रेलिया बाएं हाथ के स्पिनर एस्टन एगर को भी अंतिम एकादश में बनाए रख सकता है.

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा। रिजर्व : जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट.

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदॉय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। रिजर्व : अफीफ हुसैन, हसन महमूद.

मैच : सुबह 6 बजे शुरू होगा.

आज का मैच : सुपर-8 में दूसरी जीत दर्ज करना चाहेगा इंग्लैंड

भाषा। ग्रोस आइलेट

सह मेजबान वेस्टइंडीज को हराकर फॉर्म में लौटे इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के दमदार गेंदबाजी आक्रमण की कठिन चुनौती होगी. इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को सुपर आठ चरण के पहले मैच में आठ विकेट से हराया. अब वह ग्रुप में नेट रनरेट (प्लस 1.34) के आधार पर शीर्ष पर है. चूंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रनरेट उससे कम (प्लस 0 . 90) है. अब दक्षिण अफ्रीका को हराने पर सेमीफाइनल में उसका प्रवेश लगभग तय हो जाएगा.

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को सुपर आठ चरण के पहले मैच में अमेरिका ने कड़ी चुनौती दी. हालांकि उसने 18 रन से जीत दर्ज की इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के लिए 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से 17.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया.

साल्ट एक बार फिर कप्तान जोस बटलर के साथ इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाना चाहेंगे.

टीमें

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड.

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स.

मैच का समय : रात आठ बजे से.

20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे भारतीय रोवर बलराज पंवार

कोलकाता। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय रोवर (नौकायन खिलाड़ी) बलराज पंवार ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए 20 दिन पहले पेरिस पहुंच जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि इसका उन्हें फायदा मिलेगा. पुरुष सिंगल स्कल्स रोइंग स्पर्धा में भाग लेने वाले पंवार पहले बैच के उन भारतीय खिलाड़ियों में शामिल होंगे, जो परिस्थितियों से तालमेल बिठाने के लिए प्रतियोगिता से काफी पहले पेरिस पहुंच जाएंगे. पंवार ने संवाददाताओं से वर्चुअल बात करते हुए कहा, हम 20 दिन पहले वहां पहुंच जाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि हमें यह अजीब नहीं लगेगा. इससे हमें परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में मदद मिलेगी. भारतीय डबल्स स्कल्स रोवर सलमान खान प्रशिक्षण साथी के रूप में उनके साथ पेरिस जाएंगे. पंवार ने कहा, पुरुष सिंगल स्कल्स में आप पानी में अकेले होते हैं और इसके लिए मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण की जरूरत होती है.

यूरो फुटबॉल 2024 जेरदान शाकिरी के शानदार गोल से मैच बराबरी पर

स्विटरजलैंड ने स्कॉटलैंड के साथ ड्रॉ खेला

एजेंसी। कोलोन (जर्मनी)

जेरदान शाकिरी के शानदार गोल की मदद से स्विटजरलैंड ने यूरो फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 में स्कॉटलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला. 32 वर्ष के शाकिरी ने लगातार छठे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल दागा है, जिसमें तीन विश्व कप और तीन यूरो चैंपियनशिप शामिल है. स्कॉटलैंड के लिए 13वें मिनट में स्कॉट मैक टोमिने के पास पर फेबियन शार ने पहला गोल दागा. शाकिरी ने 26वें मिनट में बराबरी का गोल किया. इस ड्रॉ के बाद स्विटजरलैंड के चार अंक हैं और वह ग्रुप ए में जर्मनी के बाद दूसरे स्थान पर है. जर्मनी ने हंगरी को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बना ली है.

ब्राजीली मिडफील्डर लुकास से करार किया

चेन्नई । चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सत्र से पहले गुरुवार को ब्राजील के मिडफील्डर लुका ब्रम्बिला से एक साल का करार किया. ब्रम्बिला इससे पहले साइप्रस के शीर्ष टीयर क्लब ओथेलोस एथियनोऊ से जुड़े थे. इस तरह चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले नौवें खिलाड़ी से अनुबंध किया और यह उनका चौथा विदेशी खिलाड़ी भी है. इससे पहले एल्सिन्हो डायस, चीमा चुक्वु और विल्मर जोर्डन गिल क्लब से जुड़ने वाले विदेशी खिलाड़ी थे.

भारतीय तीरंदाज विश्व कप में पदक से चूके

अंताल्या (तुर्की)। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीमों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जिससे दोनों गुरुवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में पदक से चूक गयीं. लेकिन अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक टीम कोटा हासिल करने के करीब हैं. विश्व कप के तीसरे चरण में भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही जबकि पुरुष टीम अंतिम 16 तक पहुंची. अब दोनों टीमों को सोमवार तक का इंतजार करना होगा जब विश्व तीरंदाजी द्वारा रैंकिंग के आधार पर आधिकारिक सूची की घोषणा की जायेगी. नये नियम के अनुसार रैंकिंग से उन दो शीर्ष देशों को ओलंपिक कोटा दिया जाता है जो ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये कोटा हासिल नहीं कर सके.

अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने से हुई मौत

तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन का निधन

भाषा। बेंगलुरु

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड जॉनसन की अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई और यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या यह आत्महत्या का मामला है. एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. वह 52 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं. जॉनसन अपने घर के पास में ही क्रिकेट अकादमी चला रहे थे लेकिन पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे. कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, हमें बताया गया कि वह अपने अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिर गए थे. उन्हें अस्पताल

ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनकी मौत के कारणों की जांच की जा रही है. पुलिस अधिकारी ने कहा, ऐसा माना जा रहा है कि 52 वर्षीय डेविड जूड जॉनसन कोथनूर के कनक श्री लेआउट में अपने अपार्टमेंट से गिर गए, जिससे आत्महत्या का संदेह पैदा हो रहा है. जॉनसन ने भारत की तरफ से दो टेस्ट मैच खेले. उन्होंने कुल 39 प्रथम श्रेणी मैच खेले. वह कर्नाटक की उस मजबूत गेंदबाजी इकाई का हिस्सा थे जिसमें अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, वेंकटेश प्रसाद और डोडा गणेश शामिल थे. भारत के पूर्व गेंदबाज और जॉनसन के लंबे समय तक साथी रहे गणेश ने कहा, यह बेहद दुखद खबर है क्योंकि हम टेनिस क्रिकेट के दिनों से ही एक क्लब जय कर्नाटक की तरफ से खेला करते थे. दिग्गज लेकर स्पिनर अनिल कुंबले ने भी जॉनसन के निधन पर शोक व्यक्त किया. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी जॉनसन के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की.

ब्रीफ खबरें

सांसद के खिलाफ परिवाद दायर

मुजफ्फरपुर । मुस्लिम, यादव और कुशवाहा जाति के लोगों का काम नहीं करने वाला बयान देने वाले जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ मुजफ्फरपुर की सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर हो गया है. इतना ही नहीं कोर्ट ने इस मामले में आगामी दो जुलाई को सुनवाई की तिथि भी मुकर्रर किया गया है. मामले की जानकारी अधिवक्ता हरिओम कुमार ने दिया है. परिवादी दिलीप कुशवाहा ने बताया है कि बीते दिनों सीतामढ़ी जिला के डुमरा और परिहार में सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा जाति को लेकर टिप्पणी की गई थी.

जमीन विवाद में पुत्र ने की पिता की हत्या

पूर्वी चंपारण । जिले में आपसी विवाद में एक पुत्र पक अपने पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी. घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शंभू चक पंचायत के वार्ड नंबर 10 राई टोला की है. बताया जा रहा है कि कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शम्भूचक पंचायत निवासी अरुण सिंह और उसके छोटे भाई रत्नेश सिंह के बीच घरारी के जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था, जिसको लेकर फिर से दोनो के बीच विवाद शुरू हुआ तो पिता वशिष्ठ सिंह बीच में आ गए. फिर दोनों के बीच पहले गाली-गलौज फिर मारपीट शुरू हो गया. इसी दौरान अरुण सिंह ने अपने बेटे, पत्नी के साथ पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गयी.

अपहृत बालक सकुशल बरामद किया गया

नालंदा । नूरसराय थाना इलाके के पपरनौसा गांव से अपहृत बालक को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है . किशोर रामजतन पासवान का 10 वर्षीय पुत्र विक्रांत उर्फ विक्रांता हैं. किशोर ने बताया कि गांव के ही कारू पासवान समेत दो व्यक्ति उसे मोबाइल दिलाने का झांसा देकर गांव से लेकर चला गया . वहां से पटना ले गया. मामला दर्ज होते ही पुलिस आरोपियों पर दबाव बनाना शुरू किया गया तो बच्चे को छोड़ दिया. पुलिस ने बच्चे को एक गोदाम के पास से सकुशल बरामद किया है. बच्चों का कोर्ट में बयान दर्ज कराया गया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खरीफ महाभियान का किया शुभारंभ

किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 1 अणे मार्ग से खरीफ महाभियान-2024 का शुभारंभ किया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2024 के तहत सभी जिलों के लिए किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जाय. इन किसान जागरूकता वाहन के माध्यम से किसानों को खरीफ फसलों की तकनीकी जानकारी एवं खरीफ

किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सीएम व अन्य.

मौसम में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. साथ ही खरीफ में अनुदानित दर पर उपादान वितरण की जानकारी, फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूकता, जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम से संबंधित जानकारी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, फसल विविधिकरण पर विशेष जानकारी, चतुर्थ कृषि रोड मैप के विभिन्न आयामों की जानकारी सहित अन्य कार्यक्रमों का भी प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक किया जाएगा.

कार्यक्रम की शुरूआत में कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

बिहार विमं का मानसून सत्र 22-26 जुलाई तक

पटना । बिहार विधानमंडल का सत्र आगामी 22 से 26 जुलाई तक चलेगा. सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी. बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के लिए सरकार ने अपनी स्वीकृति दे दी है. कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद अब विस सचिवालय जल्द ही पूरा शेड्यूल जारी करेगा. 22 जुलाई को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही मानसून सत्र की शुरुआत होगी. सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार तक चलने वाले मानसून सत्र के दौरान विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा.

नीतीश कैबिनेट में प्रस्ताव पारित

मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा व भागलपुर में भी चलेगी मेट्रो ट्रेन

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई. शुक्रवार को मुख्य सचिवालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित इस बैठक में कुल 22 प्रस्ताव स्वीकृत कर लिए गए. इसमें सबसे प्रमुख प्रस्ताव मेट्रो परियोजना से संबंधित है. पटना के बाद अब बिहार के गया, भागलपुर, दरभंगा और मुजफ्फरपुर शहर में भी मेट्रो रेल का परिचालन होगा. सीएम नीतीश कुमार के मेट्रो परिचालन के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है.

बिहार उच्च न्यायिक सेवा के 140 पदों के सृजन की स्वीकृति : वहीं बिहार व्यवहार न्यायालय अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्ति प्रोन्नति स्थानांतरण एवं अन्य सेवा संशोधन नियमावली 2024 के प्रस्ताव पर भी सीएम नीतीश कुमार ने अपना मुहर लगा दिया. इतना ही नहीं बिहार वाहन चालक भर्ती एवं सेवा शर्त संशोधन नियमावली 2024 के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी गई है. वहीं नौकरी की बात करें तो बिहार उच्च न्यायिक सेवा के 140 पदों के सृजन की स्वीकृति सीएम नीतीश कुमार ने दे दी. साथ ही जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिकोष आयोग के लिए अनुबंधन के आधार पर निबंधक के कुल 20 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई.

नीट पेपर लीक : डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का दावा, कहा-

मास्टरमाइंड के लिए तेजस्वी के पीएस ने बुक कराया था रूम

बोले- बुकिंग कराने के दौरान तेजस्वी यादव के लिए मंत्री शब्द का इस्तेमाल किया गया

लगातार न्यूज नेटवर्क । पटना

नीट-यूजी परीक्षा में धांधली के मसले पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है. इस मामले में पेपर लीक के आरोप भी लग रहे हैं. कई लोगों की इस मामले में गिरफ्तारी भी की जा चुकी है. इस बीच, बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम का नाम इससे जोड़ कर सनसनी फैला दी है.

उन्होंने आरोप लगाया है कि नीट-यूजी का पेपर लीक करने वाली गैंग के सदस्य पटना के गेस्ट हाउस में रुके थे और इसकी बुकिंग तेजस्वी यादव के निजी सचिव ने कराई थी. यही नहीं बुकिंग कराने के दौरान तेजस्वी यादव के लिए मंत्री शब्द का इस्तेमाल किया गया. इस पर विजय सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की है और विस्तार से आरोप लगाए हैं. सिन्हा ने कॉल डिटेल समेत कई दस्तावेज दिखाते हुए कहा, एक मई को तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार के मोबाइल नंबर से रात को 9 बजकर 7 मिनट पर पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार को फोन किया गया. यह फोन सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए कमरे की बुकिंग के मकसद से किया गया था. इस पर प्रदीप कुमार ने कोई संज्ञान नहीं लिया. फिर 4 मई को सुबह 8 बजे फिर से प्रीतम कुमार ने फिर से फोन किया गया. इस बार प्रदीप कुमार ने पथ निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता को वॉट्सऐप पर मेसेज भेजा था.

विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से पेपर लीक के आरोपों की जांच की जा रही है. इस मामले में जांच में अब तक पेपर लीक का शक बढ़ा ही है. उन्होंने कहा, हम जानकारी जुटा रहे हैं. गेस्ट हाउस से जिन लोगों को पकड़ा गया, उनका जिन लोगों से संबंध है, उनमें से एक प्रीतम है. लोगों का कहना है कि वह तेजस्वी यादव से जुड़ा है. हम इस पूरे मामले में जानकारी जुटा रहे हैं. चुनाव की वजह से हम अब तक पूरी जानकारी नहीं हासिल कर पाए थे. इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ सख्त ऐक्शन होगा. उन्हें बताना होगा कि गेस्ट हाउस का किस मंत्री और किन लोगों ने इस्तेमाल किया.

इधर, बिहार पुलिस के सामने परीक्षार्थी ने कबूला, कहा-

फूफा ने सेटिंग की, पेपर देकर रात भर रटवाया

नीट यूजी पेपर केस लीक केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं. बिहार पुलिस ने जिस अनुराग यादव नाम के परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया था, उसका कबूलनामा सामने आया है. उसने स्पष्ट कहा कि उसके फूफा सिकंदर प्रसाद यादवेंदु ने ही उसे कोटा से पटना बुलाया था. कहा था कि परीक्षा में सब सेटिंग हो चुकी है. इसके बाद चार मई की रात पटना के एक रेस्ट हाउस में अमित आनंद और नीतीश कुमार के पास मुझे छोड़ दिया. इनलोगों ने मुझे नीट के परीक्षा का प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका दी. रात भर में पेपर रटवाया गया. अनुराग ने यह भी खुलासा किया कि अगले दिन जब मैं परीक्षा देने सेंटर पर पहुंचा, तो प्रश्न देखकर दंग रह गया. सभी प्रश्न वही थे जो रात में मैंने पढ़ा था. इसके बाद पुलिस ने अनुराग को गिरफ्तार कर लिया था. अनुराग के कबूलनामे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बिहार में पेपर लीक हुआ था. बता दें कि नीट पेपरलीक केस में जूनियर इंजीनियर सिकंदर प्रसाद यादवेंदु को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गेस्ट हाउस की इंट्री रजिस्टर में जिस अनुराग यादव का नाम दर्ज है, ये वही शख्स है.

महानंदा नदी का जलस्तर तीन दिन में 4 सेंटीमीटर बढ़ा

जिले के कई हिस्सों में घुसा बाढ़ का पानी

संवाददाता । किशनगंज

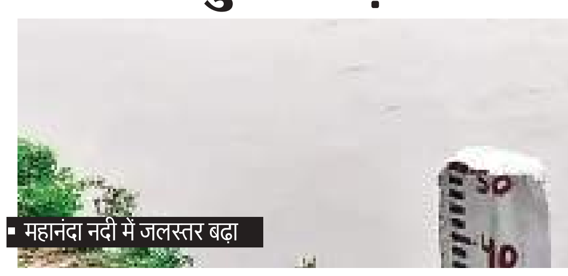

महानंदा नदी में जलस्तर बढ़ा

जिले में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से महानंदा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है. साथ ही डोंक नदी का भी जलस्तर काफी बढ़ गया है. इसको लेकर सीओ मोहित राज ने भी नदियों का जायजा लिया है. पोठिया प्रखंड क्षेत्र होकर बहने वाली महानंदा व डोंक नदी का जलस्तर पिछले तीन दिनों से बढ़ रहा है. लगातार वर्षा होने के कारण दोनों नदी उफान पर है. महानंदा नदी का जलस्तर बढ़कर 4 सेंटीमीटर हो गया है. नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से गोरिहाट, डाक बंगला, कलियागंज आदि स्थानों पर नदी किनारे बसने वाले गिल्हाबाड़ी, बारापोखर, आदिवासी टोला मुस्लिम टोला, बारापोखर प्राथमिक विद्यालय, तैयबपुर, कलियागंज, गोरिहाट, इंदरपुर सहित दर्जनों गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर जाता है. फिलहाल, बहादुरगंज के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस चुका है.

नदी की उफान को लेकर लोग इस आशंका को लेकर परेशान हैं, कि यदि रात तक पानी की बढ़ती रफ्तार नहीं रुका तो मुश्किलें बढ़ जायेगी. इसी प्रकार डोंक नदी का भी जल स्तर बढ़ने से लोग बाढ़ की आशंका को लेकर चिंतित हैं. पोठिया के मो. आदिल, बिरजू सहित कई स्थानीय लोगो ने बताया कि गांव में अब तक पानी प्रवेश नहीं किया है. लेकिन, माल मवेशियों को दिक्कत जरूर है.

नवादा में एक ही परिवार की तीन महिलाओं के शव मिले, हड़कंप

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही गांव में गुरुवार को एक घर से तीन महिलाओं का शव बरामद हुई है. इस दर्दनाक घटना के प्रकाश में आने से इलाके में हड़कंप मचा है. एक ही परिवार के तीन महिला सदस्यों की मिली लाश की तरह की शंकाओं को जन्म दे रही है. मृतकों में माता एवं उनकी दो पुत्रियां शामिल है. जिसमें एक पुत्री शिक्षिका बताई जाती हैं. जो प्रखण्ड के केवाली पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा में पदस्थापित थीं. घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार भलुआही बाजार में अवस्थित सेवानिवृत्त इंजीनियर स्वर्गीय नियाज अहमद के मकान में रह रहे उनकी पत्नी आमना खातून, उनकी शिक्षिका पुत्री शबाना खान एवं एक अन्य पुत्री मंजू खातून की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई.

सीतामढ़ी: जमीन विवाद में भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या कर दी

सीतामढ़ी । जिले के महिंद्रावाडा में एक भाजपा नेता की बीती देर रात जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी. घटना जिले के महिंदवारा थाना क्षेत्र के मौना गांव की है. मृतक की पहचान मौना गांव निवासी भरत साह के पुत्र राजेश कुमार साह के रूप में की गयी है. बताया जाता है कि राजेश भाजपा युवा मोर्चा के कोआही मंडल का पूर्व में अध्यक्ष रह चुका है. फिलहाल वह अपने दरवाजे पर ही सीएसपी व कैफे का संचालन करता था.

कारोबार

राजेश द्विवेदी ने निदेशक का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि राजेश कुमार द्विवेदी ने कंपनी के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण कर लिया है. बीएचईएल ने बयान में कहा कि इससे पहले द्विवेदी कंपनी में कॉरपोरेट वित्त के महाप्रबंधक और प्रमुख रह चुके हैं. द्विवेदी (56) भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के प्रतिष्ठित फेलो सदस्य हैं और उनके पास एमबीए डिग्री है. बयान के अनुसार, द्विवेदी 1992 में बीएचईएल में कार्यकारी प्रशिक्षु (वित्त) के रूप में शामिल हुए.

रॉयल ऑर्किड ने अर्जुन को अध्यक्ष बनाया

नयी दिल्ली । रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड ने सह-प्रवर्तक अर्जुन बालजी को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया है. आरओएचएल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि बालजी के पास रियल एस्टेट, प्रौद्योगिकी, स्टार्ट-अप और होटल जैसे क्षेत्रों में 20 वर्षों से अधिक अनुभव है. कंपनी ने कहा कि वे 2001 में पहले रॉयल ऑर्किड होटल के विकास में शामिल थे और परियोजना कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे समूह सिर्फ छह साल में दो से 10 होटलों तक बढ़ गया.

वारी एनर्जीज को मिला आपूर्ति का ठेका

नयी दिल्ली । वारी एनर्जीज को महिंद्रा सस्टेन को 280 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिला है. वारी एनर्जी ने गुरुवार को बयान में कहा कि इन मॉड्यूल की आपूर्ति दिसंबर, 2024 से की जाएगी. इन्हें महिंद्रा सस्टेन की महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डिजायन किया गया है. वारी एनर्जीज ने राजस्थान के बीकानेर में 280 मेगावाट (डीसी) उन्नत सौर मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए अक्षय ऊर्जा स्वतंत्र उत्पादक महिंद्रा सस्टेन के साथ एक समझौते की घोषणा की. वारी एनर्जीज के बिक्री निदेशक सुनील राठी ने बयान में कहा कि महिंद्रा सस्टेन के साथ साझेदारी हमारी कंपनी के लिए बहुत गर्व की बात है.

मुंबई में अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी के प्रमोशन के दौरान बात करती हुईं अभिनेत्री दीपिका पादुकोण.

डीजीसीए ने नियमों को आसान बनाया

मुंबई । विमानन नियामक डीजीसीए ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गुरुवार को कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे. इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा. संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी. उन्होंने कहा, डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं. नए मानदंडों के तहत, वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर 'सीप्लेन-रेटेड' पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं. इसके अलावा, सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी.

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा-

असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई न होना चिंताजनक

- असुरक्षित कर्ज में वृद्धि के कारण इस बाजार में संभावित समस्या हो सकती है.
- असुरक्षित ऋण में वृद्धि वास्तव में धीमी हो गई है

एजेंसी । मुंबई

गवर्नर शक्तिकांत दास.

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बड़ी समस्या पैदा हो सकती है. उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर आरबीआई की कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि धीमी होने का वांछित प्रभाव पड़ा है.

यहां आरबीआई के कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स में वित्तीय मजबूती पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि असुरक्षित ऋण पर प्रतिबंध इस दृष्टिकोण का परिणाम है कि असुरक्षित कर्ज में वृद्धि के कारण इस बाजार में संभावित समस्या हो सकती है. उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं, लेकिन मानकों में ढील, उचित मूल्यांकन का अभाव और कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित ऋण को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के 'स्पष्ट सबूत' हैं. दास ने कहा, हमने सोचा कि अगर इन कमज़ोरियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो ये एक बड़ी समस्या बन सकती हैं. इसलिए, हमने सोचा कि पहले से ही कार्रवाई करना और ऋण वृद्धि को धीमा करना बेहतर है.

उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि आरबीआई की कार्रवाई का वांछित प्रभाव पड़ा है, क्योंकि असुरक्षित ऋण में वृद्धि वास्तव में धीमी हो गई है. दास ने कहा कि क्रेडिट कार्ड खंड में वृद्धि आरबीआई की कार्रवाई से पहले के 30 प्रतिशत से घटकर अब 23 प्रतिशत हो गई है, जबकि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंक ऋण देने की वृद्धि पहले के 29 प्रतिशत से घटकर अब 18 प्रतिशत हो गई है. पिछले वर्ष 16 नवंबर को आरबीआई ने गैर-जमानती ऋण और एनबीएफसी को दिए जाने वाले ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया था, जिससे बैंकों को ऐसी परिसंपत्तियों पर अधिक मात्रा में पूंजी रखनी होगी. आरबीआई गवर्नर ने कहा, भारत का घरेलू वित्तीय तंत्र अब कोविड संकट के दौर में प्रवेश करने से पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है. भारतीय वित्तीय तंत्र अब बहुत मजबूत स्थिति में है, जिसकी विशेषता मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का निम्न स्तर और बैंकों व गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं की स्वस्थ लाभप्रदता है.

एलाइड ब्लेंडर्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नयी दिल्ली : ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 जून को खुलेगा. कंपनी ने गुरुवार को इसके लिए मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया. कंपनी ने घोषणा करते हुए कहा कि आईपीओ 25 से 27 जून तक खुला रहेगा. एंकर (बड़े) निवेशक 24 जून को शेयर खरीद सकेंगे. ब्रोकिंग कंपनियों ने निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,860 करोड़ रुपये आंका है. आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम है. इसके अलावा, प्रवर्तकों द्वारा 500 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है.

सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार ने दो अफ्रीकी देशों मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है. हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है. मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है.

शेयर बाजार बैंकिंग-मेटल्स व मिडकैप स्टॉक्स ने बाजार में भरा जोश, बाजार हरे निशान पर बंद

सेंसेक्स 200 अंक चढ़ा, निफ्टी 23550 के पार

- गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक में शानदार उछाल देखने को मिला है

एजेंसी । नयी दिल्ली

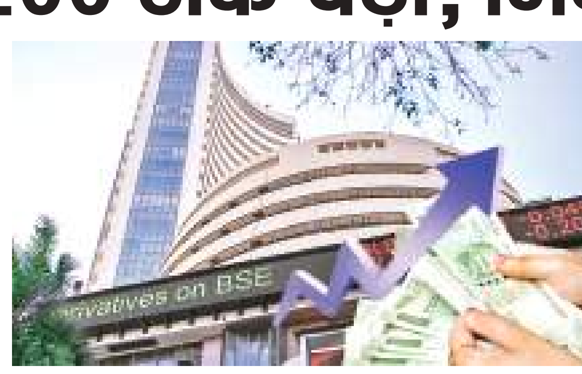

एक दिन की सुस्ती के बाद अगले ही दिन शेयर बाजार में रौनक लौट आई. गुरुवार को कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली है. गुरुवार के सेशन में एक बार फिर बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है. मेटल्स स्टॉक्स में भी खरीदारी रही. तो मिड कैप और स्मॉल कैप सेक्टर के शेयरों में फिर से चमक देखने को मिली है.

गुरुवार को कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 141 अंकों के उछाल के साथ 77,479 अंकों पर क्लोज हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 51 अंकों के उछाल के साथ 23,567 अंकों पर क्लोज हुआ है. गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक में शानदार उछाल देखने को मिला है. इसके अलावा मेटल्स, एनर्जी, रियल एस्टेट, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि ऑटो, फार्मा स्टॉक्स में गिरावट रही. गुरुवार के सेशन में फिर से मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है.

बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. बीएसई पर कुल 3976 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2295 स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि 1554 गिरकर क्लोज हुए. 291 स्टॉक्स में अपर सर्किट लगा है.

निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला : शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 435.91 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 433.95 लाख करोड़ रुपये रहा था. गुरुवार के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.96 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स : गुरुवार के ट्रेड में जेएसडब्ल्यू 1.67 फीसदी, टाटा स्टील 1.28 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.05 फीसदी, रिलायंस 1 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.96 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.95 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.88 फीसदी का उछाल रहा है. जबकि सन फार्मा 2.24 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.10 फीसदी, एनटीपीसी 1.26 फीसदी, एसबीआई 1.03 फीसदी, विप्रो 1.03 फीसदी, पावर ग्रिड 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

सेबी ने ओला इलेक्ट्रिक, एमक्योर को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

एजेंसी । नयी दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक और दवा कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स को वित्त जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, इन दोनों ही कंपनियों के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को 10 जून को स्वीकृति मिल गई है. इसका मतलब है कि अब दोनों ही कंपनियां अपने-अपने आईपीओ लाने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं. ओला इलेक्ट्रिक के प्रस्तावित आईपीओ में 5,500 करोड़ के नए शेयर जारी करने के अलावा प्रवर्तकों एवं निवेशकों के पास मौजूद 9.52 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी.

पीएम आज डल झील के किनारे योग दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल, कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी का पहला जम्मू-कश्मीर दौरा

एजेंसी। श्रीनगर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को श्रीनगर पहुंचेंगे. तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह मोदी का पहला जम्मू-कश्मीर दौरा है. प्रधानमंत्री दिन में श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में ''युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव'' कार्यक्रम में भाग लेंगे. इसके साथ ही वह 1500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. वह 1800 करोड़ रुपये की लागत वाली कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की सुधार परियोजना का भी शुभारंभ करेंगे. यहां जारी की गई एक अधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रधानमंत्री मोदी 21 जून को सुबह करीब साढ़े छह बजे श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. वह लोगों को संबोधित करेंगे और उसके बाद योग सत्र में भी भाग लेंगे." शुक्रवार को होने वाले मुख्य योग समारोह से पहले घाटी और शहर में पिछले तीन दिन से कई योग सत्र का आयोजन किया गया. बुधवार को यहां लाल चौक स्थित ऐतिहासिक घंटाघर के निकट योग कार्यक्रम आयोजित किया गया.

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरोग्य मंदिरों में योग दिवस मनाने के लिए राज्यों को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से 21 जून को सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का आग्रह किया है. मंत्रालय ने प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए योग 'एंबेस्डर' के रूप में प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित करने का भी सुझाव दिया. केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने हाल ही में राज्यों को लिखे एक पत्र में कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में योग व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियमित रूप से सत्र आयोजित किए जा रहे हैं. हर साल 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य कल्याण और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में इसकी व्यापक क्षमता को लेकर जागरूकता पैदा करना और नागरिकों के बीच योग के अभ्यास को बढ़ावा देना है. आयुष मंत्रालय के अनुसार इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'खुद और समाज के लिए योग' है.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से एक दिन पहले गुरुवार को कोयंबटूर में हवाई अड्डे के सीआईएसएफ कर्मियों ने ईशा फाउंडेशन के एक योग सत्र में भाग लिया.

ब्रीफ खबरें

इमरान के राजनीतिक सलाहकार का अपहरण

लाहौर। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया है. मीडिया में आई खबरों में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई. 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने खबर दी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता शाहबाज गिल के बड़े भाई गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों ने उस समय अपरहण कर लिया जब वह इस्लामाबाद जा रहे थे. इस बाबत कान्हा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है. प्राथमिकी उनके बेटे बिलाल ने दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने घर से निकले और इस्लामाबाद की ओर चल दिए.

उप्र के अयोध्या में शुरू हुआ सरयू महोत्सव

अयोध्या (उप्र)। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में बृहस्पतिवार को सरयू महोत्सव शुरू हुआ और इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर दर्शन-पूजन कर रहे हैं. ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा को सरयू का जन्मोत्सव मनाया जाता है उससे पहले आज से ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो जाएगा और पूजन तथा अर्चन का कार्य विशेष रूप से किया जाएगा. नित्य आरती के दरमियान भी मां सरयू के जन्मोत्सव को लेकर के विशेष आरती की जाएगी और इतना ही नहीं रामचरितमानस एवं रामायण के पाठों का परायण होगा तथा धूमधाम से सरयू का जन्मोत्सव 22 जून को ज्येष्ठ की पूर्णिमा के दिन मनाया जाएगा.

हैती में हिंसा बढ़ने से 6 लाख लोग विस्थापित

पोर्ट ऑ प्रिंस। कैरेबियाई देश हैती में सशस्त्र गिरोहों के साथ टकराव के कारण मार्च से हिंसा बढ़ी है, जिसके चलते लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित हुए हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी की एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. लाखों की संख्या में विस्थापित हुए लोगों का यह आंकड़ा चिंताजनक है, जो कैरेबियाई राष्ट्र के संकट की गंभीरता को दर्शाता है. हैती में लंबे समय से अशांति रही है, लेकिन फरवरी के अंत में सशस्त्र गिरोहों ने कई बड़े हमले किए हैं. बंदूकधारियों ने पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया, मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोलीबारी की और हैती की दो सबसे बड़ी जेलों पर भी हमला किया. गोलीबारी के कारण हवाई अड्डा तीन महीने तक बंद रहा.

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से मास्को व प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा ताकतवर समझौता

युद्ध की स्थिति में सहयोग का संकल्प

एजेंसी। सियोल

रूस और उत्तर कोरिया के नेताओं के बीच हुए नये समझौते के तहत दोनों देशों में से किसी पर भी हमला होने की सूरत में दोनों देश एक दूसरे को तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल करेंगे. उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गयी. उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बृहस्पतिवार को अपनी एक खबर में देश के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्योंगयांग में बुधवार को हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की जानकारी दी.

खबर में कहा गया है कि समझौते के अनुच्छेद चार के अनुसार अगर दोनों में से किसी भी देश पर हमला होता है या फिर युद्ध की स्थिति पैदा होती है तो दूसरे देश को बिना किसी विलंब के सैन्य व अन्य सभी प्रकार की सहायता प्रदान करनी होगी. इस समझौते को शीत युद्ध की समाप्ति की बाद से मास्को और प्योंगयांग के बीच सबसे ज्यादा ताकतवर समझौता माना जा रहा है. किम और पुतिन ने ही इस समझौते को दोनों देशों के लिए एक बड़ी उपलब्धि करार किया दिया है. रूस और उत्तर कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और उसके सहयोगी देश मास्को और प्योंगयांग के बीच संभावित हथियार समझौते को लेकर चिंता जता रहे हैं. इस समझौते के तहत प्योंगयांग आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के बदले में मास्को को यूक्रेन में युद्ध के लिए अत्यंत आवश्यक हथियार उपलब्ध कराएगा.

किम ने समझौते के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच 'घनिष्ठ मित्रता' है और यह अब तक का उनका सबसे शक्तिशाली समझौता है. किम ने यूक्रेन में युद्ध के लिए रूस के समर्थन का संकल्प लिया. वहीं पुतिन ने इसे 'सफल समझौता' करार दिया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की साझा इच्छाओं को दर्शाता है.

दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधों को मजबूत करने के प्रयास में वियतनाम पहुंचे रूस के राष्ट्रपति पुतिन

हनोई। यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुके रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने बरसों पुराने साझेदार वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां राजकीय दौरे पर पहुंचे. पुतिन के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत गणमान्य व्यक्तियों ने किया. पुतिन के स्वागत में सफेद पोशाक पहने सैनिक सावधान मुद्रा में खड़े हुए दिखाई दिये. पुतिन उत्तर कोरिया से यहां पहुंचे.

हनोई में रूसी नेता वियतनाम के सबसे शक्तिशाली राजनेता और कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव गुयेन फू ट्रोंग, नये राष्ट्रपति टो लैम और अन्य अधिकारियों से मिलेंगे. देश में अमेरिकी दूतावास ने पुतिन की इस यात्रा की तीखी आलोचना की है. पुतिन के वर्ष 2017 में वियतनाम के पिछले दौरे के बाद से बहुत कुछ बदल गया है.

वियतनाम के राष्ट्रपति टू लैम व उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को हनोई में राष्ट्रपति महल में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए. प्रेट्र

यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंधों का सामना कर रहा है. द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने वर्ष 2023 में युद्ध अपराधों के लिए पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था. हालांकि क्रेमलिन ने इसे अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया था और इस बात पर जोर दिया था कि मास्को न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है. सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट के विश्लेषक गुयेन खाक जियांग ने कहा कि पुतिन का हालिया चीन, उत्तर कोरिया व वियतनाम दौरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग रूस को नयी दिशा देने का प्रयास है.

दक्षिण कोरिया ने रूस-उत्तर कोरिया समझौते की तीखी आलोचना की

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए उस समझौते की निंदा की जिसमें युद्ध की स्थिति में आपसी रक्षा सहयोग की बात कही गई है. इसके साथ ही राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह यूक्रेन को आपूर्ति को सीमित करने की अपनी नीति पर पुनर्विचार करेगा. राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह टिप्पणी की. इससे पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को प्योंगयांग में अपने शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच हुए समझौते की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया. कार्यालय ने अपने बयान में कहा कि यह समझौता दक्षिण कोरिया की सुरक्षा के लिए खतरा है और इसका रूस-दक्षिण कोरिया संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि दक्षिण कोरिया इसके जवाब में यूक्रेन को रूसी हमले से लड़ने में मदद के लिए हथियार मुहैया कराने के मुद्दे पर पुनर्विचार करेगा. दक्षिण कोरिया एक उभरता हथियार निर्यातक है और उसके पास अमेरिका समर्थित एक सुसज्जित सेना है.

ठाणे और पालघर में हुई भारी बारिश, सूर्या नदी उफान पर

एजेंसी। ठाणे/पालघर

महाराष्ट्र के ठाणे और पड़ोसी पालघर जिले में रातभर भारी बारिश हुई और अधिकारियों ने भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए बृहस्पतिवार सुबह पालघर के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया.जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पालघर में सूर्या नदी में बाढ़ आने के कारण मनोर में एक पुल डूब गया और वाडा एवं मनोर के बीच आवागमन प्रभावित रहा. उन्होंने कहा कि ऊंची लहरों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई.

कदम ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह 10 बजे पालघर के लिए 'रेड अलर्ट' जारी कर अगले तीन घंटे में बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया. उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण पालघर के सासुन नवघर में खुदाई के काम आने वाली एक मशीन और उसके लापता संचालक की तलाश के लिये विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे तलाशी अभियान को फिलहाल रोक दिया गया है. एक जल परियोजना की सुरंग में मिट्टी धंसने के कारण 29 मई को खुदाई के काम आने वाली मशीन और उसका संचालक मलबे में दब गए थे.

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पड़ोसी ठाणे शहर और जिले में भी रातभर भारी बारिश हुई. ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि शहर में बृहस्पतिवार की सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटे की अवधि में 35.51 मिमी बारिश हुई. अधिकारियों के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढे आठ बजे से साढ़े नौ बजे के बीच शहर में 26.42 मिमी बारिश हुई.

दिल्ली में गर्मी की वजह से 24 घंटे में 17 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) और सफदरजंग अस्पतालों में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 17 लोगों की मौत हो गई है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. दिल्ली में बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है. हालांकि बृहस्पतिवार को सुबह हल्की बारिश होने से शहरवासियों को कुछ राहत मिली है. दिल्ली के अस्पतालों में भीषण गर्मी की वजह से बीमार पड़े मरीज़ों की संख्या बढ़ रही है. सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, गर्मी की वजह से बीमार पड़े 33 मरीज़ों को भर्ती कराया गया है. उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटे में 33 में से 13 रोगियों की मौत हो गई है. आरएमएल अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि अस्पताल में बीते 24 घंटे में संदिग्ध रूप से गर्मी की वजह से बीमार पड़े 22 लोगों को भर्ती कराया गया जिनमें से चार की मौत हो गई है.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी : शरद पवार

- कहा-महाराष्ट्र में लोगों का पीएम नरेंद्र मोदी पर से भरोसा उठा, उनकी गारंटी फर्जी साबित हुई

एजेंसी। पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में कांग्रेस फैसला करेगी, क्योंकि सदन में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के विभिन्न घटकों में सबसे ज्यादा सांसद कांग्रेस के पास हैं. यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष के किसी सदस्य को लोकसभा का उपाध्यक्ष बनाए जाने के प्रयास किए जाएंगे, पवार ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पिछली सरकार में इस "नियम" का पालन नहीं किया था. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा होगी, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि इसका कोई सार्थक नतीजा निकलेगा. पवार महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, "पहले हम इस बात पर सहमत थे कि यह पद सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी को मिलेगा. आज, कांग्रेस के पास लोकसभा में (विपक्षी दलों के बीच) सबसे अधिक सीट हैं, इसलिए वे तय करेंगे कि इस पद पर किसे नियुक्त किया जाना चाहिए." महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी की सफलता को लेकर पवार ने दावा किया कि लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर से भरोसा उठ गया है और "मोदी की गारंटी" फर्जी साबित हुई. उन्होंने कहा, "राज्य के लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि पिछले पांच साल में उन्होंने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए." कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) के गठबंधन एमवीए ने आम चुनाव में राज्य की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की है.

जन्मदिन : मुर्मू ने दिन की शुरुआत दिल्ली में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ की

राष्ट्रपति को उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर बृहस्पतिवार को उन्हें बधाई दी और उनकी अच्छी सेहत व लंबे जीवन की कामना की. राष्ट्रपति मुर्मू 66 वर्ष की हो गईं. मुर्मू ने अपने दिन की शुरुआत दिल्ली में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के साथ की और सभी नागरिकों के कल्याण के लिए प्रार्थना की.

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंदिर की कुछ तस्वीरें साझा कीं और लिखा, 'जय जगन्नाथ! आज दिल्ली में स्थित जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए तथा प्रार्थना की कि सभी देशवासियों का कल्याण हो तथा हमारा देश प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करता रहे.' मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाली आदिवासी परिवार में हुआ था. उन्होंने 25 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुर्मू को जन्मदिन की बधाई दी. राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, 'भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं.' मोदी ने 'एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. राष्ट्र के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवा और समर्पण हम सभी को प्रेरित करता है. गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की सेवा करने पर उनका ज्ञान और जोर एक मजबूत मार्गदर्शक शक्ति है.' प्रधानमंत्री ने कहा, 'उनकी जीवन यात्रा करोड़ों लोगों को उम्मीद देती है. उनके अथक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा. उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं.'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अपने जन्मदिन के मौके पर नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक विकलांग व्यक्ति संस्थान के दौरे के दौरान बच्चों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित भी किया. प्रेट्र

पहल भारत ने निर्माण के लिए दिया है 60 लाख डॉलर का अनुदान

समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की औपचारिक शुरुआत

एजेंसी। कोलंबो

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की संयुक्त रूप से शुरुआत की. इसके निर्माण के लिए भारत ने 60 लाख डॉलर का अनुदान दिया है. जयशंकर सुबह श्रीलंका पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति से मुलाकात की. जयशंकर ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं और बिजली, ऊर्जा, संपर्क, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. जयशंकर ने पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मार्गदर्शन में भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई, विशेष रूप से बिजली, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, बंदरगाह बुनियादी ढांचे, विमानन, डिजिटल, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्रों में। हमारे पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों के निरंतर विकास के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध.' राष्ट्रपति के मीडिया विभाग (पीएमडी) ने बताया कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और जयशंकर ने श्रीलंका में समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) की पट्टिका का डिजिटल माध्यम से अनावरण किया और औपचारिक तौर पर केंद्र की शुरुआत की. इसमें कोलंबो स्थित नौसेना मुख्यालय में एक केंद्र, हंबनटोटा में एक उप-केंद्र तथा गैले, अरुगम्बे, बट्टिकलोवा, त्रिंकोमाली, कल्लारावा, प्वाइंट पेड्रो और मोलिकुलम में मानवरहित प्रतिष्ठान शामिल हैं. पट्टिका के अनावरण के पश्चात जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की डिजिटल शुरुआत की. साथ ही जीओआई आवासीय योजना के तहत 154 से अधिक मकान सौंपे.' राष्ट्रपति के मीडिया विभाग ने भी पोस्ट पर पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी.

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मिलते विदेश मंत्री एस जयशंकर.

रास सदस्य संजय सिंह के विरुद्ध जमानती वारंट जारी

सुलतानपुर (उप्र)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ यहां की एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने जमानती वारंट जारी किया है. यह वर्ष 2021 के महामारी अधिनियम के उल्लंघन से जुड़ा मामला है, जिसमें सिंह वारंट के बावजूद अदालत में पेश नहीं हुए थे. विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय ने बताया कि 13 अप्रैल 2021 को बन्धुआकला के थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार सिंह ने संजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि दिन में साढ़े तीन बजे हसनपुर गांव में संजय सिंह अपनी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य सलमा बेगम के पक्ष में सभा कर रहे थे, जिसकी अनुमति उनके पास नहीं थी. सिंह के साथ 50-60 लोग और थे तथा उनके इस कृत्य से महामारी अधिनियम व अन्य कानूनों का उल्लंघन हुआ.

अमेरिकियों ने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई

भारत व्यापार करने को एक बेहतरीन देश

एजेंसी। वाशिंगटन

लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ लेने के कुछ दिनों बाद अमेरिकी सांसदों, व्यापार जगत के दिग्गजों और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नयी दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई. यहां 'यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में उन्होंने पिछले दशक में भारत में हुए विकास की भी सराहना की. कोहलबर्ग क्राविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी के सह संस्थापक और सह कार्यकारी अध्यक्ष हेनरी आर. क्रेविस ने कहा, 'भारत व्यापार करने के लिए एक बेहतरीन देश है. वहां 86 करोड़ लोगों के पास इंटरनेट है और नये विचार वाले उद्यमियों के साथ ढेरों अवसर हैं.' यूएसआईएसपीएफ ने अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अटूट प्रतिबद्धता दिखाने वाले क्राविस को 2024 ग्लोबल लीडरशीप अवॉर्ड से सम्मानित किया है. क्राविस के नेतृत्व में कंपनी भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक के रूप में उभरी है और पिछले दो दशकों में विभिन्न क्षेत्रों में उसने 11 अरब अमेरीकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है. इस निवेश से हजारों नौकरियों का सृजन हुआ और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिला है. उन्होंने कहा, 'भारत लंबे समय से कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार रहा है, क्योंकि देश का विकास प्रभावशाली है, जनसंख्या गतिशील है और नये विचार वाले उद्यमी व व्यापारिक समुदाय मौजूद हैं.' इस दौरान यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स और रिपब्लिकिन सीनेटर स्टीव डैनेस और डेन सुलिवन मौजूद थे. सीनेटर डैनेस ने कहा, ''हम शुल्क कम करने को लेकर भारत सरकार के साथ काम कर रहे हैं. भारत दालों की फसलों का नंबर एक उपभोक्ता है और मोंटाना नंबर एक उत्पादक। इसलिए, यह एक स्वाभाविक संबंध है.' सुलिवन ने कहा, 'भारत की कहानी वैश्विक पटल पर सामने नहीं आई है. हमें भारत को दुनिया के सामने लाने की जरूरत है. भारत की अपनी यात्राओं में मैंने जबरदस्त नवाचार देखा है. दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए रणनीतिक रूप से बहुत कुछ करने का दृष्टिकोण है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)